नई दिल्ली
रविवार 8 मार्च 2026
चैत्र मास कृष्ण पक्ष, पंचमी वर्ष : 29, अंक : 323
पृष्ठ 12 मूल्य 2 .00

मौसम
अधि. 34
न्यून. 19

#Give Gain To

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज

कार्यक्रम से पहले बोलीं राष्ट्रपति, हम सभी एक ऐसे समाज के निर्माण की दिशा में काम करें, जहां महिलाओं को समान अवसर प्राप्त हों

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आज... राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी राष्ट्रीय आयोजन की अध्यक्षता

वो अपनी क्षमताओं के बल पर आगे बढ़कर सफलता हासिल कर सकें

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रविवार, 8 मार्च को पूरा देश 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026' का जश्न धूमधाम के साथ मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी के मानेकशॉ केंद्र में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इसे लेकर एक बड़ा समारोह आयोजित करेगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शिरकत करेंगी। मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कार्यक्रम में 150 से ज्यादा मंत्रालयों, विभागों और संगठनों की करीब 1 हजार महिलाओं के शामिल होने की संभावना है। जिसमें सशस्त्र बलों, पुलिस, मीडिया, स्वास्थ्य सेवा, खेल और अन्य क्षेत्रों की महिला प्रतिनिधि भाग लेंगी। जो एक प्रकार से समूचे देश में महिलाओं के विविध योगदानों और महिला नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। मंत्रालय की केंद्रीय और राज्य मंत्री क्रमशः अन्नपूर्णा देवी और सावित्री ठाकुर समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में मौजूद रहेंगे। दो पैनल चर्चाएं भी होंगी। जिसमें पहली का विषय श्रम संहिता-महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा होगा। जबकि दूसरी का विषय उद्यमी के रूप में स्वयं सहायता समूह की महिलाएं होगा।

यह है आयोजन का उद्देश्य

इस आयोजन का वास्तविक उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान का उत्सव मनाना है। ये दिवस लैंगिग समानता, सुरक्षा, गरिमा और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को पुनः दोहराने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। मंत्रालय, कर्तव्य पथ पर शक्ति वॉक 'सी लीड्स भारत' का भी आयोजन करेगा।

महामहिम के बधाई संदेश का सार

राष्ट्रपति मुर्मू ने महिला दिवस की पूर्व संध्या पर देश की सभी महिलाओं को बधाई के साथ अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं हमारे समाज और राष्ट्र की नींव हैं। शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला और रक्षा के साथ ही अन्य क्षेत्रों में उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत का प्रदर्शन किया है। शिक्षित, आत्मनिर्भर और सशक्त महिलाएं एक समृद्ध और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण में अहम योगदान दे सकती हैं। वर्तमान में युवा महिलाएं नए भारत के सपनों को साकार कर रही हैं। लेकिन उन्हें उचित अवसर, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने देश के प्रत्येक नागरिक से आह्वान करते हुए कहा कि आइए हम सब मिलकर एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण की दिशा में काम करें। जहां महिलाओं को समान अवसर मिलें और वो अपनी क्षमताओं के बलबूते पर आगे बढ़कर सफलता हासिल कर सकें।

भारत-न्यूजीलैंड में 'मैदानी' जंग से पहले... 'जुबानी' जंग

सैंटनर बोले- 140 करोड़ भारतीयों का दिल तोड़ेंगे, सूर्या- कुछ नया ट्राई करो

एजेंसी ⏭ अहमदाबाद

टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल आज, शाम 7 बजे से, अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में

आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मैच रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। लेकिन इस महामुकाबले से पहले दोनों टीमों के कप्तानों में जुबानी जंग शुरू हो गई है। पहले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने भारतीय टीम को लेकर एक सख्त बयान दिया। जिसपर अब सूर्या का भी रिएक्शन सामने आया है। सैंटनर ने कहा था कि उनकी टीम अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल में 140 करोड़ भारतीय दर्शकों को शांत कराने की कोशिश करेगी। उनके दिल तोड़ना पड़े तो तोड़ेंगे। सूर्यकुमार यादव ने कहा कि बड़े मैच से पहले इस तरह की बातें अब आम हो गई हैं और खिलाड़ियों को कुछ नया बोलना चाहिए।

न्यूजीलैंड ने सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनाई है। कीवी टीम अब अपने इतिहास का पहला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने की कोशिश करेगी। मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम बड़े मौके से प्रभावित हुए बिना अपने खेल पर ध्यान देना चाहती है। उन्होंने कहा, हम आम तौर पर स्थिति या विरोधी टीम से ज्यादा प्रभावित नहीं होते। हम मैदान पर जाते हैं और अपना खेल खेलने ⏩ शेष पेज 7 पर

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026' के अवसर पर हरिभूमि से खास बातचीत में बोलीं मेजर स्वाति शांताकुमार

संघर्ष, हिंसा के बीच 'शांति' महज एक समझौता नहीं, 'बदलाव' का आगाज है...

- संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशन के तहत दक्षिणी-सूडान में भारत की पहली महिला टुकड़ी का नेतृत्व करने वाली सेना की अधिकारी हैं मेजर स्वाति
- अपने मिशन के दौरान किए गए साहसिक, सराहनीय कार्य के लिए उन्हें यूएन महासचिव पुरस्कार से सम्मानित किया गया है

कविता जोशी ⏭ नई दिल्ली

खास बातचीत

'Your attitude defines your altitude'... यानी आपके नजरिए से ही आपकी सफलता की उड़ान तय होती है। जी हां, यह शब्द किसी और के नहीं बल्कि भारतीय सेना की उस युवा जांबाज महिला अधिकारी मेजर स्वाति शांताकुमार के हैं। जिन्होंने न केवल अनवरत जारी भीषण हिंसा और संघर्ष से जूझते पूर्वी अफ्रीका के देश दक्षिणी-सूडान में भारत की पहली महिला सैन्य टुकड़ी का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया है। बल्कि अपनी तैनाती के दौरान महिलाओं और बच्चों के सबसे संवेदनशील वर्ग के बीच जाकर अपने जागरुकता अभियानों के माध्यम से उनके मन में हथियारों के शोर से इतर आत्मसम्मान के साथ अच्छा जीवन जीने की अलख जगाई। महिला सैन्य अधिकारी का काम इतना शानदार था कि उसकी गूंज संयुक्त राष्ट्र के मंच तक सुनाई दी और 2025 में उन्हें संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अपने 18 महीने लंबे मिशन को पूरा कर हाल ही में देश लौटीं मेजर स्वाति शांताकुमार ने रविवार (8 मार्च) को देशभर में मनाए जाने वाले 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026' को लेकर हरिभूमि से खास बातचीत कर अपने अनुभव साझा किए हैं। पेश हैं बातचीत के अंश-

यूएन मिशन के लिए जाना कैसा अनुभव था?

⏩ मैं, मूलरूप से कर्नाटक के बेंगलुरु की रहने वाली हूं। वर्ष 2018 में भारतीय सेना की इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल इंजीनियर (ईएमई) शाखा में कमीशन हुई थी। मात्र 8 साल की सेवा के बाद मुझे अगस्त-2024 में यूएन जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर जाकर शांति स्थापना अभियान से जुड़ने का मौका मिला। जिसकी सबसे खास बात ये थी कि मुझे देश की तरफ से पहली बार दक्षिणी-सूडान में तैनात की जाने वाली 20 सदस्यीय महिला टुकड़ी का नेतृत्व करना था। इससे पहले भारत ने लेबनान, कांगो में ही महिला टुकड़ियां तैनात की थीं। यह एक ऐसा पल था जिसने मुझे गर्व से भर दिया था। क्योंकि इसी के साथ मुझे ये अहसास हो गया था कि यूएन जैसे वैश्विक मंच पर भी मुझे टीम के साथ अपनी मातृभूमि की तरह ही सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। वजह बिल्कुल साफ थी, मैं वहां दुनिया के एक बड़े प्लेटफार्म के साथ-साथ अपने देश और हमारी सेना का भी प्रतिनिधित्व करने वाली थी। रवानगी से ठीक पहले हमारे पूरे महिला दस्ते ने ये तय किया था कि हम दक्षिणी-सूडान में भी अपने देश और सेना का खूब नाम रोशन करेंगे। जिससे वहां तैनात बाकी देशों की सेनाओं को भी लगेगा कि भारतीय सेना एक रणनीतिक ही नहीं व्यावसायिक दृष्टिकोण से भी फिट सेना है।

तैनाती में कैसे पूरे किए 270 अभियान?

⏩ साल 2011 में दक्षिण-सूडान की स्वतंत्रता के बाद से ही दुनिया का ये सबसे युवा देश गृहयुद्ध, हिंसा की आग में झुलस रहा है। भारतीय सेना इसी साल से यहां पर यूएन के तहत तैनात शांति सेना का हिस्सा है। जिसके बाद हमारी तैनाती अपनी पैदल सेना की बटालियन को सहयोग प्रदान करने के लिए की गई थी। डेढ़ साल से ज्यादा की अवधि में हमने इलाके में कुल 270 अभियान चलाए। जिनका उद्देश्य स्थानीय आबादी खासकर महिलाओं और बच्चों से जुड़कर उनके मन में सुरक्षा का भाव ⏩ शेष पेज 7 पर

देश की महिलाओं को क्या संदेश देना चाहेंगी?

⏩ अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर मैं देश की सभी महिलाओं को यह संदेश देना चाहूंगी कि आप अपने जीवन में तय किया हुआ हर लक्ष्य हासिल कर सकती हैं। बस उसके लिए अपनी सोच-लक्ष्य के प्रति केंद्रित रखना बेहद जरूरी होता है। क्योंकि इसी पर हमारी सफलता की समूची कहानी टिकी हुई होती है। एक-एक कदम के साथ आगे बढ़ो, अंत में आप अपने लक्ष्य तक जा पहुंचोगे, कोई आपको रोक नहीं सकेगा।

रणहौला मर्डर केस का आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

मामी को सबक सिखाने के लिये कर दी पांच साल के मासूम की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी जिले की रणहौला पुलिस, स्पेशल स्टाफ और स्पेशल टास्क फोर्स के जॉइंट ऑपरेशन से 5 साल के बच्चे की सनसनीखेज हत्या का मामला सुलझा लिया है। पुलिस के अनुसार मृतक के चचेरे भाई रवि कुमार (22) को 48 घंटे के अंदर गिरफ्तार किया गया है। अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद हो गया है।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपनी मामी (बच्चे की मां) को सबक सिखाना चाहता था क्योंकि मामा और मामी के बीच हर रोज पारिवारिक झगड़े चलते रहते थे। मामी घर छोड़कर भी चली गई थी। डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार 5 मार्च को दोपहर करीब 12:20 बजे रणहौला थाने में एक पीसीआर कॉल आई कि एक अनजान आदमी ने 5 साल के बच्चे की हत्या कर दी है। जानकारी मिलने पर पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचा। मृतक बच्चा मोहन गार्डन का रहने वाला था। उसकी गर्दन पर तेज चोटों के निशान थे। जांच के दौरान पीड़ित पिता पाचू महतो ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा 3 मार्च से लापता था। आगे की पूछताछ में पता चला कि लाश सबसे पहले दोपहर 12 बजे रवि कुमार (22) ने पीड़ित के घर से करीब 50 गज की दूरी पर एक बन रही बिल्डिंग में देखी थी। रवि कुमार पाचू महतो

का भतीजा (भांजा) है। रवि अपने भाइयों सनी और कृष्णा के साथ मोहन गार्डन में अपने नाना-नानी धूपलाल महतो और बिंता देवी के साथ रह रहा था। जांच के दौरान मृतक के पिता को बच्चे की मां पर शक हुआ, जो पारिवारिक झगड़ों के कारण 3 मार्च को घर से चली गई थी। पुलिस टीमों ने उसके कॉल डिटेल रिकॉर्ड का एनालिसिस किया। उसका पहले इस्तेमाल किया गया नंबर बंद पाया गया। हालांकि टेक्निकल एनालिसिस से छपरा, बिहार में लोकेशन वाला एक नया मोबाइल नंबर ट्रेस किया गया। स्पेशल टास्क फोर्स टीम को छपरा भेजा गया, जहां मां से पूछताछ की गई। उसने जुर्म में किसी भी तरह का हाथ होने से इनकार किया।

इस बीच पुलिस ने आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज को एनालाइज किया और रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों व लोकल से पूछताछ की। सीसीटीवी एनालिसिस से पता चला कि बच्चे को आखिरी बार 3 मार्च को दोपहर करीब 3:24 बजे रवि के साथ देखा गया था। इसके बाद बच्चे का कोई और फुटेज नहीं मिला। इन बातों के आधार पर रवि को पकड़ पूछताछ की गई। लगातार पूछताछ के दौरान रवि कुमार ने जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह अपनी मामी (मृतक की मां) को सबक सिखाना चाहता था क्योंकि उसके और उसके मामा के बीच पारिवारिक झगड़े चल रहे थे। आरोपी शराब पीने के बाद बच्चे को एक बन रही बिल्डिंग में ले गया था। बिल्डिंग में पहुंचकर उसने बच्चे को जमीन पर धकेल दिया और जोर से उसकी गर्दन दबा दी। इसके बाद बच्चे की मौत पक्की करने के लिए उसने किचन के चाकू से गर्दन पर कई वार किए। जुर्म करने के बाद उसने बॉडी को जैकेट से ढक दिया और वहां से चला गया। उसने आगे बताया कि हत्या के बाद दो दिन तक वह शराब पीता रहा क्योंकि उसे अपने किए पर पछतावा हो रहा था। 5 मार्च को लकड़ी के छोटे टुकड़े इकट्ठा करने के बहाने वह बिल्डिंग में वापस आया और बॉडी को अपने घर ले आया व परिवार वालों को झूठ बताया कि बच्चा वहां मरा हुआ मिला है। उसकी निशानदेही पर जुर्म में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया गया है। आरोपी रवि सड़क किनारे मछली बेचता था।

एलजी वीके सक्सेना से मिला लद्दाख बीजेपी का डेलीगेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लद्दाख नए उपराज्यपाल नियुक्त हुए विनय कुमार सक्सेना से शनिवार को लद्दाख बीजेपी के एक डेलीगेशन ने मुलाकात की। जानकारी अनुसार इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लद्दाख प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ताशी ग्यालत्सन खाचू ने किया। प्रतिनिधिमंडल में ताशी खाचू के अलावा ग्याल पी. वांग्याल, राज्य के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एडवोकेट ताशी ग्यालसन, पूर्व सीईसी लद्दाख लेह और दूसरे खास सदस्य शामिल थे। पहली बार मिलने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल ने सक्सेना से मिलकर खुशी जताई। मीटिंग के दौरान, डेलीगेशन ने भरोसा जताया कि लेफ्टिनेंट गवर्नर के अनुभवी लीडरशिप में, लद्दाख सभी सेक्टर में तरक्की करता रहेगा और मजबूत होता रहेगा। प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के विकास और भलाई के विजन को पूरा करने के लिए एलजी सक्सेना को अपना पूरा सहयोग और सपोर्ट देने का भरोसा दिया है। बता दें कि गुरुवार देर रात ही केंद्र सरकार ने दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को लद्दाख का नया एलजी बनाने की घोषणा की थी। जबकि दिल्ली में सक्सेना की जगह तरनजीत सिंह संधू को नया एलजी नियुक्त किया है।

दिल्ली के उपराज्यपाल सक्सेना ने शनिवार शाम को पत्रकारों संग टी पार्टी की। अनौपचारिक रूप से इस दौरान एलजी सक्सेना ने अपने कार्यकाल को लेकर पत्रकारों संग अपने अनुभव साझा किए और कुछ खट्टे मीठे किस्से भी बताए।

खबर संक्षेप

54 लाख की चोरी में तीन लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक आभूषण कारोबारी के कर्मचारी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। कर्मचारी पर चांदनी चौक में चांदी की खरीद के लिए मिले 54 लाख रुपये लेकर फरार होने का आरोप है। आरोपियों के नाम रूपेश कुमार (24), सचिन उर्फ विकास (24) और पवन कुमार (21) हैं। सभी उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार के निवासी हैं। डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार यह मामला छह फरवरी को दर्ज किया गया था, जिसमें चांदनी चौक के एक आभूषण कारोबारी ने आरोप लगाया था कि उसका कर्मचारी रूपेश 54 लाख रुपये लेकर फरार हो गया है। रूपेश को यह पैसे पांच फरवरी को बाजार में देने के लिए कहा गया था। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि इस चोरी में शामिल कुछ संदिग्ध चोरी के पैसे को बांटने के लिए उत्तर-पूर्वी दिल्ली में इकट्ठा होने वाले हैं। कार्रवाई करते हुए पांच मार्च को खजूरी खास फ्लाईओवर के पास जाल बिछाया और मौके से दो आरोपियों रूपेश और सचिन को पकड़ा गया। इनके सहयोगी पवन को बाद में सोनिया विहार से गिरफ्तार किया गया।

जहांगीरपुरी में चाकू से हमले के दो आरोपी दबोचे

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने जहांगीरपुरी इलाके में कहासुनी के दौरान एक शख्स को चाकू मारने की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस ने मामले में दो नाबालिग आरोपियों को पकड़ा है। दोनों आरोपी एक माह से फरार चल रहे थे। पुलिस के अनुसार गत छह फरवरी को जहांगीरपुरी निवासी मुकेश अपने काम से घर लौटा तो उसे पता चला कि एक पड़ोसी ने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर उसके बेटे को थप्पड़ मार दिया है। इस पर मुकेश अपने भाइयों के साथ उनकी झुग्गी के पास बात करने पहुंचा। बहस के दौरान दोनों आरोपियों ने उसे धमकाया और चाकू निकालकर जान से मारने के इरादे से हमला कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज किया और लगातार आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाती रही। इसी बीच पुलिस को पता चला कि दोनों आरोपी जहांगीरपुरी इलाके में मौजूद है। इसके बाद एक रेडिंग टीम ने आरोपियों को पकड़ लिया।

ट्रैफिक पुलिस ने मनाया इंटरनेशनल विमेंस डे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ रोड सेफ्टी के बारे में किया गया जागरूक

इंटरनेशनल विमेंस डे के मौके पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और वैल्यू लाइफ फाउंडेशन के साथ मिलकर ट्रैफिक ट्रेनिंग पार्क, बाबा खड़क सिंह मार्ग पर एक खास रोड सेफ्टी अवेयरनेस और एंगेजमेंट प्रोग्राम ऑर्गनाइज किया। इस इवेंट का मकसद इंटरैक्टिव और दिलचस्प एक्टिविटीज के जरिए महिलाओं में रोड सेफ्टी अवेयरनेस को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में लगभग 150 महिलाओं ने हिस्सा लिया, जिनमें दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारी, कॉलेज स्टूडेंट्स और अलग-अलग एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के टीचर्स शामिल रहे। इस इनिशिएटिव का फोकस रोड सेफ्टी रूल्स और रेगुलेशंस के बारे में दिलचस्प और एंटरटेनिंग तरीके से अवेयरनेस फैलाना था।

रोड सेफ्टी सेल के डीसीपी एस के सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में कई इंटरैक्टिव एक्टिविटीज शामिल थीं जैसे रोड सेफ्टी क्विज, एक स्पिन व्हील गेम और दूसरे मजेदार लर्निंग मॉड्यूल जो पार्टिसिपेंट्स को सेफ रोड बिहेवियर और ट्रैफिक रेगुलेशंस के बारे में एजुकेट करने के लिए डिजाइन किए गए थे। इन एक्टिविटीज ने एक्टिव पार्टिसिपेशन को बढ़ावा दिया और जरूरी रोड सेफ्टी मैसेज को एक लाइवली और यादगार तरीके से मजबूत करने में मदद की।

कार्यक्रम के जीवंत माहौल को सुंदर बनाने के लिये दिल्ली पुलिस ऑर्केस्ट्रा बैंड ने एक जीवंत संगीत प्रदर्शन दिया, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उत्सव की भावना को और बढ़ाने के लिए, प्रतिभागियों के लिए मेहंदी, सेल्फी पॉइंट और अन्य मनोरंजन की व्यवस्था जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) सत्य वीर कटारा भी उपस्थित रहे।

मादक पदार्थ तस्करों से दो करोड़ की ड्रग्स बरामद

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने ड्रग्स आपूर्ति के धंधे में लिप्त दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे दो करोड़ कीमत के मादक पदार्थ बरामद हुये हैं। आरोपियों के नाम मोती नगर निवासी सार्थक त्यागी (30) और अशोक विहार निवासी कुलप्रीत सिंह उर्फ सनी (29) बताये गये हैं। बरामद ड्रग्स में चरस और एमडीएमए शामिल है।

पुलिस के अनुसार मोती नगर में त्यागी के आवास पर छापा मारा गया था। परिसर की पहली मंजिल स्थित उसके कमरे से ड्रग्स बरामद हुई। बरामद ड्रग्स में 1.016 किलोग्राम गांजा, 1.112 किलोग्राम चरस, 17 ग्राम एमडीएमए, एक ग्राम नशे की गोलियां और चार ग्राम साइकेडेलिक मशरूम शामिल हैं। पूछताछ के दौरान त्यागी ने खुलासा किया कि वह एक अंतरराज्यीय आपूर्ति नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों को प्राप्त करने और उसे वितरित करने का काम करता था। उससे पूछताछ के आधार पर कुलप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। आपूर्ति श्रृंखला के अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए जांच जारी है। पुलिस ने कहा कि त्यागी पहले से मोती नगर थाने में दर्ज हत्या के प्रयास समेत दो मामलों में संलिप्त रहा है। कुलप्रीत सिंह की मंडी में एक एनडीपीएस मामले में संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।

महिलाएं केवल परंपरा की वाहक ही नहीं, बल्कि परिवर्तन की वाहक भी हैं : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ मुख्यमंत्री ने 'भारती– नारी से नारायणी' राष्ट्रीय महिला विचारक सम्मेलन में की सहभागिता

महिलाएं केवल परंपरा की वाहक ही नहीं, बल्कि परिवर्तन की वाहक भी हैं। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विज्ञान भवन में आयोजित 'भारती - नारी से नारायणी' विषय पर महिला विचारकों के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सम्मेलन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत में नारी-शक्ति राष्ट्र-शक्ति के रूप में उभर रही है और महिलाओं को सशक्त बनाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नारी से नारायणी' विषय पर आयोजित यह दो दिवसीय राष्ट्रीय विचार सम्मेलन अत्यंत सार्थक और प्रेरणादायक है।

भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति, सृजन और संस्कार के प्रतीक के रूप में देखा गया है। वेदों, पुराणों और भारतीय परंपरा में नारी को देवी स्वरूप मानकर सम्मान दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत में महिला सशक्तिकरण की यात्रा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से आगे बढ़कर 'बेटी बढ़ाओ' तक पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज की नारी केवल परिवार और समाज की धुरी ही नहीं, बल्कि अपने विचारों, नेतृत्व और निर्णयों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा तय करने वाली शक्ति बनकर सामने आई है। किसी भी देश की वास्तविक समृद्धि और प्रगति वहां की महिलाओं की उन्नति, शिक्षा और सशक्तिकरण से ही परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और व्यावसायिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी दिशा में लखपति बिटिया योजना के माध्यम से बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड के जरिए महिलाओं को सुरक्षित और सुलभ सार्वजनिक परिवहन की सुविधा प्रदान की जा रही है।

उत्तम नगर घटना में अब तक सात आरोपी पकड़े

होली के दिन रंग गिरने पर की थी युवक की पीट पीटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

होली के दिन रंग गिरने पर दूसरे समुदाय के लोगों द्वारा युवक की पीट पीटकर हत्या के मामले में अब तक सात आरोपी पकड़े जा चुके हैं। इनमें एक नाबालिग बताया गया है। उधर शनिवार को भी इलाके में तनाव का माहौल रहा। पीड़ित के घर बीजेपी व दूसरी पार्टी के नेताओं का भी आना जाना दिनभर लगा रहा। एहतियातन पुलिस बल तीसरे दिन भी तैनात किया गया था। पुलिस अफसरों ने दावा किया है कि स्थिति नियंत्रण में है।

पुलिस के अनुसार 4 मार्च को रात 11:09 बजे उत्तम नगर थाने में अलग-अलग समुदायों के पड़ोसियों के बीच झगड़े के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली थी। मौके पर पूछताछ करने पर पता चला कि यह अप्रिय

घटना तब शुरू हुई जब एक लड़की ने एक महिला पर पानी का गुब्बारा फेंका। दोनों पक्षों के परिवार वाले सड़क पर इकट्ठा हो गए और मारपीट करने लगे, जिसमें एक पक्ष के तीन और दूसरे पक्ष के पांच लोग घायल हो गए थे। एक को छोड़कर सभी घायलों को उसी दिन छुट्टी दे दी गई थी।

शुरू में, सेक्शन 110/3(5) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई और तुरंत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इनके अलावा एक नाबालिग आरोपी भी पकड़ा गया था। अगले दिन दोपहर के समय अस्पताल में भर्ती घायल 26 वर्षीय तरुण की चोटों के कारण मौत हो गई। इसके बाद केस में सेक्शन 103(1) बीएनएस जोड़ा गया। जांच में पता चला कि दोनों पड़ोसी परिवार पिछले पांच दशकों से एक-दूसरे को जानते थे और उनके बीच पार्किंग, कचरा फेंकने वगैरह को लेकर बहुत पहले से छोटी-मोटी अनबन थी। पुलिस ने शनिवार को बताया कि अब तक सात लोगों को पकड़ा है। डीसीपी द्वारका कुशल पाल सिंह का कहना है कि जो असामाजिक तत्व इसे सामुदायिक रंग देने और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, उनसे सख्ती से निपटा जा रहा है और स्थिति कंट्रोल में है। पुलिस की तरफ से अपील की गई है कि सुनी-सुनाई बातों या अफवाहों पर यकीन ना करें।

होली पर्व को हिंसा से कलंकित करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

होली जैसे आपसी भाईचारे, प्रेम और उल्लास के पर्व को हिंसा से कलंकित करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। यह भरोसा दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज ने शनिवार को उत्तम नगर में मृतक युवक तरूण के पीड़ित परिवार को दिया।

गौरतलब है कि उत्तर नगर में होली के दौरान हुए एक मामूली विवाद में युवक तरुण की नृशंस हत्या कर दी गई। शनिवार को मंत्री रविंद्र इंद्राज ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर उनके साथ उनके कैबिनेट सहयोगी एवं विकासपुरी से विधायक डॉ पंकज कुमार सिंह, पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत तथा नजफगढ़ जिला अध्यक्ष श्रीमती राज शर्मा भी उपस्थित रहीं। मंत्री इंद्राज ने कहा कियह घटना अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक है। तरुण एक होनहार, समझदार और उज्ज्वल भविष्य वाला युवक था, जो अपने परिवार के सुनहरे भविष्य की आशा और आधार स्तंभ था। इस दुखद घटना ने परिवार की उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया है।

कमरे में फंदे से लटका मिला गार्ड

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के असोला गांव में किराए के एक कमरे में 24 वर्षीय गार्ड शुक्रवार को पंखे से लटका पाया गया। मृतक दिलीप कुमार बैरवा लगभग तीन दिन पहले ही यहां रहने आया था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये मोर्चरी भिजवा दिया गया है। पुलिस के अनुसार कथित आत्महत्या के संबंध में शुक्रवार को मैदानगढ़ी थाने को पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। कॉलर हरिमोहन ने पुलिस को सूचित किया कि सुरक्षा गार्ड दिलीप कुमार बैरवा लगभग तीन दिन पहले ही इस किराए के कमरे में रहने आया था। मामला तब सामने आया जब बैरवा के किसी जानकार का फोन हरिमोहन के बेटे के पास आया। उसने दिलीप का मोबाइल बंद आने की बात कहीं और उसे कमरे में जाकर देखने को कहा। हरिमोहन और उनका बेटा कमरे पर पहुंचे। दरवाजा खटखटाया लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। किसी अनहोनी के संदेह में उन्होंने दरवाजा तोड़ा और बैरवा को कमरे में छत के पंखे से रस्सी के सहारे लटका पाया। दिलीप राजस्थान के करौली जिले का निवासी था और यहां गार्ड की नौकरी कर रहा था।

10 दिन तक चलेगा विशेष अभियान

एमसीडी ने दक्षिणी दिल्ली में शुरू किया मेगा स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में सफाई व्यवस्था को मजबूत करने और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के दक्षिण जोन ने शनिवार को मेगा स्वच्छता अभियान शुरू किया। दक्षिण जोन के उपायुक्त राकेश कुमार ने कहा कि एमसीडी की टीम ने पूरे दक्षिण जोन में समन्वित तरीके से मेगा स्वच्छता अभियान शुरू किया है। इस अभियान में एमसीडी के विभिन्न विभागों ने संयुक्त रूप से भाग लेते हुए कई इलाकों में व्यापक स्तर पर सफाई और सुधार संबंधी कार्य किए। अभियान के

तहत एमसीडी के भवन, स्वच्छता, बागवानी, रखरखाव सहित अन्य विभागों की टीमों ने अपने संसाधनों के साथ मिलकर कार्रवाई की। इस दौरान जेसीबी मशीन, टिप्पर, एमआरएस मशीन और ट्रकों की मदद से कूड़ा उठाने, सड़क किनारे जमा मलबा हटाने और विभिन्न सार्वजनिक स्थलों की सफाई कराई गई। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि अभियान को समन्वित और समग्र तरीके से चलाया जा रहा है ताकि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में ठोस सुधार सुनिश्चित किया जा सके।

विशेष रूप से मालवीय नगर क्षेत्र में इस अभियान को प्रमुख रूप से चलाया गया, जहां दक्षिण जोन के उपायुक्त राकेश कुमार सहित एमसीडी के सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। स्थानीय पार्षद और दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ प्रतिनिधि ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

टीमें लगातार निगरानी सुनिश्चित करेंगी

उपायुक्त का कहना था कि अभियान को अगले 10 दिनों तक युद्धस्तर पर चलाया जाएगा और रविवार को भी टीमें मैदान में उतरकर कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र को साफ-सुथरा, व्यवस्थित और नागरिकों के लिए बेहतर बनाना है। एमसीडी की टीमें लगातार निगरानी करते हुए विभिन्न इलाकों में सफाई और सुधार कार्य सुनिश्चित करेंगी, ताकि लोगों को स्वच्छ और बेहतर वातावरण मिल सके।

एनडीएमसी को सुविधा कैंप में मिलीं 70 जन शिकायतें

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में एक सुविधा कैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया। एनडीएमसी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि एनडीएमसी सुविधा कैंप में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके दौरान 70 शिकायतें मिलीं और उन्हें एनडीएमसी के संबंधित विभागों ने समाधान के लिए आगे बढ़ाया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जुनैद, पुत्र फुरकान, निवासी मकान संख्या सी-53, गली संख्या 6/1, मोहन पुरी, उत्तरी घोंडा, भजनपुरा, दिल्ली** ने **ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 80071064/2025 धारा 305/331(3) भारतीय न्याय संहिता, थाना सब्जी मण्डी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **जुनैद** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **जुनैद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि ई-प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 80071064/2025 धारा 305/331(3) भारतीय न्याय संहिता, थाना सब्जी मण्डी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जुनैद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 09.04.2026 को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रीति राजोरिया
एलडी. न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-07 (केन्द्रीय)
कमरा नं.32, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/2960/N/2026

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज करेंगे नई मेट्रो लाइनों का उद्घाटन, सीएम ने किया निरीक्षण

मेट्रो विस्तार से बदलेगी दिल्ली की रफ्तार स्वच्छ परिवहन को मिलेगा नया बलः रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मेट्रो विस्तार से दिल्ली की रफ्तार और कनेक्टिविटी बदलेगी और स्वच्छ परिवहन को नया बल मिलेगा। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कही। वहीं मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल बुराड़ी डीडीए उत्सव स्थल-तीन का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ मंत्री कपिल मिश्रा और कई विधायक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज जिन मेट्रो परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा, वे दिल्ली को तेज, सुगम और पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की दिशा में महत्वपूर्ण बढ़त देंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो नए मेट्रो कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे, जिनमें मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर सेक्शन (पिंक लाइन) और दीपाली चौक से मजलिस पार्क सेक्शन (मैजेंटा लाइन) शामिल हैं। इससे राजधानी के विभिन्न हिस्सों के बीच आवागमन अधिक तेज और सुविधाजनक हो जाएगा तथा उत्तर-पूर्वी और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के क्षेत्रों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक का कॉरिडोर मैजेंटा लाइन का विस्तार है और इसके शुरू होने से इस लाइन की कुल लंबाई लगभग 49 किलोमीटर हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री देश में आधुनिक और एकीकृत परिवहन व्यवस्था विकसित करने पर लगातार जोर देते रहे हैं। उनका लक्ष्य ऐसा सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क विकसित करना है जो साझा, सुलभ, सुविधाजनक, जाम-मुक्त, स्वच्छ और अत्याधुनिक हो। उनके इसी विजन के अनुरूप दिल्ली में मेट्रो नेटवर्क का निरंतर विस्तार किया जा रहा है ताकि राजधानी को आधुनिक, कुशल और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणाली मिल सके और 'विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत आधार प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क को निरंतर मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है।

तीन नए कॉरिडोर का होगा शिलान्यास

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो के फेज-पांच (ए) के अंतर्गत तीन नए कॉरिडोर के निर्माण का शिलान्यास भी करेंगे। इनमें रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ तक सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर, एरोसिटी से इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल-1 तक का कॉरिडोर और तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज तक का कॉरिडोर शामिल है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से दिल्ली के प्रशासनिक, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी और बेहतर होगी तथा एयरपोर्ट तक मेट्रो की सीधी और तेज पहुंच सुनिश्चित होगी।

एनसीआर को होगा बड़ा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर के शहरों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। फरीदाबाद और बल्लभगढ़ के निवासी वायलेट लाइन के माध्यम से तुगलकाबाद पहुंचकर गोल्डन लाइन से सीधे इंदिरा गांधी एयरपोर्ट टर्मिनल-1 तक यात्रा कर सकेंगे। वहीं नोएडा के यात्री मैजेंटा लाइन से कालिंदी कुंज पहुंचकर गोल्डन लाइन के माध्यम से एयरपोर्ट और दक्षिण दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बजट में ऐतिहासिक वृद्धि

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देते हुए परिवहन विभाग के बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की है। वर्तमान बजट में परिवहन विभाग के लिए 9,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष के 5,702 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग 60 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं को गति देने के लिए इस वर्ष के बजट में 2,929 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सूद ने जनकपुरी में विकास कार्यों का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के शिक्षा, उच्च शिक्षा, शहरी विकास एवं ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने शनिवार को अपनी विधानसभा जनकपुरी के सी1ए ब्लॉक तथा सी-2 ब्लॉक में लगभग 1.60 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, स्थानीय निवासी और आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर सूद ने बताया कि इन दोनों ब्लॉक के लोगों की लंबे समय से मांग थी कि उनके क्षेत्रों में सीवर, पानी की पाइप लाइनों के काम, डेन्स कारपेटिंग, सड़क निर्माण आदि के काम पिछली सरकार के समय से ही लंबित है। जिन पर ध्यान देना जरूरी है। विकास के काम न होने से स्थानीय निवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। सूद ने कहा कि शनिवार को जनकपुरी के सी1ए ब्लॉक में लगभग 86.37 लाख रुपए की लागत से कई महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किए गए, जिनमें सीवर लाइन बिछाने का कार्य, ड्रेन व सड़क का निर्माण तथा डेंस कारपेटिंग का कार्य शामिल है। इन कार्यों से क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा और स्थानीय निवासियों को बेहतर आधारभूत ढांचा उपलब्ध होगा।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
सार्वजनिक सूचना
पिंक लाइन के
मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर
खण्ड
एवं
मजेंटा लाइन के
दीपाली चौक से मजलिस पार्क
खण्ड पर
जनसाधारण के लिए यात्री
सेवाओं का परिचालन
8 मार्च, 2026 (रविवार) को
दोपहर 3:00 बजे से आरम्भ होगा
हमें फॉलो करें officialdmrc | www.delhimetrorail.com
Delhi Metro Sarthi App | DMRC Helpline No. 155370
दिल्ली मेट्रो
विज्ञापन संख्या DMRC/ 985/2026

सरकार ने सब्सिडी की बजाए दिल्ली को दिया महंगी रसोई गैस का तोहफा : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा ने दिल्ली वालों को सब्सिडी देने की बजाए महंगी रसोई गैस का तोहफा दिया है। उन्होंने कहा कि यह कोई नई बात नहीं है भाजपा हमेशा से ऐसे ही लोगों को धोखा देती है। चुनाव से पहले भाजपा ने दिल्ली से वादा किया था कि सत्ता में आते ही महज 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर दिया जाएगा। यादव ने कहा कि सीएम रेखा गुप्ता एक साल बाद भी उस वादे को पूरा नहीं किया है। उल्टा सरकार ने एक वर्ष में रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 110 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोत्तरी करके महिला विरोधी कार्य किया है। यादव ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार से मांग की है कि रसोई गैस सिलेंडरों पर खत्म की गई सब्सिडी को राजधानी में तुरंत लागू करें। क्योंकि कमरतोड़ महंगाई और एलपीजी सिलेंडर की दरों ने महिलाओं की रसोई के बजट को अब पूरी तरह बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी की मार झेल रही देश की जनता पर महंगाई मैन मोदी ने घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में 60 रुपये और कमर्शियल गैस सिलेंडर पर 115 रुपये की भारी बढ़ोतरी करके अतिरिक्त आर्थिक बौझ बढ़ाया है।

'दिल्ली नगर निगम में सफाई सेवाओं के निजीकरण का विरोध तेज'

■ यूनियनों ने किया सिविक सेंटर का घेराव करने का ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में सफाई सेवाओं के निजीकरण के खिलाफ सफाई कर्मियों में विरोध तेज हो गया है। शनिवार को सफाई कार्य से जुड़ी कई यूनियनों के पदाधिकारियों ने सोमवार, 9 मार्च को निगम मुख्यालय सिविक सेंटर पर दोपहर एक बजे बड़ी संख्या में एकत्र होने का आह्वान किया है। यूनियनों ने घोषणा की है कि निजीकरण के विरोध में निगम आयुक्त का घेराव किया जाएगा। सफाई कर्मचारी दिल्ली नगर निगम समस्त कोर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि निगम प्रशासन द्वारा करीब 6000 कर्मियों को ठेके के आधार पर रखने की प्रक्रिया शुरू की गई है। उनका कहना है कि दिल्ली नगर निगम में पिछले लगभग 30 वर्षों से स्थायी सफाई कर्मियों की भर्ती नहीं हुई है, जिसके कारण पहले से कार्यरत कर्मियों पर काम का दबाव बढ़ता जा रहा है। यूनियनों ने सभी सफाई कर्मियों से सोमवार को सिविक सेंटर पहुंचकर अपने अधिकारों और जनहित में आवाज उठाने की अपील की है। यूनियन नेताओं नरेश पिहाल, राजकुमार धीगान, विजय उट्टवाल, दलीप पर्चा, फूल कुमार पारचा, राजेश वेनिवाल, कारण सिंह मेहरोलिया, रणधीर गागट, नवीन वैद, अमित करौतिया का कहना है कि राजधानी में लगातार जनसंख्या बढ़ रही है और वर्ष 2012 के बाद बड़ी संख्या में नई कॉलोनियां और आवासीय क्षेत्र विकसित हुए हैं। इसके बावजूद सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नियमित भर्ती नहीं की जा रही है। उनका आरोप है कि कई वार्डों में निजी एजेंसियों के माध्यम से सफाई कर्मियों को लगाया जा रहा है और इसके लिए टेंडर भी जारी किए जा चुके हैं।

कैलाश नगर ड्रेन का होगा पुनर्निर्माण : गहलोत

नई दिल्ली। दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन संजय गहलोत ने शनिवार को बताया कि यमुनापार विकास बोर्ड के चेयरमैन व गांधी नगर विधान सभा के विधायक अरविंदर सिंह लवली ने जो वादा किया था उसी के अनुसार अब कैलाश नगर ड्रेन का पुनर्निर्माण कार्य हेतु लगभग 18 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया है। कार्य की जल्द शुरुआत होने से इससे तमाम क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर व्याप्त है। संजय गहलोत ने लवली की सराहना करते हुए कहा कि जिस प्रकार लवली को विकास पुरुष के नाम से जाना जाता है उसपर वे खरा उतर रहे हैं, इसके साथ साथ पूरे यमुनापार के विकास कार्य हेतु मुख्यमंत्री के सहयोग से करोड़ो रुपयों का फण्ड बोर्ड के आबंटित हुआ है जिससे जल्द ही यमुनापार की काया पलट होगी।

आदर्श नगर में नालों की सफाई के नाम पर लगी बैरिकेडिंग बन रही परेशानी

पिछले मानसून से अब तक नहीं हटाई गई सीमेंटेड बैरिकेडिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में नालों की सफाई के लिए पिछले मानसून सीजन में बस लेन में लगाई गई सीमेंटेड बैरिकेडिंग अब लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गत वर्ष नालों की सफाई के दौरान मुख्य मार्ग पर सुरक्षा के नाम पर सीमेंटेड बैरिकेडिंग लगा दी गई थी, लेकिन सफाई कार्य पूरा होने के बाद भी इन्हें हटाया नहीं गया। इसके चलते मुकरबा चौक से आजादपुर की ओर जाने वाले व्यस्त मार्ग पर सड़क का बस लेन वाला हिस्सा संकरा हो गया है। जैसे ही इस मार्ग पर वाहनों का हल्का सा दबाव बढ़ता है, वहां लंबा ट्रैफिक जाम लगना शुरू हो जाता है। जाम की स्थिति में रोजाना हजारों वाहन चालक और आम लोग फंसकर परेशान होते हैं।

स्थानीय निवासियों और वाहन चालकों का कहना है कि यह मार्ग पहले से ही बेहद व्यस्त रहता है, क्योंकि यह उत्तरी दिल्ली के प्रमुख मार्गों में से एक है। ऐसे में बैरिकेडिंग के कारण सड़क की चौड़ाई कम होने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यात्रियों का कहना है कि संबंधित विभागों की लापरवाही के कारण महीनों से बैरिकेडिंग हटाने की कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इससे न केवल यातायात बाधित हो रहा है बल्कि दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। जानकारी के अनुसार गत वर्ष एक दुपहिया चालक चोटिल भी होने की सूचना है। स्थानीय लोगों ने दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के संबंधित विभागों से आग्रह के साथ मांग की है कि जनहित को देखते हुए जल्द से जल्द इन सीमेंटेड बैरिकेडिंग को हटाया जाए, ताकि सड़क पर सुचारू रूप से यातायात चल सके।

दिल्ली देहात ने की मास्टर प्लान व नए सर्किल रेट लागू करने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली देहात ने मास्टर प्लान व नए सर्कल रेट लागू करने सहित अन्य मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। इसकी शुरुआत शनिवार को दिल्ली देहात विकास मंच ने गांव लाडपुर में प्रमुख प्रतिनिधियों और कोर कमेटी की एक अहम रणनीतिक बैठक में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता दिल्ली देहात कंझावला धरना कमेटी के अध्यक्ष करण सिंह डबास ने की। बैठक में मास्टर प्लान के साथ-साथ सर्कल रेट और ज़मीन अधिग्रहण का मुद्दा सबसे प्रमुखता से गूंजा और सरकार को सीधा अल्टीमेटम दिया गया है। इस बारे में दिल्ली मास्टर प्लान कमेटी एवं दिल्ली देहात विकास मंच के चेयरमैन भूपेंद्र बजाड ने बताया कि बैठक में फैसला हुआ है कि नए सर्कल रेट लागू होने तक किसी भी प्रकार से भूमि अधिग्रहण पर पूर्ण रोक लगनी चाहिए। पिछले 18 सालों से दिल्ली में सर्कल रेट नहीं बढ़े हैं, जिससे किसानों को करोड़ों का आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि एनएचएआई जल्द ही दिल्ली-कटड़ा एक्सप्रेस वे एक्सटेंशन यूईआर -2 का ट्रॉनिका सिटी तक एक्सटेंशन के लिए दिल्ली में जमीन अधिग्रहित करने वाली है। ऐसे में मदनपुर डबास गांव के लोगों को आशंका है कि नए रेट लागू होने से पहले ही उन्हें नोटिस थमा दिए जाएंगे। बजाड ने कहा कि दिल्ली देहात का किसान पुराने सर्किल रेट पर मुआवजा हरगिज़ मंजूर नहीं करेगा। हमारी केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और केंद्र सरकार से सख्त मांग है कि जब तक दिल्ली में नए सर्कल रेट लागू नहीं होते, तब तक किसी भी तरह की अधिग्रहण प्रक्रिया पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाई जाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने भाषण में डेढ़ से दो महीने के भीतर नए सर्कल रेट लागू करने की बात कही थी। कोर कमेटी मुख्यमंत्री से आग्रह करती है कि किसानों की चिंता को दूर करते हुए इसे बिना किसी देरी के तुरंत लागू किया जाए।

रेखा गुप्ता ने महिलाओं से की कार्ड बनवाने अपील

सीएम ने पिंक कार्ड से डीटीसी बस में किया सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सहेली पिंक एनसीएमसी (नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड) कार्ड के साथ दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बस में सफर किया और अनुभव किया कि यह सुविधा जमीनी स्तर पर कैसे काम कर रही है। बस में चढ़ते ही कार्ड को मशीन पर सिर्फ टैप करना होता है और यात्रा तुरंत दर्ज हो जाती है।

पूरी प्रक्रिया तेज, आसान पारदर्शी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की माताओं, बहनों और बेटियों के लिए यह एक बेहद सुविधाजनक व्यवस्था है। शहर के विभिन्न केंद्रों पर यह कार्ड मुफ्त बनाया जा रहा है। बस आधार नंबर और मोबाइल नंबर के साथ रजिस्ट्रेशन कराइए और डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा का लाभ उठाइए। मुख्यमंत्री ने सभी महिलाओं से अपील है कि सहेली पिंक एनसीएमसी कार्ड बनवाएं और इस सुविधा का पूरा लाभ उठाएं। मुख्यमंत्री दोपहर करीब 11:30 बजे सचिवालय के पास स्थित बस स्टॉप से क्लस्टर बस में सवार हुईं। इस दौरान उन्होंने न केवल बस की सुविधाओं को देखा, बल्कि महिला यात्रियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना।

मुख्यमंत्री ने खुद अपने 'सहेली पिंक कार्ड' को टैप कर टिकट लिया। बस में मौजूद छात्राओं और कामकाजी महिलाओं से मुख्यमंत्री ने बस मार्शल की उपस्थिति और पैनिक बटन की कार्यक्षमता के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने कंडक्टर और ड्राइवर से भी उनकी ड्यूटी के दौरान आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की।

क्या है 'सहेली पिंक एनसीएमसी कार्ड'

यह कार्ड दिल्ली की महिलाओं के लिए 'फ्री सफर' और 'स्मार्ट तकनीक' का एक अनूठा संगम है। कॉमन मोबिलिटी कार्ड बस के साथ-साथ मेट्रो और अन्य पार्किंग सेवाओं में भी काम करेगा। यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया है, जो पिंक टिकट का डिजिटल विकल्प है। डेटा सुरक्षाकार्ड के जरिए यात्रा का डेटा सुरक्षित रहेगा, जिससे भविष्य में रूट प्लानिंग में मदद मिलेगी। अब महिलाओं को हर बार पेपर टिकट लेने की जरूरत नहीं होगी, बस एक 'टैप' से यात्रा संभव होगी।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

आत्मविश्वास से बढ़े कदम, सुरक्षा से मिले दम
महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस की पहल
महिला हेल्प डेस्क
सभी पुलिस थानों में 24x7 उपलब्ध
महिला हेल्पलाइन
1091
महिला पुलिस गश्त
किसी भी प्रकार की सहायता के लिए 112 डॉयल करें
सशक्ति
आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षण
ऑनलाइन पंजीकरण हेतु www.spuwac.in पर जाएं
महिला कमांडो
SWAT
अश्लील कॉल आने पर
1096
महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध
दिल्ली पुलिस अपनी अनेक पहलों तथा त्वरित महिला हेल्पलाइन और सतर्क गश्तों के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा के लिए हर समय कटिबद्ध है।
इस अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हम प्रत्येक महिला के सम्मान, आत्मविश्वास और गरिमा को बनाये रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।
आपकी सुरक्षा हमारा संकल्प, आपका विश्वास हमारी शक्ति।
24×7 विशेष महिला हेल्पलाइन 1091, 7835075012
@DelhiPoliceOfficial @DelhiPolice @delhi.police_official @DelhiPoliceofficial delhipolice.gov.in
पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें: cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें : पुलिस आयुक्त, दिल्ली को, पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर
तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 पर कॉल करें
साइबर अपराध की शिकायत करने के लिए 1930 पर कॉल करें
DP/9867/2026

खबर संक्षेप

फ्रॉड करने के मामले में 2 आरोपियों को दबोचा

फरीदाबाद। पीएम किसान के नाम पर फेक एपीके फाइल भेज फ्रॉड करने के मामले में साइबर थाना

एनआईटी की टीम ने आरोपी आकाश व प्रशांत निवासी आगरा उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि साइबर थाना एनआईटी में गांव करनेरा फरीदाबाद में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके मोबाइल नंबर पर एक पीएम किसान के नाम से एपीके फाईल का लिंक आया।

ठगी करने वाले 2 आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। फोन हैक कर रूपए ठगने का आरोपी साईबर थाना एनआईटी ने काबू किया है। पुलिस

ने बताया कि सेक्टर-42 निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना एनआईटी में दी अपनी शिकायत में बताया कि 5 नवंबर 2025 को किसी व्यक्ति द्वारा उसका मोबाईल फोन हैक कर लिया गया। उसके खाते से 93,998 रुपए कट गए। जिस संबंध में साइबर थाना एनआईटी में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

3 वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की अपराध शाखाओं की टीम ने अलग-अलग मामलों में 3 वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनसे चोरी की एक मोटरसाइकिल व 1 स्कूटी बरामद की हैं। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध शाखा एवीटीएस-1 की टीम ने थाना आदर्श नगर में दर्ज एक स्कूटी चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी शिवम निवासी शास्त्री को मामले में आरोपी अपराध शाखा की टीम ने आरोपी धीरेंद्र निवासी भांखरी फरीदाबाद व अमित निवासी एसजीएम नगर फरीदाबाद से एक चोरीशुदा स्कूटी बरामद की है।

शी स्पीक्स के माध्यम से युवतियों ने सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों के लिए बुलंद की आवाज

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुरुग्राम में जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गुरुग्राम में शी स्पीक्सः हक, न्याय और बदलाव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राहगिरी फाउंडेशन और सेफ्टीपिन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों, युवा नेताओं, नागरिक समाज संगठनों, शहरी योजनाकारों और पुलिस प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। आयोजन डिजिटल एम्पायरमेंट फाउंडेशन (डीईएफ इंडिया), जागोरी, सीक्वीन, गुरुग्राम फर्स्ट, गर्ल अप, गुरुग्राम की आवाज़ और

कोहास की साझेदारी में संपन्न हुआ। इसमें समावेशी शहरी वातावरण बनाने की दिशा में एक सामूहिक प्रयास को दर्शाया गया। इस अवसर पर डीसीपी हेडक्वार्टर डॉ. अर्पित जैन ने कहा कि पुलिस संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर रही है और अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। जगह जगह कैमरे लगाए जा रहे हैं। नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा रहे हैं और महिलाओं की सुरक्षा की भावना को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम गुरुग्राम को पूरे भारत के लिए एक उदाहरण बनाना चाहते हैं। वहीं सोहना की महिला पुलिस प्रभारी (पीएसआई) सोनिया ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों, विशेषकर डिजिटल अपराधों से एक कदम आगे रहने के महत्व पर प्रकाश डाला। राहगिरी फाउंडेशन की सबीहा अंसारी ने कहा कि अगर हम सचमुच समावेशी शहरी व्यवस्था चाहते हैं, तो युवाओं की आवाज को हाशिए से निकालकर निर्णय लेने की प्रक्रिया के केंद्र में लाना होगा। एसजीटी विश्वविद्यालय के छात्रों ने गर्ल अप, सीओएचएएस और गुरुग्राम की आवाज के युवा नेताओं के साथ मिलकर शहरी क्षेत्रों में आवागमन, सुरक्षा और अपनेपन की भावना से जुड़े अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के दौरान एक इंटरैक्टिव वर्ल्ड कैफे चर्चा का भी आयोजन हुआ, जहाँ कानूनी अधिकारों, डिजिटल सुरक्षा, शहरी गतिशीलता और समावेशी बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद किया गया। सेफ्टीपिन की शिवानी सिंघल ने कहा कि डेटा हमें शहरों को समझने में मदद जरूर करता है, लेकिन वास्तविक अनुभव ही हमें बताते हैं कि सबसे ज्यादा बदलाव की जरूरत कहां है। युवा महिलाएं अपने जीवन के सफर की विशेषज्ञ हैं, और सुरक्षित शहर बनाने के लिए उनकी आवाज बेहद जरूरी है।

महिला सुरक्षा में गुरुग्राम आदर्श बनाना चाह रहे: डॉ. अर्पित

अजरौंदा मंडल से भाजपा फरीदाबाद के मंडल प्रशिक्षण वर्ग का हुआ शुभारंभ

भाजपा की असली ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ताः पंकज रामपाल

भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल में अजरौंदा मंडल प्रशिक्षण वर्ग, 150 से अधिक कार्यकर्ताओं ने लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद द्वारा संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से मंडल प्रशिक्षण वर्गों की श्रृंखला का शुभारंभ कर दिया गया है। इस अभियान के तहत पहला प्रशिक्षण वर्ग अजरौंदा मंडल का भाजपा फरीदाबाद जिला कार्यालय अटल कमल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की शुरुआत दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम् के साथ हुई।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने प्रथम सत्र में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के गौरवशाली इतिहास विकास, विचारधारा और संगठन के निरंतर विस्तार पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिला अध्यक्ष पंकज रामपाल ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा एक सशक्त वैचारिक संगठन है, जहां एक साधारण कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और

समर्पण से राष्ट्रीय अध्यक्ष या मुख्यमंत्री जैसे सर्वोच्च पदों तक पहुंच सकता है। भाजपा का कार्यकर्ता किसी व्यक्ति या पद से नहीं, बल्कि राष्ट्र सर्वोपरि की भावना और पार्टी की विचारधारा से जुड़ा होता है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता है। व्यक्ति निर्माण से संगठन निर्माण और संगठन निर्माण से राष्ट्र निर्माण की भावना के साथ चल रहा यह प्रशिक्षण अभियान बूथ स्तर तक सशक्त, समर्पित और प्रशिक्षित कार्यकर्ता तैयार करने की प्रक्रिया है। बल्कि सेवा भाव के साथ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। भाजपा के मंडल प्रशिक्षण वर्ग में कुल 7 सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जो रविवार तक चलेंगे। वक्ता के तौर पर जिला प्रभारी नरेंद्र वत्स, पूर्व जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, जिला उपाध्यक्ष विक्रम अरुआ, जिला सचिव अनुराधा डिगवाल, जिला प्रवक्ता आभाष अग्रवाल कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करेंगे। अलग-अलग सत्रों में अलग-अलग वक्ताओं द्वारा संगठन की कार्यप्रणाली, पार्टी की विचारधारा, जनसंपर्क, चुनाव प्रबंधन और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मंत्री ने बिजली अधिकारियों के सहयोग से लोगों को किया जागरूक

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से दमकेगा भारतः राजेश नागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के निवास प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में एक जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की भी उपस्थिति रही जिनके बीच मंत्री एवं अधिकारियों ने योजना की विस्तृत जानकारी सांझा की।

मंत्री राजेश नागर ने बताया कि इस योजना के तहत आम नागरिक अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर न केवल बिजली की बचत कर सकते हैं, बल्कि सरकार की ओर से दी जाने वाली सब्सिडी का भी लाभ उठा सकते हैं। नागर ने कहा कि इस योजना के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरे देश में हर घर तक रोशनी पहुंचाना चाहते हैं जिसमें हमारे मुख्यमंत्री नायब सैनी भी भरपूर सहयोग कर रहे हैं। मुझे

विश्वास है कि हरियाणा इस योजना में सबसे आगे निकलेगा, जिसके लिए जनता का सहयोग बहुत जरूरी है। वहीं अधिकारियों ने भी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में इस योजना से जुड़ने और सौर ऊर्जा को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी लाभकारी है। उपस्थित लोगों ने भी योजना में रुचि दिखाई और इसे क्षेत्र में व्यापक स्तर पर अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर डीएचबीवीएन के एसई जितेंद्र ढुल सहित कई एसडीओ और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सीबीएसई की फर्जी मान्यता दिखाकर चला रहा था स्कूल, धोखाधड़ी धाराओं में केस दर्ज

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला स्कूल चेयरमैन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सेक्टर-9ए थाना पुलिस ने छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले स्कूल चेयरमैन को गिरफ्तार किया है। आरोपी सीबीएसई की फर्जी मान्यता दिखाकर स्कूल चला रहा था। इस संबंध में पुलिस ने चेयरमैन व प्रिंसिपल समेत चार लोगों के खिलाफ गत 18 फरवरी को धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया था।

पुलिस को दी शिकायत में एक अभिभावक ने आरोप लगाया था कि उसकी बेटी एजुक्रेस्ट इंटरनेशनल स्कूल सेक्टर-9बी में कक्षा दसवीं की छात्रा है। जिसके साथ स्कूल प्रबंधन द्वारा गंभीर धोखाधड़ी की है। शिकायत में आरोप है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा एडमिशन के समय यह दावा किया गया कि स्कूल सीबीएसई से मान्यता प्राप्त है और वैध मान्यता प्रमाण-पत्र एवं संबद्धता नंबर प्रदर्शित किया गया। छात्रा से ट्यूशन फीस, बिल्डिंग फंड, परीक्षा शुल्क, कंप्यूटर शुल्क आदि विभिन्न मदों में नियमित रूप से शुल्क लिया गया। लेकिन छात्रा को सीबीएसई की बोर्ड परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड नहीं दिया गया। छात्रा के परिजनों ने बाद में जांच करने पर शिकायतकर्ता को पता चला कि स्कूल सीबीएसई से संबद्ध नहीं है और न ही मान्यता प्राप्त है। जो रजिस्ट्रेशन नंबर बताया गया वह भी गलत है। स्कूल प्रबंधकों की धोखाधड़ी से छात्रा का एक शैक्षणिक वर्ष प्रभावित हुआ और उसके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। इस संबंध में पुलिस ने स्कूल के चेयरमैन विनय कटारिया, प्रिंसिपल रिद्धिमा कटारिया, वाइस प्रिंसिपल सिमर बत्रा, कॉर्डिनेटर सोनिया समेत अन्य स्टाफ के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। हालांकि अभी तक अन्य आरोपी फरार हैं। सेक्टर-9ए थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 318(4), 316(2) व 3(5) के तहत केस दर्ज किया था। जिसके बाद पुलिस ने पुलिस ने स्कूल के चेयरमैन विनय कटारिया को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह पिछले आठ साल से स्कूल चला रहा था। आरोपी ने बताया कि उक्त स्कूल को सीबीएसई से 08वीं कक्षा तक की मान्यता प्राप्त है और आरोपी ने रुपए कमाने के लालच में 10वीं कक्षा की फर्जी मान्यता दिखाकर 25 बच्चों को नौवीं कक्षा व दसवीं कक्षा में दाखिला दिलाकर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की वारदात को अंजाम दिया।

बढ़ती महंगाई के कारण आम नागरिक हो रहे परेशान

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी ने रसोई गैस सिलेंडर के दामों में भाजपा सरकार द्वारा बेतहाशा बढ़ोतरी करने की आलोचना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के हरियाणा राज्य सचिव मण्डल ने प्रेस को विज्ञप्ति जारी करते हुए रसोई गैस की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि किए जाने की कड़ी आलोचना की है, राज्य सचिव कामरेड प्रेम चंद और डिस्टिक सेक्रेट्री वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने कहा कि भाजपा शासन काल में एक बार फिर घरेलू रसोई गैस एलपीजी के दामों में 14.2 किलो ग्राम प्रति सिलेंडर 60 रुपए व कमर्शियल एलपीजी 19 किलो ग्राम प्रति सिलेंडर के दामों में 115 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पिछले साल 8 अप्रैल को भी इसी तरह बढ़ोतरी की गई थी।

बीते इन 11 महीनों में यह दूसरी बार है। अब घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 925 रुपए व कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत बढ़कर करीब 2200 रुपए हो गई है। रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतें आम नागरिकों के लिए असहनीय हो गई हैं। बढ़ती महंगाई के कारण लोगों के लिए खाना पकाना दूभर हो गया है। भाजपा सरकार की करनी और कथनी का अंतर अब लोग समझने लगे हैं। उन्होंने आगे कहा गरीबों को राहत देना तो दूर प्रदेश की भाजपा सरकार ने करीब 14 लाख परिवारों के नाम बीपीएल सूची से हटा दिए हैं, एक ओर जहां गरीबों को सरकारी सस्ता राशन लेने से वंचित किया है वहीं दूसरी ओर सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित कर दिया है। हाल ही में केंद्र सरकार ने मनरेगा को खत्म करने श्रमिक विरोधी लेबर कोड्स का नोटिफिकेशन, बिजली संशोधन बिल, बीज संशोधन बिल व असमानता पूर्ण देश को बर्बाद करने वाली भारत-अमेरिका डील को अंजाम दिया है।

समाजवादी पार्टी ने सदन के बाहर किया घंटों हंगामा

टैक्स बढ़ोतरी को लेकर के विरोध में पार्षदों का जबरदस्त हंगामा रुष्ट पार्षद ने दिया इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद नगर निगम सदन की बैठक में शनिवार को टैक्स बढ़ोतरी के विरोध में जमकर हंगामा हुआ। हंगामे के बीच पार्षद बादल यादव ने अपना इस्तीफा महापौर को सौंप दिया। पार्षदों की नाराजगी व सख्त रुख को देखते हुए महापौर सुनीता दयाल व नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने जहां टैक्स में भारी भरकम छूट देने का एलान किया, वहीं हाउस टैक्स के बढ़ी दरों को पर पुनर्विचार करने के लिए शासन को भेजने का निर्णय लिया गया है।

साथ ही हाउस टैक्स वृद्धि के निर्णय को ध्यान में रखते हुए करदाताओं को 77 से 92प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है, आवासीय भवन जो 10 साल पुराने हैं उनको 25प्रतिशत की छूट, जो भवन 10 साल से 20 साल पुराने भवन पर उनको 32.5प्रतिशत की छूट, 20 वर्ष अधिक पुराने भवन पर 40प्रतिशत की छूट देने का

अधिनियम में प्रावधान है। जिसको सदन में निर्णय लेकर पारित किया गया है। दूसरी तरफ हाउस टैक्स के विरोध में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन व महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नगर निगम ऑफिस के बाहर हंगामा किया। पुलिस ने उन्हें रोका। मौके पर एसीपी नंदग्राम मौजूद रहे। महापौर ने बताया इसके अलावा ऑनलाइन भुगतान करने वाले करदाताओं को 2 प्रतिशत की छूट तथा कचरा पृथक्करण करने वाले घरों को 10प्रतिशत की अतिरिक्त छूट 1 अप्रैल से लागू करने का सदन द्वारा निर्णय लिया गया है। महापौर

ने यह भी बताया समय की मिलने वाली 20प्रतिशत की छूट को अंतिम निर्णय तक लगातार समय-समय पर आवश्यकता को देखते हुए बढ़ाया जाएगा। महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि शासन से प्राप्त होने वाले निर्देश के क्रम में वर्तमान में जमा होने वाले हाउस टैक्स को आगे एडजस्ट किया जाएगा। गाजियाबाद नगर निगम कवर्ड एरिया से कारपेट एरिया पर हाउस टैक्स की वसूली करेगा। जिससे करदाताओं को 20% कम एरिया हाउस टैक्स जमा करना होगा निर्णय लिया गया है। इससे पहले बैठक के दौरान हाउस टैक्स वृद्धि का मुद्दा गरमा गया।

ऑनलाइन बेची जा रही थी नकली किताबें

छापामार करवाई में भारतीय भवन व धनपत राय पब्लिकेशंस की नकली किताबें बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना मुरादनगर पुलिस व कंपनी अधिकारियों की छापामार करवाई में भारतीय भवन पब्लिशर तथा धनपत राय पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड की कॉपीराइट की नकली किताबें बरामद की हैं पुलिस ने छापामारी कार्रवाई करके करीब 97 बोरियां किताबें रिकवर की है इसके बाद शिक्षा जगत में हड़कंप मचा हुआ है किताबें ऑनलाइन बेची जा रही थी।

डीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि सात मार्च को थाना मुरादनगर पर वादी (भारती भवन पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर और धनपत राय पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड का अधिकृत अधिकारी) ने तहरीर दी गयी कि भारती भवन पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर और धनपत राय पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड का अधिकृत अधिकारी हूँ। मुझे कम्पनी से कुछ समय पहले सूचना मिली थी कि कंपनियों की नकली पुस्तकें मुरादनगर में ऑनलाइन बेची जा रही हैं व टीम के साथ थाना मुरादनगर गाजियाबाद में अपनी कॉपीराइट कम्प्लेंट को लेकर थानाध्यक्ष मुरादनगर को बताया। थानाध्यक्ष मुरादनगर ने पुलिस बल को साथ भेजा और जाँच के आदेश दिए। फेस 4 मुरादनगर पर पहुंचे तो वहाँ बरामद पुस्तकों में भारती भवन पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर की कुल 3610 मिली जो कि इस प्रकार है (1) कक्षा 6 गणित की कुल 1430 पुस्तकें (2) कक्षा 7 गणित की कुल 990 पुस्तकें (3) कक्षा 8 गणित की कुल 1150 पुस्तके (4) कक्षा 9 गणित की कुल 40 पुस्तकें धनपत राय पब्लिकेशन प्रा. लि. की कुल 1440 मिली।

निविदा (सूचना)

दी बल्लबगढ़ को-ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि. बल्लबगढ़ दुकान नं.73 न्यू अनाज मण्डी बल्लबगढ़ की तरफ से वर्ष 2026-27 में बल्लबगढ़ मण्डी व तिगांव मण्डी में सरसों की खरीद की जानी है। जो भी मण्डी आढ़ती हैण्डलिंग एजेण्ट का कार्य करने का ईच्छुक हो। वह दिनांक 20-3-2026 सुबह 11 बजे तक सील बन्द लिफाफा अपनी कुटेशन के साथ जमा कराये। यह टैंडर उसी दिन दोपहर 2 बजे समिति कार्यालय में उपस्थित पार्टियों के सम्मुख खोले जायेंगे। नियम व शर्तें जानने के लिए समिति कार्यालय में सम्पर्क करें।

हस्ता/-प्रबंधक
सी.एम.एस. बल्लभगढ़

निविदा (सूचना)

दी बल्लबगढ़ को-ऑपरेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि. बल्लबगढ दुकान न.73 न्यू अनाज मण्डी बल्लबगढ़ की तरफ से वर्ष 2026-27 आंगनबाडी व मिड-डे-मील की फरीदाबाद को सप्लाई के लिए ट्रांसपोर्ट व लेबर के ठेकेदारों के लिए टेंडर भरने की आखिरी तारीख 19-3-26 शाम 5 बजे तक है। यह टेंडर 20-3-2026 में प्रातः 11 बजे समिति कार्यालय में खोले जायेंगे। टेंडर की नियम व शर्तें तथा टेंडर फार्म समिति कार्यालय से प्रातः 11 बजे किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते हैं।

हस्ता/-प्रबंधक
सी.एम.एस. बल्लभगढ़

जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक संपन्न

नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रभारी, सहप्रभारी बनाकर दी जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक शनिवार को सैक्टर-9 स्थित जिला कार्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में आज सबसे पहले पूर्व विधायक स्व. आनन्द कौशिक जी के निधन पर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वहीं कांग्रेस नेता कर्मवीर बौद्ध को हरियाणा से राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर कांग्रेस हाईकमान सहित राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खड़गे का आभार व्यक्त किया। वहीं आज जिला कांग्रेस कमेटी के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अलावा कांग्रेस सेवादल, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस व एनएसयूआई के प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक की स्वीकृति के बाद जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन

महासचिव अशोक रावल ने जानकारी देते हुए बताया कि पृथला विधानसभा क्षेत्र में मोहना ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का मुकेश डागर जिला महासचिव को प्रभारी बनाया गया है उनके साथ जिला सचिव चन्द्रपाल सिंह सह प्रभारी होगें। पृथला ब्लॉक कांग्रेस का जिला कांग्रेस के महासचिव रविन्द्र बैंसला को प्रभारी तथा एनके शर्मा को सहप्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। फरीदाबाद एनआईटी ब्लॉक का जिला महासचिव ललित बंसल को प्रभारी, जिला सचिव मोहसिन खान को सहप्रभारी, एनआईटी ग्रामीण ब्लॉक का जिला महासचिव राम कुमार को प्रभारी, जिला सचिव अर्जुन सैनी को सह प्रभारी, बडख़ल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में एम.सी. वन का जिला महासचिव उमेश कौशिक को प्रभारी, दिनेश शर्मा जिला सचिव को सह प्रभारी, एम.सी.टू ब्लॉक का जिला उपाध्यक्ष तिलक को प्रभारी, दीपक शुक्ला जिला सचिव को सहप्रभारी बनाया गया है। वहीं बल्लभगढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी में एमसी वन ब्लॉक का जिला उपाध्यक्ष रेनू चौहान को प्रभारी, जिला सचिव अनुज शर्मा को सह प्रभारी, एमसी टू ब्लॉक में पूर्व पार्षद एवं जिला उपाध्यक्ष अनिल शर्मा को प्रभारी, जिला सचिव वीरेंद्र यादव को सहप्रभारी, फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र में एमसी वन ब्लॉक का जिला उपाध्यक्ष वेद प्रकाश यादव को प्रभारी, जिला सचिव राहुल नागर को सहप्रभारी, एमसी टू ब्लॉक में जिला कोषाध्यक्ष डा. सौरभ शर्मा को प्रभारी, जिला सचिव बाबूलाल रवि को सह प्रभारी बनाया गया है। तिगांव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का जिला महासचिव विरेन्द्र चंदीला को प्रभारी, जिला सचिव बलजीत सिंह अरोड़ा आदि।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरविंदर सिंह पुत्र** अमरजीत **सिंह, निवासी** मकान नं0 ई–54, गली नं0–5, दक्षिण अनारकली, दिल्ली, **यहां भी**: मकान नं0 ई–67, गली नं0–5, दक्षिण अनारकली, दिल्ली, ने **CC No. 2156/22 & CC No. 2157/22, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन जगतपुरी, शाहदरा जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरविंदर सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **हरविंदर सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 2156/22 & CC No. 2157/22, U/S 138 NI Act, पुलिस स्टेशन जगतपुरी, शाहदरा जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **हरविंदर सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.04.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री मोहित शर्मा
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कमरा नं0–59,
तृतीय तल, शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2977/SHD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
(84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अनिल उर्फ गांजा पुत्र राज पाल सिंह पताः मकान नं. 2126/2–बी, 3–ए, प्रेम नगर गली नं.6, नई दिल्ली और स्थाई पता गॉव व डाक घर परतावल बाजार थाना श्यामदेउरवा, जिलाः महराजगंज यूपी ने एफआईआर सं. 621/2022 धारा 25/54/59 आर्म एक्ट के तहत** थानाः पटेल नगर, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अनिल उर्फ गांजा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अनिल उर्फ गांजा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर सं. 2126/2022 धारा 25/54/59 आर्म एक्ट के तहत** थानाः पटेल नगर, दिल्ली **के उक्त अनिल उर्फ गांजा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
उदित जैन गर्ग
अतिरिक्त मुख्य न्यायधिस
वेस्ट, कमरा नं.145,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/1944/CD/2026

सत्यमेव जयते
भारत सरकार

सत्यमेव जयते
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार

दिल्लीवासियों को ₹33,500 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उपहार

श्री नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

के कर-कमलों द्वारा

- दिल्ली मेट्रो फेज़-IV के मजलिस पार्क से मौजपुर-बाबरपुर खण्ड (पिंक लाईन का 12.3 कि.मी. विस्तार)
- दिल्ली मेट्रो फेज़-IV के दीपाली चौक से मजलिस पार्क खण्ड (मजेंटा लाईन का 9.9 कि.मी. विस्तार)
- सरोजिनी नगर और कस्तूरबा नगर में 7 जीपीआरए कॉलोनियों में 2,722 फ्लैट्स
- नेताजी नगर में जीपीओए परिसर

का **उद्घाटन** एवं

- दिल्ली मेट्रो फेज़-V(A) के रामकृष्ण आश्रम मार्ग से इंद्रप्रस्थ खण्ड (मजेंटा लाईन का 9.9 कि.मी. विस्तार)
- दिल्ली मेट्रो फेज़-V(A) के तुगलकाबाद से कालिंदी कुंज खण्ड (गोल्डन लाईन का 3.9 कि.मी. विस्तार)
- दिल्ली मेट्रो फेज़-V(A) के एयरोसिटी से आईजीडी एयरपोर्ट टर्मिनल 1 खण्ड (गोल्डन लाईन का 2.3 कि.मी. विस्तार)
- नेताजी नगर, श्रीनिवासपुरी और कस्तूरबा नगर में 7 जीपीआरए कॉलोनियों में 6,632 फ्लैट्स
- सरोजिनी नगर में भारत बिज़नेस पार्क वाणिज्यिक परिसर

का **शिलान्यास**

प्रमुख विशेषताएं

फेज़ - IV कॉरिडोर्स
- नए खण्डों से लंबी दूरी की यात्रा के लिए सीधी कनेक्टिविटी
- आधुनिक ड्राईवरलैस ट्रेनों द्वारा अधिक कुशल संचालन
- निर्बाध यात्रा के लिए विभिन्न स्थानों पर इंटरचेंज सुविधा

फेज़ - V (A) कॉरिडोर्स
- सेंट्रल, साउथ और साउथ-ईस्ट दिल्ली के बीच सुगम यात्रा
- कर्तव्य भवन, इंडिया गेट, हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और भारत मंडपम इत्यादि तक सीधी कनेक्टिविटी
- एयरपोर्ट के एक टर्मिनल से दूसरे टर्मिनल तक की यात्रा और आसान

जीपीआरए कॉलोनियां/जीपीओए
- सरकारी कर्मचारियों को विश्वस्तरीय आवास और कार्य वातावरण
- सरकारी कर्मचारियों को आवासों की अधिक उपलब्धता
- आधुनिक बहुमंजिला आवासीय परिसर
- सोलर एनर्जी, जीरो डिस्चार्ज सिस्टम, वेस्ट मैनेजमेंट जैसी स्मार्ट सुविधाएँ
- बेहतर डिज़ाइन के कारण हरित आवरण में वृद्धि
- स्व-वित्त पोषण मॉडल पर विकसित
- नवीनतम निर्माण प्रौद्योगिकी का प्रयोग

दिनांक	समय	स्थान
रविवार, 8 मार्च, 2026	12:00 बजे	डीडीए मैदान, बुराड़ी रोड़ नज़दीक संत निरंकारी मंडल, दिल्ली-110009

गरिमामयी उपस्थिति

श्रीमती रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार

श्री मनोहर लाल
केंद्रीय मंत्री, आवासन एवं
शहरी कार्य और विद्युत

श्री तोखन साहू
केंद्रीय आवासन
एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री

श्री हर्ष मल्होत्रा
केंद्रीय सड़क, परिवहन और
राजमार्ग तथा कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री

श्री विनय कुमार सक्सेना
उपराज्यपाल, दिल्ली

डॉ. पंकज कुमार सिंह
मंत्री, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार

डीडी न्यूज़ पर
सीधा प्रसारण देखें
DD NEWS

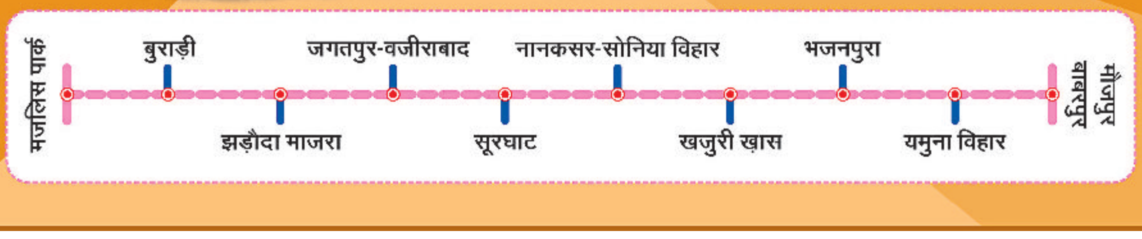

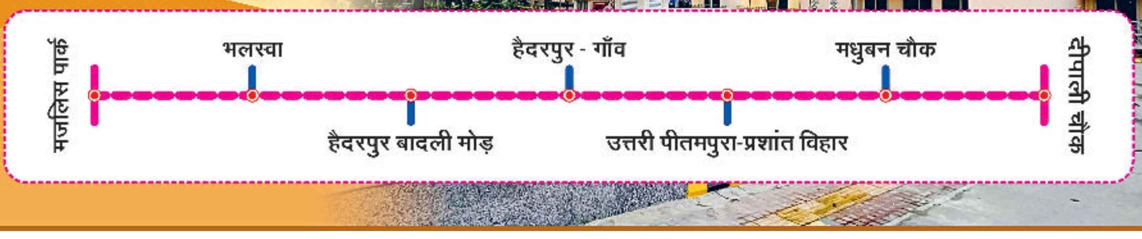

हर क्षेत्र में फहरा रहा आधी आबादी का परचम

अब वो दिन लद गए, जब आधी आबादी के लिए कुछ निश्चित कार्यक्षेत्र ही हुआ करते थे। आज के दौर में बेटियां हर उस क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं, जिन्हें पहले उनके लिए वर्जित माना जाता था। देश की सुरक्षा से लेकर वैज्ञानिक अनुसंधान तक और खेल के मैदानों में भी कामयाबी की नित नई मिसालें गढ़ रही हैं। आधी आबादी के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते कदम पर एक नजर।

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

अभी सुबह के 4 बज रहे हैं। हरियाणा के एक छोटे से गांव में रहने वाली 19 साल की एक लड़की अपने जूतों में फीते कस रही है। उसके सामने कोई दर्शक नहीं है, कोई कैमरा नहीं है। है तो सिर्फ एक लंबा सा ट्रैक और दिल दिमाग में एक रंगीन सपना। यह सपना एथलेटिक्स में कुछ कर दिखाने का है। यह सपना किसी एक हरियाणवी लड़की का ही नहीं है, बल्कि आज भारत की हजारों-लाखों किशोरियों और युवतियों की आंखों में खेल से लेकर सेना और विज्ञान जैसे सभी जटिल और एक जमाने तक पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में कुछ कर दिखाने का है। साल 2026 का भारत इस मायने में ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है, क्योंकि आज कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां युवा महिलाएं दस्तक न दे रही हों। अब देश में कोई ऐसा क्षेत्र विशेष नहीं रहा, जिसे एक्सक्लूसिविली पुरुषों का वर्चस्व वाला क्षेत्र कहा जा सके। सभी क्षेत्रों में पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर भारत की युवा महिलाएं खड़ी हैं।

गढ़ रहीं जीत की नई परिभाषा

भारत में खेल लंबे समय तक पुरुषों के वर्चस्व वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। लेकिन हाल के कुछ दशकों में युवा महिलाओं ने इस धारणा को बदल दिया है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर भारत आदि की युवा महिला एथलीटों ने ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप में कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में भारत की महिला खिलाड़ियों ने कुल पदकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उसके पहले कई ओलंपिक खेल ऐसे भी संपन्न हुए हैं, जब भारत की तरफ से कामयाबी का सेहरा सिर्फ लड़कियों के सिर बंधा है। आज बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, रेसलिंग और बॉक्सिंग ये ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें भारत की बेटियां राज कर रही हैं। अब देश के गांवों से युवा महिला पहलवान और मुक्केबाज निकल रही हैं। खेलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का एक महत्वपूर्ण कारण है, खेलों को लेकर शुरू की गईं कई शानदार सरकारी योजनाएं, जिसमें एक प्रमुख योजना 'खेलो इंडिया' भी शामिल है। इसमें बेहतर प्रशिक्षण की बदौलत भारतीय लड़कियां पूरी दुनिया में कामयाबी के झंडे गाड़ रही हैं। लेकिन इससे बड़ा परिवर्तन उन भारतीय परिवारों का है, जो उनकी मानसिकता में आया है। अब गांवों में भी मां-बाप बेटियों को खेल के मैदान में खुशी-खुशी भेजने लगे हैं। जबकि एक समय तक उन्हें सिर्फ शादी के लिए पाल पोसकर बड़ा किया जाता था।

संभाल रहीं सुरक्षा की कमान

लंबे समय तक भारतीय सेना महिलाओं के लिए बहुत सीमित अवसर प्रदान करती रही है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह स्थिति तेजी से बदली है। आज युवा महिलाएं न केवल बड़ी संख्या में सैन्य अधिकारी बन रही हैं बल्कि लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं, वे युद्ध पोतों पर तैनात हैं। भारतीय वायु सेना में महिला फाइटर पायलटों की संख्या लगातार बढ़ रही है। साल 2003 के बाद राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) में महिलाओं के प्रवेश ने इस बदलाव को गति दी है। अब 18-19 वर्ष की लड़कियां सीधी एनडीए में प्रशिक्षण लेकर सेना की स्थायी अधिकारी बन रही हैं। यह बदलाव सिर्फ सैन्य संरक्षण का बदलाव नहीं है बल्कि सामाजिक सोच में आए परिवर्तन का संकेत है। एक समय था, जब सेना को पूर्णतः पुरुषों का पेशा माना जाता था। लेकिन अब युवा महिलाएं सीमा की सुरक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। नौसेना में भी महिलाएं युद्ध पोतों पर तैनात हैं। लंबी समुद्री यात्राओं का हिस्सा हैं और यह साबित कर रही हैं कि शारीरिक और मानसिक क्षमता के मामले में महिलाएं किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं हैं। पुरुषों के समान ही वे भारतीय सीमाओं की रक्षा में कंधे से कंधा मिलाकर बढ़ रही हैं।

हासिल कर रहीं वैज्ञानिक उपलब्धियां

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी युवा महिलाएं बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), राष्ट्रीय रक्षा अनुसंधान संगठन (डीआरडीओ) और विभिन्न वैज्ञानिक संस्थानों में महिलाओं की न केवल भागीदारी बहुत तेजी से बढ़ रही है बल्कि कई क्षेत्रों में तो वो पुरुषों से भी आगे हैं। हाल के सालों में देश के सबसे महत्वपूर्ण माने गए चंद्रयान और मंगलयान जैसे अंतरिक्ष मिशनों में भारतीय महिला वैज्ञानिकों की कामयाबी देखते ही बनी है। यही कारण है कि आज देश में विज्ञान के क्षेत्र में दाखिला लेने वाली लड़कियों की बड़ी संख्या सामने आ रही है, क्योंकि आज भारत की एक नहीं बल्कि अनेक अंतरिक्ष अभियानों में भारत की युवा महिलाएं कामयाबी का श्रेय हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और रक्षा अनुसंधान में भी इनकी भूमिका और योगदान पुरुषों से पीछे नहीं है। आईआईटी, आईआईएससी और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों में जाकर देख लीजिए, आज ज्यादातर जगहों में महिला छात्र, पुरुष छात्रों के बराबर हैं, कहीं कुछ कम हैं। ये छात्राएं न केवल पढ़ाई कर रही हैं बल्कि अपनी मौलिक मेधा से अपने लक्षित कार्यक्रमों में सफलता हासिल करके उपलब्धियों की नई कहानी रच रही हैं। *

बदल रही है सामाजिक मानसिकता

हमारी बेटियों को यह शानदार सफलताएं मिल रही हैं, तो इसमें समाज की सोच और उसके नजरिए में बदलाव का भी बड़ा योगदान है। पहले जहां बेटियों के लिए सीमित विकल्प होते थे, अब वे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। छोटे शहरों से आने वाली युवा महिलाएं अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा बिखेर रही हैं। डिजिटल शिक्षा, इंटरनेट, सोशल मीडिया ने भी इस परिवर्तन में बड़ी भूमिका निभाई है। इसलिए अब समाज के विभिन्न तबकों से उठकर आने वाली महिलाएं अपने आपको भावी रोल मॉडल में देख सकती हैं और उनसे प्रेरणा हासिल की जा सकती है। हालांकि यह अलग बात है कि अभी महिलाओं ने अपने हिस्से की सारी जंग जीती नहीं है। अभी भी अनेक किस्म की चुनौतियां मौजूद हैं। लेकिन चुनौतियां तो हर क्षेत्र में हैं। असली बात यह है कि महिलाएं लगातार हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। हालांकि कुछ मां-बाप जिनकी वजह से महिलाओं की अभी भी पिछड़ी सोच है, उन्हें जल्द से जल्द अपने को बदलना होगा। नहीं तो वो लोग इन्हें अपने साख से खारिज कर देंगे, जिनकी नजरों में लड़का और लड़की बराबर है। आज के इस एआई दौर में एआई का विश्लेषण बताता है कि आने वाले भविष्य में लड़कियों की मौजूदगी और भी महत्वपूर्ण होगी। विशेषकर इस लिहाज से भी कि अब नई पीढ़ी में लड़कियां जाति और लिंग से परिभाषित नहीं होतीं। अपने काम और काम में हासिल महारत से सम्मान पा रही हैं।

बीते कुछ दशकों में हमारे समाज की महिलाएं घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालने के साथ कार्यक्षेत्र में भी शानदार मुकाम हासिल करने लगी हैं। यह नया सामाजिक बदलाव, परिवार और कार्यक्षेत्र में संतुलन की उनकी कुशल भूमिका से ही संभव हो पा रहा है।

परिवार-कार्यक्षेत्र में संतुलन बनातीं महिलाएं

{ बदलाव / अपराजिता }

आठ मार्च, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, केवल एक उत्सव का दिन नहीं है। यह गहरे सामाजिक परिवर्तन और प्रतीक का दिन भी है। यही प्रतीकात्मक परिवर्तन, भारत की युवा महिलाओं की सोच, प्राथमिकताओं और जीवन के निर्णयों में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ रहा है। एक जमाना था, जब अधिकांश युवतियां विवाह को ही सबसे जरूरी लक्ष्य मानकर जीवन जीती थीं। लेकिन आज भारत की युवा नारी के लिए विवाह एकमात्र जीवन लक्ष्य नहीं है बल्कि यह उसके जीवन के कई विकल्पों में से एक है। भारत की युवा महिलाएं करियर, आत्मनिर्भरता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को इन दिनों बराबर का महत्व दे रही हैं और उनकी प्राथमिकता में यह सब अचानक नहीं आया, इसके पीछे दशकों की शिक्षा, आर्थिक अवसरों का विस्तार तथा आत्मसम्मान की नई जागृति ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन्हीं सबके चलते विवाह जो कभी जीवन का एकमात्र प्रथम और आखिरी लक्ष्य हुआ करता था, आज की महिलाओं के लिए वह एक वैकल्पिक बन चुका है।

सोच में आया बड़ा बदलाव: पहले के दौर में जहां लड़कियां परिवार और समाज के दबाव में अपनी शिक्षा और करियर को लेकर समझौता कर लेती थीं, आज वे कतई ऐसा नहीं कर रही हैं। आज युवा महिलाएं अपनी पहचान का केंद्र विवाह को नहीं, अपनी निजी उपलब्धियों (जिनमें करियर और उनकी अपनी रचनात्मकता शामिल है) को विवाह से कहीं ज्यादा तरजीह दे रही हैं। आज की युवा महिलाएं पहले अपने पैरों पर खड़ी होना चाहती हैं, अपनी आर्थिक और मानसिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करना चाहती हैं, इसके बाद विवाह के बंधन में बंधती हैं। दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता ही नहीं बल्कि रांची, लखनऊ और जयपुर जैसे शहरों में भी अब यह बदलाव तेजी से देखने को मिल रहा है। आज इन शहरों में ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कस्बों में भी युवा महिलाओं की विवाह की उम्र बहुत आसानी से 28 से 30 साल के बीच हो गई है। जबकि एक जमाना था, जब किसी महिला की 20 साल तक अगर शादी नहीं होती थी, तो घर-परिवार में हंगामा मच जाता था। यही नहीं आज देश में 8 करोड़ से ज्यादा महिलाएं अपने स्वतंत्र निर्णय के चलते बिना विवाह किए रह रही हैं। आज के 30-40 साल पहले इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। वास्तव में महिलाओं में आया यह बदलाव सिर्फ शादी की उम्र में देरी का बदलाव नहीं है बल्कि उनकी सोच में अपने प्रति आई परिपक्वता का बदलाव है।

मनमुताबिक ले रहीं निर्णय: अब महिलाएं बड़ी सहजता से अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के संबंध में निर्णय लेने लगी हैं और यह निर्णय केवल घर से हजारों किलोमीटर दूर जाकर काम करने भर का नहीं है बल्कि यह निर्णय इस मामले में भी है कि उन्हें किस क्षेत्र में अपना करियर बनाना है, कब विवाह करना है और किस तरह की जीवनशैली अपनानी है? डिजिटल युग ने युवा महिलाओं की इस स्वतंत्रता को नए सिरे से मजबूत किया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने महिलाओं को जानकारी देने, उन्हें प्रेरित करने और आगे बढ़ने के कई नए अवसर प्रदान किए हैं। आज की युवा महिलाएं देश ही नहीं दुनिया को अपनी नजरों से देख सकती हैं, समझ सकती हैं और अपने संबंध में बेहतर विकल्प चुन सकती हैं। यह स्वतंत्रता केवल व्यक्तिगत नहीं है बल्कि सामाजिक परिवर्तन का संकेत भी है। इस बदलाव में परिवार की भूमिका भी कहीं न कहीं शामिल है। *

बदलती प्राथमिकताओं की नई तस्वीर

- भारत की महिलाओं की औसत विवाह आयु अब 20 से 22 वर्ष से बढ़कर 25 से 28 वर्ष हो चुकी है।
- उच्च शिक्षा में छात्राओं की भागीदारी अब 59 फीसदी तक पहुंच गई है।
- सिविल सेवा परीक्षा में उनकी सफलता की दर बढ़कर 30 से 35 प्रतिशत हो चुकी है।
- स्टार्टअप के इकोसिस्टम में भी अब महिलाएं अपनी हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। आज हजारों की तादाद में युवा महिलाएं हैं, जिनके अब स्टार्टअप चल रहे हैं और उनकी यह संख्या लगातार बढ़ रही है।
- कॉरपोरेट क्षेत्र में महिला कर्मचारियों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है।
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाखों महिलाएं स्वरोजगार से भी जुड़ रही हैं। इस तरह अब नई पीढ़ी की महिलाएं आत्मनिर्भर ही नहीं बल्कि निर्णायक बन रही हैं।

{ कविता / कुसुम अग्रवाल }

एक सपना

मैंने देखा था इक सपना
सपने में थी मोटर-कार।
स्टेयरिंग, सीटें, सब कुछ उसमें,
पर नहीं थे पहिए चार।
मैंने सोचा, 'कैसे दौड़े?
कैसे पकड़ेगी रफ्तार?'
एक जगह जो खड़ी रहे तो
हो जाए बिल्कुल बेकार।
हंसकर बोली मोटर मुझसे,
जान गई हूं मन की बात।
पहिए तुम्हें जोड़ने होंगे
तब दौड़ूंगी दिन एक रात।
पहला पहिया साहस का हो,
दूजा हो आत्मविश्वास।
तीसरा पहिया मेहनत वाला
चौथा दृढ़ संकल्प-प्रयास।
जब ये चारों संग जुड़ेंगे,
राह सरल बन जाएगी।
जीवन रूपी गाड़ी तब ही
मंजिल तक पहुंचाएगी।

{ लघुकथाएं }

सपनों की उड़ान

तुम्हारे जाने की टिकट बुक करवा दूं?' दिवेश का मैसेज आए आधे घंटे हो चुके थे, लेकिन रीमा को कोई जवाब सूझ नहीं रहा था। मन कुछ कह रहा था, दिमाग कुछ और!

थोड़ी देर में दिवेश का फोन आया, उसने पूछा, 'क्या हुआ तुमने कोई जवाब नहीं दिया?' 'क्या जवाब दूं, समझ नहीं आ रहा मुझे!' रीमा बुझे स्वर में बोली।

'लिटरेचर का इतना बड़ा सेमिनार है, लेकिन तुम सब को छोड़कर हफ्ते भर के लिए बाहर जाना सही नहीं रहेगा। मेरा ध्यान यहीं लगा रहेगा।' इतना कह रीमा ने फोन रख दिया।

एआई इमेज

शाम को दिवेश दफ्तर से आए। सभी रुटीन के हिसाब से अपने-अपने काम में लगे थे। रीमा ने संतुष्टि भरी दृष्टि से सबको देखा, फिर वह भी अपने काम में लग गई।

थोड़ी देर बाद दिवेश रसोई में आए और रीमा के हाथों में एक पैकेट थमाते हुए बोले, 'सबका ध्यान रखना और सबसे प्यार करना अच्छी बात है, लेकिन थोड़ा अपने बारे में भी सोचना पाप नहीं। मैं तुम्हारे लिए अच्छी सी ड्रेस लेकर आया हूं। तुम यही ड्रेस पहन कर अपने सेमिनार में जाना। मैंने तुम्हारे जाने का टिकट बुक कर दिया है।'

'लेकिन बच्चे..!' रीमा ने पूछा।

'हम लोग रह लेंगे मम्मा। बड़े हो गए हैं हम भी। पापा ने हमें सब बता दिया है।' पीछे से बच्चों की आवाज आई।

'हां बिल्कुल! आज मैं, कल को बच्चे अपने सेमिनार और दूसरे कामों से बाहर जाएंगे ही। फिर तुम क्यों सब कुछ छोड़ती रहो! बेझिझक जाओ।' दिवेश बोले।

रीमा का चेहरा खुशी से खिल उठा। अपने सपनों को पंख लगते देख उसकी आंखें छलछला उठीं। *

-अलका 'सोनी'

हार्दिक शुभकामनाएं!

शांति आधे घंटे की छुट्टी मिली है...जल्दी से रोटी खा ले, वरना ठेकेदार चिल्लाएगा।' बेला ने कहा।

'चिल्लाए तो... चिल्लाने दे। पहले मैं अपनी बेटी को दूध पिलाऊंगी...उसे भी तो भूख लग रही होगी।' शांति अपनी छह महीने की बच्ची को गोद में उठाते हुए बोली। कलेजे के टुकड़े को दूध पिलाकर लाड़ लड़ाते-लड़ाते कब आधा घंटा बीत गया...शांति को पता ही नहीं चला।

एआई इमेज

'अरी शांति की बच्ची... चल उठ काम पर लग जा देखती नहीं पांच मिनट ऊपर हो गए हैं...।' ठेकेदार चिल्लाया।

बेला बीच में बोल पड़ी, 'ठेकेदार जी, अभी शांति ने रोटी नहीं खाई है बच्ची को दूध पिला रही थी बेचारी...।'

'चल तू अपना काम कर... फालतू की पंचायत मत कर।'

ठेकेदार ने बेला को डांटा।

उसी समय एक सफेद चमचमाती कार आकर रुकी। उसमें से एक भद्र महिला बाहर निकली। ठेकेदार दौड़ता हुआ उसके पास पहुंचा। उन्हें एक गुलदस्ता देते हुए बोला, 'मैडम, महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।' *

-गोविंद भारद्वाज

घरेलू महिला

आशी को बस घरेलू काम आते हैं। देखो, इस कमरे को कैसा चमका रखा है।' आशी का पति पवन अपने दोस्तों के साथ गपशप करते हुए बोला।

आशी इन दिनों एक परिचित के विवाह समारोह में शामिल होने शहर से बाहर गई हुई थी। पवन ने घर पर दोस्तों के साथ गपशप के बाद सबको विदा किया ही था कि आशी का फोन आया। वह पति से बोली, 'पवन, बस कुछ मिनटों का एक काम है। पूजा घर में एक हरी फाइल रखी है। उसे निकालकर देख लो और पॉलिसी की किश्त जमा कर देना जरा।'

इतना कहकर और बाकी हाल-चाल पूछकर आशी ने फोन काट दिया।

पवन को झुंझलाहट हुई, अब तक पॉलिसी के रुपए आशी ही जमा करती रही थी। 'अजीब है यह आशी भी, इतना सा काम नहीं होता

एआई इमेज

इससे।' बड़बड़ करता पवन पूजा घर में पहुंचा।

हरी फाइल एक नजर में ही ऊपर रखी दिख गई। उसने फाइल को खोला। ऊपर ही वह पॉलिसी रखी थी। उसके बाद उत्सुकता से पवन ने पूरी फाइल पलटकर देख ली। एक-एक कागज को करीने से उसमें रखा गया था। एक सूची भी अलग से बना रखी थी कि किस साल कौन-सी पॉलिसी मैच्योर हो रही हैं। इतना ही नहीं एक छोटी-सी नोटबुक में पासवर्ड भी लिखे थे। आशी को पवन बस घरेलू महिला ही मानता था। लेकिन उसका तो हर काम इतना सलीके से होता है। पवन ने पॉलिसी के रुपए जमा कर दिए। फाइल को करीने से यथास्थान रख दिया।

अब वह अपने शेल्फ को ठीक कर रहा था। जहां उसने अपने निजी कागज कचरे की तरह यहां-वहां घुसा रखे थे। *

-पूनम पांडे

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

स्त्री केंद्रित कहानियां

समाज के दमित, शोषित और वंचित वर्ग के साथ ही मुशी प्रेमचंद ने स्वाधीनता से पहले स्त्रियों की सामाजिक दशा पर भी कई मर्मस्पर्शी कहानियां लिखी हैं। उनके द्वारा लिखी गई सोलह स्त्री केंद्रित कहानियों का संकलन हाल में पल्लव के संपादन में छपकर आया है। इन कहानियों से गुजरते हुए स्त्री जीवन की अलग-अलग छवियां प्रकट होती हैं। अपनी कहानियों में उन्होंने मुख्य तौर पर अन्याय, अनाचार और शोषण के विरुद्ध अपना स्वर बुलंद करने वाले स्त्री पात्रों को ही रचा है। फिर वो चाहे 'कुसुम' कहानी की मुख्य पात्र कुसुम हो, जो विवाह होने के बाद भी दहेज के विरोध में आक्रोश प्रकट करते हुए दांपत्य के बंधन को तोड़कर स्वतंत्र रहने के लिए तैयार हो जाती है या 'सती' कहानी की विधवा मुलिया हो, जो अपनी अस्मिता पर कुदृष्टि रखने वाले का पूरी दृढ़ता से प्रतिकार करती है। या फिर 'विध्वंस' कहानी की भुनगी, जो अपने परिश्रम का वाजिब मूल्य मांगने से नहीं झिझकती है। कह सकते हैं कि लगभग एक सदी पहले के संकीर्ण और परंपरावादी सोच से ग्रस्त भारतीय समाज में भी प्रेमचंद की कहानियां, स्त्री सशक्तिकरण की आवाज बुलंद करती हैं। *

पुस्तक: प्रेमचंद की स्त्री कथाएं,
संपादन: पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: राजपाल एंड संस, दिल्ली

खबर संक्षेप

महिलाओं के खातों में भेजे गए 2500 रुपए

रांची। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना तहत रांची में लाभुकों को फरवरी की सम्मान राशि का भुगतान किया जा चुका है। योजना के तहत जिले की कुल 3 लाख 87 हजार 174 महिलाओं के बैंक खातों में आधार बेस्ड डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से 2500 रुपए प्रति लाभुक की दर से कुल 96 करोड़ 79 लाख 35 हजार की राशि का भुगतान कर दिया गया है।

निशांत कल 1 बजे जेडीयू में काम शुरू करेंगे

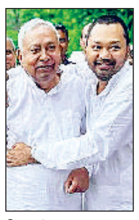

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार रविवार को औपचारिक रूप से जदयू में कामकाज शुरू कर देंगे। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने शनिवार को यह जानकारी दी। कहा कि निशांत शुरुआत से ही जेडीयू में हैं। वे किसी और पार्टी में नहीं गए हैं। ऐसे में वे जेडीयू जॉइन करेंगे, यह कहना सही नहीं है। वह रविवार दोपहर 1 बजे से जेडीयू में काम शुरू कर देंगे।

19 मार्च को राम नाम मंदिर की स्थापना करेंगी राष्ट्रपति

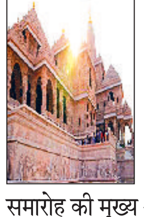

अयोध्या। नव संवत्सर - समारोह को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। राम मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम के लिए करीब पांच हजार विशिष्ट मेहमानों की सूची तैयार कर ली गई है। समारोह की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू होंगी। वह राम मंदिर परिसर में चार घंटे तक रहेंगी। राम मंदिर के दूसरे तल पर श्रीराम यंत्र व श्रीराम नाम मंदिर स्थापना भी करेंगी।

योगी ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान को लेकर दिया बड़ा बयान, बोले-

कन्हैया की कृपा हुई तो अयोध्या की तरह होगा काम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा दौरे पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन किए। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि कृष्ण कन्हैया की कृपा हुई तो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की तरह ही यहां भी आगे का काम होगा

एजेंसी ⏭ मथुरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को कान्हा की नगरी में आए तो आध्यात्मिक रूप में रमे रहे। यहां उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में कई विकास योजनाओं पर मुहर लगाई।

मुख्यमंत्री योगी ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दर्शन किए, फिर यहां श्रद्धालुओं से कहा कि कृष्ण कन्हैया की कृपा हुई तो अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि की तरह आगे का कार्यक्रम भी होगा। उनका इशारा साफ श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही मस्जिद ईदगाह के बीच चल रहे विवाद को लेकर था। योगी ने इतना कहा और श्रद्धालुओं के जयकारे गूंजने लगे।

जीवन अराजकता का नाम नहीं हो सकता

कहा कि यह पर्व व त्योहार हमें सदैव प्रेरित करते हैं कि जीवन में उत्साह और उमंग होनी चाहिए। सकारात्मकता होनी चाहिए। एक इच्छाशक्ति होनी चाहिए। जीवन नकारात्मकता का नाम नहीं है। जीवन अराजकता का नाम नहीं हो सकता है। जीवन को जीवंत बनाए रखने के लिए सकारात्मक भाव जरूरी है।उन्होंने फिर इशारा करते हुए कहा कि कृष्ण कन्हैया की कृपा हुई तो अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि की तरह ही यहां भी आगे का काम होगा।

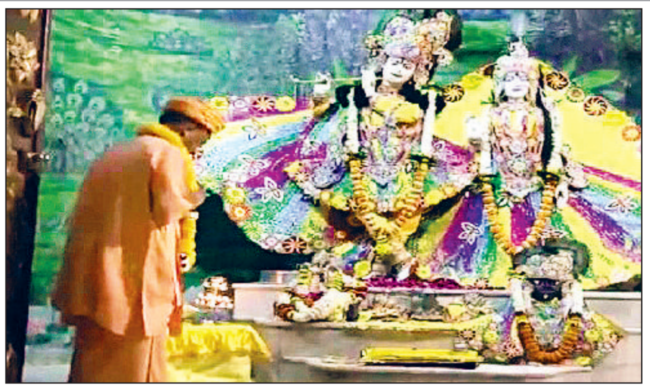

ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में विकास योजनाएं स्वीकृत

वृंदावन के गीता शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में सीएम योगी ने परिषद की बैठक में कई विकास योजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने यातायात व्यवस्था भी बेहतर करने को कहा। करीब एक घंटे बैठक करने के बाद सीएम श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। यहां ठाकुर केशवदेव, योगमाया, गर्भगृह में दर्शन के बाद भागवत भवन में दर्शन किए।यहां श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यहां के कण-कण में अपने कृष्ण कन्हैया की याद रची बसी है। राधारानी की स्मृतियां रची-बसी हैं। उन्होंने होली की सभी को बधाई दी।

डीडीयू-जीकेवाई 2.0 के तहत यूपी में पांच लाख युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण

रोजगार के लायक बनाने पर बड़ा खर्च करेगी योगी सरकार, 3349 करोड़ मंजूर

एजेंसी ⏭ लखनऊ

यूपी में डीडीयू-जीकेवाई 2.0 में 5 लाख युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। विभाग के बजट में 88 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है। कुल 3349 करोड़ के बजट को युवाओं की दक्षता व कुशलता बढ़ाने पर खर्च किया जाएगा।

यूपी में दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई) 2.0 में 5 लाख युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। पहले से दोगुना लक्ष्य तय कर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को कुशल बनाने पर जोर दिया जाएगा। यही नहीं एससी-एसटी, बीपीएल परिवारों के युवाओं व महिलाओं को कुशल बना कर रोजगार दिलाने पर जोर दिया जाएगा।

इसके लिए बजट में बढ़ोत्तरी की गई है। योगी सरकार में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने बताया कि डीडीयू-जीकेवाई 2.0 के तहत यूपी में पांच लाख युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। विभाग के बजट में 88 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गई है। जिससे ज्यादा से ज्यादा युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाने पर जोर दिया जाएगा। कुल 3349 करोड़ के बजट को युवाओं की दक्षता व कुशलता बढ़ाने पर खर्च किया जाएगा। डीडीयू-जीकेवाई 1.0 में 2.63 लाख ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाया गया था और इसमें से दो लाख युवाओं को रोजगार दिलाया गया था। अब यह लक्ष्य दोगुना होने से बड़ी संख्या में युवाओं को इसका लाभ मिलेगा।

खास बातें

- वर्ष 2026-27 के बजट में कौशल विकास के लिए विशेष प्रावधान
- 2000 दिव्यांगों को रोजगार दिलाया गया

यूपी में 4.50 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने की तैयारी

इससे पहले एक निजी होटल में डीडीयू-जीकेवाई-2 को लेकर सात राज्यों की दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। समापन समारोह में योगी सरकार में राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने कहा था कि वह इस बार केंद्र सरकार से 4.50 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिलाने के लिए लक्ष्य की मांग कर रहे हैं। यूपी में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ ही रोजगार दिलाने पर भी जोर दिया जा रहा है। जिलों के बाद ब्लॉक स्तर पर रोजगार मेले लगाकर अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। वर्ष 2026-27 के बजट में कौशल विकास के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। जिसका फोकस ग्रामीण युवाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग और वंचित समुदायों पर रहेगा, ताकि समावेशी विकास सुनिश्चित हो सके।

लक्ष्य को दोगुना किया

डीडीयू-जीकेवाई 2.0 में न सिर्फ लक्ष्य को दोगुना बढ़ाया जा रहा है बल्कि एससी-एससटी, बीपीएल परिवारों व महिलाओं को प्रशिक्षण देने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जाएगा। जिससे इस श्रेणी के युवाओं को इस योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाया जा सके। पहले दिव्यांगों के लिए विशेष अभियान चला कर उनके लिए विशेष रोजगार मेले आयोजित किए गए। जिसमें दो चरणों में करीब 2000 दिव्यांगों को रोजगार दिलाया गया। अब ऐसे ही इन श्रेणी के युवाओं पर भी फोकस किया जाएगा।

अमित शाह ने सम्राट चौधरी को बुलाया

बिहार में नए मुख्यमंत्री पर हलचल के बीच आज बैठक

एजेंसी ⏭ पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को मीटिंग के लिए बुलाया है। बिहार में नए मुख्यमंत्री को लेकर चल रहीं चर्चाओं के बीच सियासी हलचल तेज है। सम्राट रविवार को शाह से पश्चिम बंगाल के बागडोगरा एयरपोर्ट पर मुलाकात करेंगे।

माना जा रहा है कि दोनों के बीच बिहार के बदले हालात और नई सरकार को लेकर विचार-विमर्श हो सकता है। हालांकि इस बैठक की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

शाह के पश्चिम बंगाल में कई कार्यक्रम निर्धारित

पहले यह मुलाकात दिल्ली में होनी थी। लेकिन अमित शाह के कार्यक्रम में बदलाव के बाद मुलाकात का स्थान भी बदल दिया गया। इसे दिल्ली के बजाए बागडोगरा एयरपोर्ट कर दिया गया। हवाई अड्डा पर वीआईपी लाउंज में रविवार को दोनों नेताओं की मुलाकात होगी। शाह का विधानसभा चुनाव को लेकर पश्चिम बंगाल में कई कार्यक्रम निर्धारित हैं। संभावना है कि अगला सीएम भाजपा से होगा। सम्राट चौधरी बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में नंबर दो की पॉजिशन पर हैं। वह राज्य का गृह विभाग संभाल रहे हैं। भाजपा की सहयोगी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने बीते गुरुवार को पटना में राज्यसभा के लिए नामांकन किया था। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

नए सीएम की रेस में सम्राट चौधरी

बिहार का अगला मुख्यमंत्री भाजपा का होगा, इसकी पूरी संभावना है। भाजपा से सीएम कौन बनेगा, इसके लिए कई नाम चर्चा में हैं। सम्राट चौधरी का नाम इस रेस से में प्रमुख है। सम्राट अभी नीतीश के डिप्टी हैं और पिछड़ा वर्ग की कुशवाहा जाति से आते हैं। साथ ही, नित्यानंद राय का भी नाम चर्चा में चल रहा है, जो भाजपा का प्रमुख यादव चेहरा हैं।

एसजीटीयू में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

रामानुजन के गणित को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की विरासत व भविष्य की पीढ़ियों के लिए गणित व उससे आगे तक की प्रेरणा- विषय पर श्री गुरु गोबिंद सिंह ट्राई सेंटेनरी यूनिवर्सिटी (एसजीटीयू) में आज से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश- विदेश के शीर्ष चिंतकों ने गणित में रामानुजन के असाधारण योगदान को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किए जाने की आवश्यकता और अनिवार्यता बताई। दो दिवसीय इस सम्मेलन में रामानुजन की प्रतिभा को पहचानने में इतनी देरी होने पर आश्चर्य मिश्रित अफसोस जताया गया। वक्ताओं का कहना था भारतीय ज्ञान परंपरा के दम पर ही देश 2047 तक विकसित राष्ट्र और विश्व गुरु बन सकता है। देश को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। रामानुजन ने भारतीय गणित ज्ञान परंपरा की दुनिया में डंका बजाया लेकिन चिराग तले अंधेरे की तरह उन्हें अपनी ही मातृभूमि पर बिसरा दिया गया। एसजीटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) हेमंत वर्मा के नेतृत्व में यह सम्मेलन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास और एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) के सहयोग व मुख्य संरक्षक एवं एसजीटीयू के कुलाधिपति पद्मश्री व पद्म भूषण राम बहादुर राय के मार्गदर्शन में किया गया। अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस को डॉ अनिता शर्मा, प्रो (डॉ) पंकज मित्तल, डॉ अशोक कुमार अग्रवाल, प्रो. दिनेश सिंह (पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. श्रीराम चौथाईवाले (राष्ट्रीय संयोजक, वैदिक गणित, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली) व डॉ. राकेश भाटिया तथाअन्य ने संबोधित किया।

एसआई भर्ती परीक्षा

नकल पर रहेगी कड़ी नजर, आधार कार्ड लाना जरूरी

लखनऊ। उप निरीक्षक नागरिक पुलिस व समकक्ष पदों की 14 और 15 मार्च को होने वाली भर्ती परीक्षा को नकलविहीन बनाने के लिए पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने सख्त तैयारी की है। शनिवार को बोर्ड ने सभी 75 जिलों के नोडल अधिकारियों और पर्यवेक्षकों के साथ बैठक कर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। अपर पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर सख्ती से निगरानी रखने को कहा गया है। अभ्यर्थियों की प्रवेश से पहले पूरी जांच होगी। गलत पहचान या किसी और की जगह परीक्षा देने की कोशिश करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभ्यर्थियों को केवल नीला या काला पेन, पहचान पत्र और प्रवेश पत्र के साथ ही प्रवेश मिलेगा। आधार कार्ड लाना भी जरूरी होगा। मोबाइल फोन, ब्लूटूथ डिवाइस या अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान लाने पर रोक रहेगी।

मौसम के अनुसार जारी होते हैं आदेश

यूपी में लाखों पुलिसकर्मियों की वर्दी को लेकर डीजीपी ऑफिस से आदेश जारी

एजेंसी ⏭ लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस में तैनात लाखों पुलिसकर्मियों की वर्दी को लेकर शनिवार को आदेश जारी हुआ है। पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि ऋतु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए 9 मार्च से यूपी पुलिस के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण दिन के समय ग्रीष्मकालीन वर्दी और रात के समय स्थानीय मौसम की स्थिति के अनुसार शीतकालीन वर्दी पहन सकते हैं। जबकि 22 मार्च से दिन और रात दोनों समय ग्रीष्मकालीन वर्दी पहनी जाएगी।

पुलिस महानिदेशक के जनरल स्टॉफ अफसर पुलिस महानिरीक्षक केएस इमैन्युअल के हस्ताक्षर से जारी आदेश में कहा गया है कि इस आदेश के क्रम में प्रदेश में संबंधित अधिकारियों द्वारा वर्दी परिवर्तन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे और निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाएगा। यूपी पुलिस की वर्दी को लेकर मौसम के अनुसार आदेश जारी किए जाते हैं। जाड़े के दिनों में पहले रात की ड्यूटी, फिर दिन-रात की ड्यूटी के दौरान गर्म वर्दी (शीतकालीन) पहनना अनिवार्य होता है।

वहीं गर्मी में मौसम को देखते हुए स्वास्थ्य, सुरक्षा को देखते हुए पुलिसकर्मियों के लिए ग्रीष्मकालीन वर्दी के आदेश जारी किए जाते हैं।

अमेठी पहुंचे अविमुक्तेश्वरानंद का ऐलान

11 मार्च लखनऊ से शुरू होगा गो हत्या के विरुद्ध 'धर्मयुद्ध'

एजेंसी ⏭ अमेठी

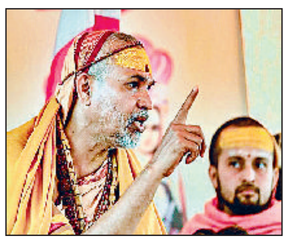

गौ हत्या के विरुद्ध यात्रा लेकर वाराणसी से निकले जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का गौरीगंज पहुंचने पर श्रद्धालुओं द्वारा स्वागत किया गया। उन्होंने ऐलान करते हुए कहा, 11 तारीख को यात्रा लखनऊ पहुंचेगी और उसी दिन गो हत्या के विरुद्ध धर्म युद्ध का शंखनाद किया जाएगा।

वार्ड संख्या-19 निवासी पूर्व प्रधान त्रिभुवन नाथ पांडे के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि गौ हत्या को अपराध घोषित करने के लिए यह यात्रा निकाली गई है। गो माता राष्ट्र माता बने ताकि देश का हर हिंदू यह कह सके कि हम उसे देश में रहते हैं जहां गो हत्या नहीं होती है। संत समाज और राजनीति के बीच कोई समस्या नहीं है संत समाज का कार्य अलग है और राजनीति का कार्य अलग है। समस्या वहां हो जाती है जब कोई वेश अलग धारण करता है और कार्य अलग करता है। यदि कोई राजनीतिक दल यह कहता है कि हमें वोट दीजिए और हम गो हत्या बंद करेंगे और बाद में वह ऐसा कार्य नहीं करता है तब समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति गेरुआ वस्त्र पहन कर स्वयं को विरक्त बताता है और बाद में सांसारिक कार्य करता है तो इससे समस्या होती है।

पेज एक का शेष

सैंटनर बोले- 140 ...

की कोशिश करते हैं। सेंटनर ने माना कि फाइनल में उनकी टीम फेवरेट नहीं मानी जा रही है, लेकिन इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं है।

संघर्ष, हिंसा के बीच...

पैदा करना था। अलग-अलग इलाकों में हमारी नियमित गश्त होती थी। जो सुबह तड़के के साथ-साथ देर रात तक चलती थीं। हम सामुदायिक नेताओं के पास जाते थे, उनसे बातचीत करते थे। धीरे-धीरे हमने महिलाओं, बच्चों से भी बात करना शुरू किया। इस पूरी कवायद से हमें असली जमीनी स्थिति का पता चलता था। फिर हम अपनी ग्राउंड रिपोर्ट यूएन में अपनी बटालियन के उच्च-अधिकारियों के पास भेजते थे। जिससे उन्हें अपने सैन्य मिशन के दौरान मदद मिलती थी। कई बार हमने मेडिकल कैंप, वेटनरी कैंप भी लगाए। क्योंकि वहां हिंसा के दौरान अक्सर महिलाओं के शारीरिक शोषण के मामले भी आते थे, ये कैंप लोगों को मदद करते थे।

अनुवादकों की मदद क्यों लेनी पड़ी?

⏩ दक्षिणी सूडान में साल के 12 महीने हिंसा के हालात रहते है, शांति कभी कभार की बात है। लेकिन फिर भी वहां रणनीतिक रूप से हमारे सामने ज्यादा चुनौती नहीं थी। क्योंकि हम वहां तैनात भारतीय सैन्य टुकड़ी का ही हिस्सा थे। सबसे ज्यादा समस्या वहां के लोगों से बातचीत करने में आती थी। क्योंकि वहां ज्यादातर जनजातियां रहती हैं और उनकी अपनी अलग-अलग भाषा और बोलियां होती हैं। जिसे वो बात करते हुए इस्तेमाल करते हैं। कई बार अरबी भाषा का प्रयोग होता था। लोगों का स्वभाव भी संकुचित था, आसानी से वो किसी के साथ घुलते-मिलते नहीं थे। तैनाती के दौरान मुझे और मेरी टीम को उनसे जुड़ने में एक से दो महीने का वक्त लगा था। फिर उनकी भाषा को समझने की चुनौती आई और हमने अनुवादकों की मदद ली। कुछ लोग अरबी भाषा में प्रशिक्षित थे, उनका इस्तेमाल कर हमने बातचीत के क्रम को आगे बढ़ाया।

यूएन की वर्दी का सुरक्षा से क्या नाता है?

⏩ संयुक्त राष्ट्र की वर्दी को उस देश में हर कोई जानता है। जब हम अपनी देश की सेना के साथ यूएन शांति सेना की वर्दी का समावेश कर आगे बढ़ते थे। तो वहां के लोग हमें देखकर सुरक्षित महसूस करते थे। हां, लेकिन समुदाय के लोग ज्यादातर पुरुष शुरुआत में हमें महिलाओं के साथ बातचीत नहीं करने देते थे। उन्हें कुछ हिचक थी। जिसे हमने अपनी भूमिका, भरोसे से दूर किया और उन्हें समझाया कि हमारा मकसद केवल उनकी समस्याओं को सुनकर हल निकालने का है। जिसके बाद वो तैयार हो गए।

आपको यूएन महासचिव ने किया था सम्मानित?

⏩ ये अवार्ड हर दो साल में दिया जाता है। इसके लिए हमसे मई 2025 में नॉमिनेशन मांगी गई थी। हम सामान्य सैनिकों के साथ महिला सैनिकों की संयुक्त गश्त से अभियान और नियमित गश्त में लगे हुए थे। इसलिए मैंने इसी विषय को आगे प्रस्तावित किया, अपनी सालाना गतिविधि उन्हें दिखाई। साथ में बताया, कैसे हमारी रणनीतिक तैनाती से समुदायों को लाभ हुआ है? नवंबर 2025 में यूएन में मतदान हुआ, जिसमें तमाम कर्मचारी, मिशन व संबंधित संगठनों के कर्मचारियों ने भाग लिया। करीब 4 टुकड़ियों का चयन हुआ था। जिसमें से अंत में मुझे और मेरी टीम को सबसे ज्यादा वोट मिले। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 2025 में जेंडर इंक्लूसिव कैटेगरी में यूएन सेकेट्री जनरल पुरस्कार से मुझे सम्मानित किया था।

सिपाहियों का अपमान हुआ तो ठीक नहीं होगा

सिंघम स्टाइल में पहुंचे सीओ ने किसान नेता की लगाई क्लास

एजेंसी ⏭ मेरठ

उत्तर प्रदेश के मेरठ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो सीओ किसान नेता को हड़काते नजर आ रहे हैं। दरअसल सेंट्रल मार्केट के व्यापारियों के मुद्दे पर कलक्ट्रेट में किसान और व्यापारी धरना रहे थे। इसी दौरान सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी पहुंच गए, जिनकी किसानों और व्यापारियों से जबरदस्त बहस हो गई। सीओ का उस वक्त धैर्य जवाब दे गया, जब किसान नेता ने नौचंदी थाने के एसएसआई से अभद्रता कर दी। सिंघम स्टाइल में पहुंचे सीओ ने किसान नेता की जमकर क्लास लगाई। यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है।

किसान मजदूर संगठन और व्यापारी शनिवार को कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करने पहुंचे थे। किसान और व्यापारी नौचंदी थाना पुलिस की कार्यशैली को लेकर आक्रोशित थे। शुक्रवार रात में करीब 1:30 बजे नौचंदी थाना पुलिस ने आवास विकास परिषद कार्यालय पर धरना देकर बैठी महिलाओं, व्यापारियों को जबरन हटा दिया था। कई लोगों को थाना ले गई।

कलेक्ट्रेट पर धरना दे रहे थे व्यापारी और किसान

इसे लेकर कलेक्ट्रेट में धरने पर व्यापारियों, किसानों ने आक्रोश जताया। किसान संगठन और व्यापारियों ने मेरठ कलेक्ट्रेट में धरना प्रदर्शन के दौरान नौचंदी थाने के एसएसआई को लेकर आक्रोश जताया। इस पर वहां मौजूद सीओ सिविल लाइन का पारा चढ़ गया और किसान नेता की क्लास लगा दी। कहा कि सभी का सम्मान है। किसी के सम्मान में कोई कमी नहीं है, लेकिन मेरा खड़ा एक सिपाही भी अगर अपमानित होगा तो ठीक नहीं होगा। सम्मान के साथ बात करनी है तो ठीक है, अन्यथा पांच मिनट का समय है आपके पास। यह कहकर सीओ वहां से पीछे हट गए।

मांगें नहीं मानीं तो 21 से अनशन करेंगे व्यापारी

वहीं दूसरी ओर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापारियों ने शुक्रवार को विद्युत विभाग की लंबित समस्याओं को लेकर मुख्य अभियंता जोन प्रथम व जोन द्वितीय के कार्यालय का घेराव किया। लोकेश अग्रवाल ने कहा कि गत 11 फरवरी व 13 फरवरी को दोनों कार्यालयों को विद्युत विभाग से जुड़ी व्यापारी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन दिया गया था। जिस पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है।

महिला दिवस : थोड़ा है, ज्यादा की जरूरत है

प्रमुख चेहरे

भारत में महिलाओं ने विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज महिलाएं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक निकायों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। भारत में व्यवसाय का परिदृश्य उन महिलाओं द्वारा तेजी से बदल रहा है जो लगभग 20% एमएसएमई और करीब 18% स्टार्टअप्स का नेतृत्व कर रही हैं। इन महिलाओं ने डीप-साइंस बायोटेक्नोलॉजी से लेकर डिजिटल-फर्स्ट ब्यूटी और फिनटेक जैसे कई क्षेत्रों में बड़ा बदलाव किया है।

कल्पना चावला
अंतरिक्ष में जाने वाली पहली भारतीय मूल की महिला, जिन्होंने 1997 और 2003 में नासा के अंतरिक्ष यान कोलंबिया में उड़ान भरी थी।

कल्पना सरोज
(कमानी ट्यूब्स) भारत की पहली महिला उद्यमियों में गिनी जाती हैं और उन्हें ओरिजिनल स्लमडॉग मिलियनेयर कहा जाता है।

किरन मजूमदार शॉ
1978 में सिर्फ 10,000 रुपये से एक गैरेज में बायोकॉन की स्थापना की। छोटे औद्योगिक एंजाइम व्यवसाय को वैश्विक बायोफार्मास्यूटिकल कंपनी में बदल दिया।

रोशनी नाडर
(एचसीएलटेक): 2020 में सूचीबद्ध भारतीय आईटी कंपनी की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला। 2024 तक 13.3 अरब डॉलर वार्षिक राजस्व वाली वैश्विक टेक कंपनी का नेतृत्व।

रितु करिधल श्रीवास्तव
इन्हें अक्सर रॉकेट वुमन ऑफ इंडिया कहा जाता है। उन्होंने मंगलयान के लिए उप-संचालन निदेशक और चंद्रयान-2 के लिए मिशन निदेशक के रूप में कार्य किया।

असीमा चटर्जी
भारतीय विश्वविद्यालय (1944) से डॉक्टर ऑफ साइंस प्राप्त करने वाली पहली महिला व कार्बनिक रसायन विज्ञान की अग्रणी वैज्ञानिक। उन्हें मलेरिया व मिर्गी रोधी दवाओं के विकास के लिए जाना जाता है।

भारत में महिलाओं ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है, इसके बावजूद उनके सामने अनेक चुनौतियां भी हैं

1 हिंसा और सुरक्षा संबंधी चिंताएं

सुरक्षा एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में लगातार वृद्धि देखी गई है। घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न और सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ जैसे मामले इनमें प्रमुख हैं। हिंसा के डर से महिलाओं की आवाजाही प्रतिबंधित होती है, जिससे उनकी शिक्षा और करियर के विकल्प प्रभावित होते हैं।

2 आर्थिक और कार्यस्थल की बाधाएं

आर्थिक भागीदारी के मामले में भारतीय महिलाएं अब भी पीछे हैं। भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर (एफएलएफपीआर) वैश्विक औसत की तुलना में काफी कम है। साथ ही महिलाएं दोहरा बोझ उठाती हैं। महिलाओं से उम्मीद की जाती है कि वे घर के काम और बच्चों की देखभाल भी संभालें, जिससे उन पर काम का दबाव बहुत बढ़ जाता है। वेतन में असमानता साफ दिखती है। समान काम के लिए महिलाओं को अक्सर पुरुषों की तुलना में कम वेतन मिलता है। हालांकि महिला श्रम बल भागीदारी दर (एफएलएफपीआर) में हाल के वर्षों में सुधार हुआ है, लेकिन इसका बड़ा हिस्सा ग्रामीण और स्व-रोजगार क्षेत्रों से आता है।

कुल भागीदारी : 2023-24 में यह बढ़कर 41.7% हो गई (जो 2017-18 में 23.3% थी)।
ग्रामीण बनाम शहरी : ग्रामीण क्षेत्रों में भागीदारी (47.6%) शहरी केंद्रों (25.4%) की तुलना में काफी अधिक है।
क्षेत्रवार दबदबा: कृषि: यह सबसे बड़ा नियोक्ता है, जहां 62.9% महिला श्रमिक कार्यरत हैं।
स्व-रोजगार: यह बढ़कर 67.4% हो गया है, जिसमें अक्सर बिना वेतन वाले पारिवारिक सहायक शामिल होते हैं।
नेतृत्व: कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 18.3% है।

3 सामाजिक-सांस्कृतिक चुनौतियां

पितृसत्तात्मक सोच आज भी महिलाओं की प्रगति में बाधा है। समाज में आज भी बेटों की चाहत के कारण लिंगानुपात में असंतुलन और कन्या भ्रूण हत्या जैसी समस्याएं मौजूद हैं। कानूनन अपराध होने के बावजूद, कई ग्रामीण क्षेत्रों में बाल विवाह और दहेज प्रथा आज भी जारी है।

4 राजनीतिक प्रतिनिधित्व की कमी

निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की उपस्थिति कम है। लोकसभा में महिलाओं की संख्या अभी भी केवल 14-15% के आसपास है। उच्च और सर्वोच्च न्यायालय में महिला न्यायाधीशों की संख्या बहुत कम है। पंचायती राज में आरक्षण के कारण जमीनी स्तर पर महिलाओं की भागीदारी मजबूत है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह वैश्विक औसत से कम है।

लोकसभा: 2024 के चुनावों में 74 महिलाएं चुनी गईं, जो सदन का 13.6% है।
राज्यसभा: महिलाओं के पास लगभग 13% से 17% सीटें हैं।
विधानसभाएं: महिला विधायकों का राष्ट्रीय औसत केवल 9% है।
स्थानीय शासन: पंचायतों में 14.5 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि हैं, जो कुल प्रतिनिधियों का लगभग 46% है।

विज्ञान

टेसी थॉमस: मिसाइल वुमन ऑफ इंडिया के रूप में जानी जाने वाली व रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में मिसाइल परियोजना (अग्नि-IV) का नेतृत्व करने वाली पहली महिला वैज्ञानिक थीं।

जानकी अम्माल: एक प्रसिद्ध वनस्पतिशास्त्री और पद्म श्री (1977) प्राप्त करने वाली पहली भारतीय वैज्ञानिक; उन्होंने आनुवंशिकी और विकासवाद में बड़ा योगदान दिया।

अन्ना मणि: एक भौतिक विज्ञानी और मौसम विज्ञानी, जो नोबेल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन के साथ काम करने वाली एकमात्र महिला थीं। उन्होंने सौर विकिरण और ओजोन माप में अग्रणी कार्य किया।

कमला सोहोनी: वैज्ञानिक विषय में पीएचडी प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला, उन्होंने एंजाइम 'साइटोक्रोम सी' की खोज की थी। नीरा (ताड़ के अर्क) के पोषण संबंधी लाभों पर शोध के लिए उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

एन. कलैसेल्वी: 2022 में वह वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की पहली महिला महानिदेशक बनीं। उन्होंने 125 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और उनके नाम 6 पेटेंट हैं।

अग्रणी बिजनेस लीडर्स

फाल्गुनी नायर (नायका)
एक पूर्व निवेश बैंकर, जिन्होंने 2012 में 50 वर्ष की उम्र में नायका की स्थापना की। 13 अरब डॉलर का साम्राज्य खड़ा किया जिसने भारत में ब्यूटी ई-कॉमर्स को बदल दिया। 2021 में कंपनी के आईपीओ के बाद वह भारत की सबसे धनी स्वयं-निर्मित महिला अरबपतियों में शामिल हो गईं।

गजल अलघ (मामाअर्थ)
2016 में टॉक्सिन-फ्री ब्यूटी ब्रांड मामाअर्थ की सह-संस्थापक। 2022 तक कंपनी को 1 अरब डॉलर से अधिक मूल्यांकन वाला यूनिकॉर्न बनाया। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (डी2सी) पर्सनल केयर ब्रांड्स में से एक स्थापित किया।

विनीता सिंह (सुगर कॉस्मेटिक्स)
23 साल की उम्र में 1 करोड़ रुपये की नौकरी का प्रस्ताव ठुकराकर 2015 में सुगर कॉस्मेटिक्स शुरू किया। आज यह ब्रांड 4,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्यांकन के साथ वैश्विक ब्यूटी कंपनियों को टक्कर दे रहा है। समावेशी और बोल्ड उत्पादों के साथ आधुनिक भारतीय ब्यूटी मानकों को नया रूप दिया।

उपासना टाकू (मोबीक्विक)
2009 में डिजिटल पेमेंट कंपनी मोबीक्विक की सह-संस्थापक। अरबों रुपये के लेनदेन संभालने वाला विश्वसनीय फिनटेक प्लेटफॉर्म विकसित किया। खासकर छोटे शहरों में लाखों लोगों के लिए डिजिटल भुगतान को आसान बनाया।

अंतरिक्ष अन्वेषण

मुथैया वनिता: इसरो की पहली महिला परियोजना निदेशक, जिन्होंने चंद्रयान-2 चंद्र मिशन का नेतृत्व किया। एक इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियर के रूप में, उन्होंने 30 से अधिक वर्षों तक इसरो में डेटा हैंडलिंग और हार्डवेयर विकास में काम किया है।

निगार शाजी: 2023 में लॉन्च किए गए भारत के पहले सौर मिशन, आदित्य-एल1 की परियोजना निदेशक। उन्होंने इस मिशन के लिए आठ वर्षों तक काम किया है, जिसका उद्देश्य सूर्य का अध्ययन करना है।

वी.आर. ललितांबिका: एक वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकियों की विशेषज्ञ, जिन्हें गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया गया था।

कल्पना कालाहस्ती: चंद्रयान-3 की एसोसिएट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, जिन्होंने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत की सफल लैंडिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला पहला देश बना।

अनुराधा टी.के.: इसरो में उपग्रह परियोजना निदेशक बनने वाली पहली महिला, जो संचार उपग्रहों में विशेषज्ञ हैं। 1982 में शामिल होने वाली सबसे वरिष्ठ महिला वैज्ञानिकों में से एक।

राज्यों में महिलाओं की भागीदारी

राज्यों में महिलाओं की भागीदारी के प्रदर्शन में एक स्पष्ट क्षेत्रीय विभाजन दिखाई देता है। सामान्यतः दक्षिण भारत और छोटे उत्तर-पूर्वी राज्य आगे हैं, जबकि कई उत्तरी और पूर्वी राज्यों में अभी भी उल्लेखनीय अंतर देखने को मिलता है।

महिला साक्षरता दर (राज्य-वार 2025-26)

राष्ट्रीय स्तर पर महिला साक्षरता दर लगभग 65.46% है। हालांकि, शीर्ष और निचले प्रदर्शन वाले राज्यों के बीच बड़ा अंतर है।

सबसे अधिक साक्षरता
मिजोरम : 97% से 98.2% (2025 में भारत का पहला पूर्ण साक्षर राज्य माना गया)।
केरल: 94% से 96.2%।
हिमाचल प्रदेश : लगभग 91.9% से 99.3%।
त्रिपुरा: लगभग 92.9%।

सबसे कम साक्षरता
राजस्थान : 65.8%।
बिहार: 66.1% से 74.3%।
आंध्र प्रदेश : 72.6%।

महिला श्रमबल भागीदारी दर

सबसे अधिक
सिक्किम: 66.8%
अरुणाचल प्रदेश: 62.4%
हिमाचल प्रदेश: 62.3%।
छत्तीसगढ़: 58.1%।

सबसे कम : दिल्ली: 18.3% (दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी दर दुनिया में सबसे कम दरों में से एक है)। हरियाणा: 23.6%, पंजाब: 28.9%, उत्तर प्रदेश: 29.6%।

लैंगिक समानता और समावेशन रैंकिंग (2025-26)

कामकाजी महिलाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ शहर : बेंगलुरु ने 2025 में औद्योगिक समावेशन के मामले में पहला स्थान बरकरार रखा, इसके बाद चेन्नई, पुणे और हैदराबाद हैं।

समान वेतन : नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए महिला-पुरुष वेतन अनुपात लगभग 1:1 होने के कारण दिल्ली इस श्रेणी में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला क्षेत्र है, भले ही कुल भागीदारी कम हो।

सामाजिक समावेशन : सुरक्षा, सार्वजनिक सेवाओं और महिलाओं की आवाजाही जैसे सामाजिक संकेतकों में चेन्नई अग्रणी है। भारत में महिलाओं ने विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज महिलाएं भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अन्य प्रमुख वैज्ञानिक निकायों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

5 स्वास्थ्य-शिक्षा में अंतर

भारत में 15-49 वर्ष की लगभग 60% महिलाएं एनीमिया (खून की कमी) से पीड़ित हैं। पुरुषों की तुलना में बहुत कम महिलाओं के पास इंटरनेट या स्मार्टफोन तक पहुंच है, जो उन्हें डिजिटल अर्थव्यवस्था से दूर रखता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी में एक विरोधाभास दिखता है। उनका शिक्षा में नामांकन तो ऐतिहासिक स्तर पर है, लेकिन पेशेवर व राजनीतिक क्षेत्र में संख्या अभी भी कम है।

स्टेम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित) : भारत में स्टेम स्नातकों की दर दुनिया में सबसे अधिक है, लेकिन नौकरी में बने रहना एक चुनौती है। स्टेम स्नातकों में महिलाओं की संख्या 43% है, जो दुनिया में अग्रणी आंकड़ों में से एक है। लेकिन, वास्तविक स्टेम वर्कफोर्स में केवल 27% ही महिलाएं हैं। अनुसंधान और विकास की गतिविधियों में महिलाओं की 18.6% महिलाएं शामिल हैं।

तकनीकी नेतृत्व : महिलाएं 40% की दर से टेक क्षेत्र में प्रवेश करती हैं, लेकिन वरिष्ठ प्रबंधक स्तर तक पहुंचते-पहुंचते यह संख्या 18.1% रह जाती है।
उच्च शिक्षा: 2021-22 में उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन 2.07 करोड़ तक पहुंच गया, जो कुल नामांकन का लगभग 50% है।

'आधी आबादी' को मिलना चाहिए उसका पूरा हक

समानता
अर्चना कुमारी
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में महिलाएं देश की आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। यूं तो यह आधी आबादी कभी शोषण तो कभी अत्याचार के मामलों को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। हालांकि जब भी हम महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिए सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद ज़रूरी है। यह भी किसी से छिपा नहीं है कि देश में आधी आबादी राजनीति में अभी भी हाशिये पर है। ये स्थिति तब है, जबकि जितनी भी महिलाओं को राजनीति के निचले पायदान से ऊपरी पायदान तक जितना भी और जब भी मौका मिला, उन्होंने अपनी योग्यता और क्षमताओं का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह सवाल भी उठना स्वाभाविक है कि आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है? वह भी तब, जब हम इस वर्ग को 'आधी आबादी' का संबोधन देते हैं। यह बात सही है कि स्त्री शक्ति ने देश-दुनिया में समय-समय पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लेकिन महिलाओं को कमतर होने का अहसास दिलाने की पुरुष वर्ग की मानसिकता आज भी स्त्रियों को उनके हकों से वंचित कर रही है। नारी सशक्तीकरण की बातें कागजी योजनाओं में काफी अच्छी लगती हैं पर धरातल पर अभी काफी कुछ होना बाकी है। खास तौर से आधी आबादी को लोकतांत्रिक व्यवस्था में बराबरी का हक देने को लेकर। यह विडम्बना ही है कि विधायिकाओं में 50 फीसदी नहीं, बल्कि महज 33 फीसदी आरक्षण की सालों से चल रही मांग आज तक अधूरी ही है। पंचायत और स्थानीय निकाय स्तर पर आरक्षण से महिलाओं को मौका जरूर मिला लेकिन यहां भी कितना सशक्तीकरण नारी शक्ति का हो पाया है यह किसी से छिपा नहीं है। शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वावलंबी, ऊंचे पदों पर बैठी महिलाओं के विपरीत लैंगिक भेदभाव की उस तस्वीर को भी देखना होगा जहां महिलाओं को यह तक पता नहीं कि कानून ने किन-किन क्षेत्रों में उनको कितना संरक्षित कर रखा है।वहीं संसद में भी पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। वर्ष 2024 के संसदीय चुनावों के बाद महिला सांसदों का प्रतिनिधित्व मात्र 14 प्रतिशत ही है - इसीलिए उनके दायित्व और प्रतिनिधित्व का भार, निर्वाचित पुरुष सांसदों से कहीं अधिक हैं। भारत की मौजूदा जनसंख्या के अनुसार, लोकसभा में एक निर्वाचित सांसद औसतन 26 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, वहीं एक निर्वाचित महिला सांसद औसतन 92 लाख महिलाओं का प्रतिनिधित्व करतीं हैं। ऐसे में निर्वाचित महिला सांसदों का राजनैतिक दायित्व भी कहीं अधिक है। जाहिर है महिला अधिकारों और महिलाओं के राजनैतिक प्रतिनिधित्व के राजनैतिक दावों और उसकी वास्तविकता के मध्य एक गहरा राजनैतिक विरोधाभास और राजनैतिक दलों का दोगलापन है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि डॉ. आंबेडकर महिलाओं की उन्नति के प्रबल पक्षधर थे। उनका मानना था कि किसी भी समाज का मूल्यांकन इस बात से किया जाता है कि उसमें महिलाओं की क्या स्थिति है? दुनिया की लगभग आधी आबादी महिलाओं की है, इसलिए जब तक उनका समुचित विकास नहीं होता कोई भी देश चहुंमुखी विकास नहीं कर सकता। डॉ. आंबेडकर का मानना था कि सही मायने में प्रजातंत्र तब आएगा जब महिलाओं को पैतृक संपत्ति में बराबरी का हिस्सा मिलेगा और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार दिए जाएंगे। उनका दृढ़ विश्वास कि महिलाओं की उन्नति तभी संभव होगी जब उन्हें घर परिवार और समाज में बराबरी का दर्जा मिलेगा। शिक्षा और आर्थिक तरक्की उन्हें सामाजिक बराबरी दिलाने में मदद करेगी। लेकिन ये सच है कि पितृसत्तात्मक मानदंडों और परम्परागत मानसिकता के चलते ऐतिहासिक रूप से भारत में महिलाओं को हाशिए पर रखा गया। आजादी के बाद भारत के संविधान ने ये व्यवस्था दी कि राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में पुरुषों एवं महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया जाएगा, लेकिन भारत में अधिकांश राज्य विधानसभाओं में महिला सदस्यों के प्रतिनिधित्व का परिदृश्य आज भी निराशाजनक है। वास्तव में भारत की आधी आबादी का एक बहुत बड़ा भाग अभी भी अपने मूलभूत अधिकारों से वंचित है।

> *आजादी के 75 सालों में लैंगिक समानता की दिशा में हासिल की गई उपलब्धियां आखिर गिनती की ही क्यों रह गई हैं? आखिर सामाजिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक असमानता क्यों बरकरार है?*

नारी : सदियों से संघर्ष और आज भी चुनौती बरकरार

अराजकता
मुनीष भाटिया
स्वतंत्र पत्रकार

ईमानव सभ्यता के लंबे इतिहास पर दृष्टि डालें तो एक कटु सत्य बार-बार सामने आता है कि नारी को अनेक बार समाज और युद्ध की राजनीति में एक कमजोर कड़ी मान लिया गया। शत्रु देशों और दुष्ट प्रवृत्तियों ने अक्सर नारी की अस्मिता पर आघात को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इतिहास के अनेक पन्नों में यह दर्दनाक सच्चाई दर्ज है कि युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उनका सबसे क्रूर प्रभाव स्त्रियों के जीवन पर भी पड़ा।

कभी शत्रु सेनाओं के हाथों, तो कभी सामाजिक परिस्थितियों के कारण नारी को अपमान और शोषण का सामना करना पड़ा। स्त्रियों को अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए असाधारण साहस दिखाना पड़ा। जब आक्रमणकारियों की क्रूरता अपनी सीमा पार कर जाती थी, तब भारत की वीरांगनाओं ने जौहर जैसे कठोर और दर्दनाक निर्णय भी लिए। यह केवल एक घटना नहीं थी, बल्कि उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों की भयावहता का प्रतीक थी। जौहर के पीछे एक ही भावना थी—अपनी गरिमा और सम्मान की रक्षा। दरअसल, युद्ध की मानसिकता में अक्सर यह सोच काम करती रही कि यदि किसी समाज की महिलाओं को अपमानित किया जाए तो उस समाज की आत्मा को चोट पहुंचाई जा सकती है। इसी कारण कई बार नारी को विजय के प्रतीक के रूप में देखा गया और उसे लूट का हिस्सा बना दिया गया। यह प्रवृत्ति मानवता के लिए एक कलंक रही है, जिसने सभ्यता की प्रगति पर भी प्रश्नचिह्न लगाए हैं। समय के साथ समाज में परिवर्तन आया, शिक्षा का प्रसार हुआ और महिलाओं की स्थिति भी काफी हद तक मजबूत हुई। आज महिला शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, खेल और सेना जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। वे केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार बन चुकी हैं। इसके बावजूद कुछ चुनौतियां ऐसी हैं जो नए रूप में सामने आती रहती हैं। आज के युग में युद्ध का स्वरूप बदल गया है। पहले युद्ध तलवारों और सेनाओं से लड़े जाते थे, लेकिन आज कई बार यह युद्ध मानसिक और भावनात्मक स्तर पर लड़े जा रहे हैं। आधुनिक समय में भी नारी को कमजोर समझ कर उसे भावनात्मक जाल में फंसाने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कई बार झूठे प्रेम, छल या किसी छिपी हुई मंशा के माध्यम से महिलाओं को भ्रमित किया जाता है। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ ऐसे मामलों में और भी जटिलता आ गई है। दुखद तथ्य यह है कि इस प्रकार के छलावे का शिकार केवल अशिक्षित महिलाएं ही नहीं, बल्कि कई बार पढ़ी-लिखी और जागरूक महिलाएं भी हो जाती हैं। इसका कारण केवल भावनात्मक संवेदनशीलता नहीं, बल्कि समाज में बढ़ती कृत्रिमता और विश्वास की कमी भी है। जब कोई व्यक्ति झूठे प्रेम या सहानुभूति का जाल बुनता है, तो कई बार सच्चाई को पहचानना कठिन हो जाता है। इस स्थिति से निपटने के लिए केवल कानून ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि सामाजिक जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। परिवार और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं को न केवल शिक्षा मिले, बल्कि उन्हें जीवन के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में भी जागरूक किया जाए। आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और विवेक की भावना ही उन्हें ऐसे छलावे से बचा सकती है। समाज में छिपे उन भेड़ियों को पहचानना भी जरूरी है जो सभ्यता और संवेदनशीलता का मुखौटा पहनकर अपने स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ सामाजिक स्तर पर स्पष्ट और दृढ़ संदेश देना होगा कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। नारी को केवल भावुकता का प्रतीक मानना भी एक बड़ी भूल है।

भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति का स्वरूप माना गया है। वह केवल स्नेह और करुणा की प्रतिमूर्ति नहीं, बल्कि साहस, धैर्य और संघर्ष की भी मिसाल है। इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई जैसी वीरांगनाओं से लेकर आधुनिक समय की अनेक सफल महिलाओं तक, नारी ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध की है, इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि नारी को कमजोर समझने की मानसिकता को पूरी तरह बदला जाए। समाज को यह समझना होगा कि नारी केवल संरक्षण की पात्र नहीं, बल्कि समान अधिकार और सम्मान की अधिकारी है। जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, तब तक वास्तविक समानता और सुरक्षा की भावना स्थापित नहीं हो सकेगी। साथ ही महिलाओं को भी आत्मनिर्भर और आत्म सजग बनने की आवश्यकता है।

> **जब तक समाज की सोच में परिवर्तन नहीं आएगा, तब तक महिलाओं के प्रति वास्तविक समानता और सुरक्षा की भावना स्थापित नहीं हो सकेगी।**

महिला किसान: अनदेखी ना रहे अन्नपूर्णा की भागीदारी

सशक्तीकरण
डॉ. मोनिका शर्मा
स्वतंत्र स्तंभकार

दुनियाभर में स्त्रियों के लिए सम्मान, समानता और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर जन-जागरूकता लाने का विशेष दिन है। आधी आबादी की बेहतरी हेतु सजगता लाने और भेदभाव को लेकर सवाल उठाने का परिवेश बनाना इस वैश्विक आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। हालांकि हर देश, हर समाज में महिलाओं की समस्याएं अलग होती हैं पर बीते कुछ वर्षों में दुनिया के हर हिस्से में ही स्त्रियों की भागीदारी को समझने और लैंगिक समानता लाने का भाव बढ़ा है। भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो स्त्रियों की आर्थिक, सामाजिक और पारिवारिक भागीदारी को आँकने की सोच को बहुत बल मिला है। कामकाजी और शिक्षित स्त्रियों के बढ़ते आंकड़े आधी आबादी की बढ़ती भूमिका को स्पष्ट रूप से रेखांकित करते हैं। महिला दिवस पर विज्ञान से लेकर तकनीक और समाज से लेकर सैन्य बलों तक, अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करवाती स्त्रियों के प्रेरणादायी चेहरे सामने आते हैं। वर्कफोर्स का हिस्सा बनी इन महिलाओं की समस्याओं पर चिंतन किया जाता है। उनकी उपलब्धियों की चर्चा होती है। भविष्य से जुड़े सकारात्मक बदलावों का धरातल बनाने को लेकर सोचा जाता है।

विचारणीय है कि महानगरों में बड़े आयोजनों तक सिमट जाने वाले महिला दिवस से जुड़े विमर्श में महिला किसान आज भी नदारद हैं। पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्न उपजाने और पशुधन को पालने तक, अनगिनत कामों में लगीं स्त्रियों की यह श्रमशील भूमिका आज भी वैचारिक बहसों का हिस्सा नहीं बन सकी है। जबकि कृषि क्षेत्र से सबसे ज्यादा महिलाएं ही जुड़ी हैं। कृषि कार्यों जैसे बुवाई, कटाई, निराई, खेत की सफ़ाई, कटाई, सिंचाई, उपज की सफ़ाई और भंडारण जैसे काम अधिकतर महिला किसान ही करती हैं। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार खेती-किसानी में पुरुषों की भागीदारी 36.3 प्रतिशत और महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 64.4 प्रतिशत थी । खेती से जुड़े अन्य कार्यों को भी जोड़ लिया जाए तो पशु पालन, मधुमक्खी पालन, मछली पालन, वर्मीकम्पोस्ट, उत्पादन, मशरूम की खेती और फल-सब्जी प्रसंस्करण जैसे कार्यों में 73 फीसदी से अधिक योगदान महिलाओं का ही है। स्पष्ट है कि हमारे देश में कृषि क्षेत्र बहुत हद तक स्त्रियों के श्रम पर ही निर्भर है। बावजूद इसके अन्नपूर्णा कही जाने वाली महिला किसानों को अस्थायी श्रमिक मानकर अनदेखा किया जाता है। आज भी खेती-किसानी में महिला श्रमिकों को पुरुष कामगारों समान वेतन नहीं मिलता। घर की खेती संभालने वाली महिलाओं के काम का तो कोई मौद्रिक मूल्यांकन ही नहीं होता।

इतना ही नहीं, खेती-किसानी से जुड़ीं ग्रामीण महिलाओं में केवल 13 प्रतिशत के पास अपनी भूमि का स्वामित्व है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संगठन, जेंडर इम्पैक्ट प्लेटफॉर्म और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित वैश्विक सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी कृषि से जुड़ी महिलाओं के योगदान पर बात करते हुए उनके पीछे छूट जाने का विषय उठा चुकी हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा था कि महिलाओं को कृषि ढांचे के 'पिरामिड' में सबसे नीचे रखा जाता है ।

चिंतनीय है कि बात चाहे भूमि स्वामित्व की हो या स्वास्थ्य समस्याओं की। सुरक्षा की हो या सम्मान की, अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले कृषि क्षेत्र में लगीं महिला कृषकों से जुड़े विषय विचार-विमर्श का विषय नहीं हैं। विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी के आंकड़ों में भी महिला कृषकों का जिक्र कम ही होता है। सुखद है कि अब खुद महिला किसान स्वयं सहायता समूहों और सहकारी समितियों के माध्यम से संगठित एवं जागरुक हो रही हैं। जैविक खेती, तकनीकी का उपयोग या उत्पादकता बढ़ाने वाले नवाचार, महिला किसानों को सजग-सशक्त बना रहे हैं। ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र ने भी वर्ष 2026 को महिला किसान के अंतरराष्ट्रीय वर्ष के रूप में नामित किया है।

इसका उद्देश्य भी उत्पादन से लेकर व्यापार तक कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका और हासिल किए जा रहे उन लक्ष्यों को सामने लाना है, जिन्हें आमतौर पर मान्यता नहीं मिलती। असल में महिला किसानों की हिस्सेदारी को मान दिए बिना उनका सशक्तीकरण संभव नहीं। उनकी भागीदारी को आंके बिना सामाजिक-पारिवारिक उलझनों और लैंगिक भेदभाव के दंश को नहीं समझना मुश्किल है। उनके श्रम को मान्यता दिए बिना मानसिक-भावनात्मक अनुभूतियों का विमर्श का हिस्सा बनना कठिन है।स्पष्ट है कि कृषि क्षेत्र का प्रमुख कार्यबल बनी इन स्त्रियों को सशक्त बनाने के प्रयास भी आवश्यक हैं।

> **पर्यावरण संरक्षण से लेकर अन्न उपजाने और पशुधन को पालने तक, के कामों में लगीं स्त्रियों की यह श्रमशील भूमिका आज भी वैचारिक बहसों का हिस्सा नहीं बन सकी है।**

अब सीधे राष्ट्रपति ने सीएम ममता से जताई नाराजगी

मैं बंगाल की बेटी, ममता ने यहां आने से रोका

राष्ट्रपति 9वीं अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने बंगाल के दार्जिलिंग पहुंचीं

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग पहुंचीं। इसके बाद द्रौपदी मुर्मू सिलीगुड़ी उपमंडल के बिधाननगर पहुंचीं. जहां उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के प्रति अपनी नाराजगी जताई। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें मेरे कार्यक्रम में साथ होना चाहिए था। मैं बंगाल की बेटी हूं, फिर भी मुझे यहां आने की अनुमति नहीं है। ममता मेरी छोटी बहन जैसी हैं, पता नहीं, शायद वह मुझसे नाराज हैं। इसीलिए मुझे कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गोशाईपुर जाना पड़ा। राष्ट्रपति को सिलीगुड़ी के बिधाननगर उपमंडल में कार्यक्रम को संबोधित करना था, लेकिन पुलिस ने अनुमति नहीं दी।वे मूल स्थल पर गईं और कहा कि आदिवासियों को रोका गया।

ममता सरकार के बर्ताव से राष्ट्रपति खफा, प्रोटोकॉल टूटा

उन्होंने राज्य की ममता का नाम लेकर गुस्सा जाहिर किया क्योंकि नॉर्थ बंगाल में इंटरनेशनल आदिवासी कॉन्क्लेव के लिए परमिशन नहीं दी गई, जहां राष्ट्रपति चीफ गेस्ट थीं। उन्होंने कहा कि संथालों को वेन्यू तक पहुंचने से रोक दिया गया था। बंगाल सरकार ने प्रोटोकॉल फॉलो नहीं किया और प्रदेश सरकार के किसी भी रिप्रेजेंटेटिव ने राष्ट्रपति को रिसीव नहीं किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू

संथाल समुदाय को सराहा

राष्ट्रपति ने कहा यह संथाल समुदाय के लिए गर्व की बात है हमारे पूर्वज तिलका मांझी ने करीब 240 साल पहले शोषण के खिलाफ बगावत का झंडा उठाया था। संथाल समुदाय के इतिहास में हमेशा याद रखा जाएगा। संथाल भाषा को भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। राष्ट्रपति ने कहा उन्होंने संथाल समुदाय में साहित्य और सामाजिक चेतना की रोशनी फैलाई।

शिक्षा, स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी

राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सशक्तीकरण पर ध्यान देना जरूरी है। आदिवासी युवाओं को शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के जरिए आगे बढ़ना चाहिए। हमें अपनी भाषा और संस्कृति को बचाने, शिक्षा को प्राथमिकता देने और समाज में एकता भाईचारा का संकल्प लेना चाहिए।

उत्तराखंड में शाह ने फिर दोहराया

केदारनाथ से कन्याकुमारी तक घुसपैठियों को चुनकर हटाएंगे

- 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

एजेंसी ▶▶ हरिद्वार

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड में 1129.91 करोड़ की 39 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान 2027 में होने वाले चुनाव का अभी ही बिगुल फूंक दिया है।

शाह ने हरिद्वार में जनता से आह्वान किया कि वह तीसरी बार उत्तराखंड में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएं। उत्तराखंड की आवाज इतनी जोर की होनी चाहिए कि वो दिल्ली तक सुनाई दे। शाह ने धामी सरकार के 4 साल के कामों की प्रदर्शनी देखी। शाह ने उत्तराखंड में पिछले 9 सालों से भाजपा सरकार के कामों की जमकर तारीफ की और कांग्रेस पर तुष्टिकरण-भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। लोगों से तीसरी बार सरकार के लिए संकल्प लिया।

शाह ने विधानसभा चुनाव में पार्टी की बंपर जीत का ऐलान भी किया। उन्होंने कहा कि बंगाल और तमिलनाडु में भाजपा-एनडीए की सरकार बनेगी। शाह ने भरोसा जताते हुए कहा कि पार्टी दोनों राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। उत्तराखंड में 2027 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तराखंड में भाजपा हैट्रिक बनाएगी।

पीएम मोदी ने कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का किया शिलान्यास

आधुनिक एयरपोर्ट बनने से क्षेत्रीय विकास को मिलेगी दिशा, यात्रा होगी सुगम,व्यापार बढ़ेगा

शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित किया

एजेंसी ▶▶ कोटा

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के शिलान्यास समारोह को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि शनिवार का दिन कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ सहित पूरे हड़ौती क्षेत्र के लिए एक नई आशा और नई उपलब्धि का दिन है। पीएम मोदी ने कहा कि करीब डेढ़ हजार करोड़ रकी लागत से बनने जा रहा ये आधुनिक एयरपोर्ट आने वाले समय में पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति देने वाला है। मैं लोगों को एयरपोर्ट के शिलान्यास पर बहुत शुभकामनाएं देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है कि नवंबर 2023 में जब मैं कोटा आया था, तब मैंने जनता से एक वादा किया था। मैंने कहा था कि कोटा का एयरपोर्ट सिर्फ एक सपना बनकर नहीं रहेगा, बल्कि उसे साकार करके दिखाया जाएगा। आज मुझे प्रसन्नता है कि एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। अब तक कोटा के लोगों को जयपुर या जोधपुर जाकर फ्लाइट पकड़नी पड़ती थी। इसमें काफी समय भी लगता था और असुविधा भी होती थी। अब आसपास के पूरे इलाके में यात्रा भी आसान होगी और व्यापार भी तेजी से बढ़ेगा।

कोटा एयरपोर्ट के निर्माण का काम शुरू

कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का केंद्र बनी

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी

कोटा ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र

पीएम मोदी ने कहा कि कोटा केवल शिक्षा का ही नहीं, बल्कि ऊर्जा का भी एक बड़ा केंद्र है। कोटा वह अनूठा क्षेत्र है, जहां न्यूक्लियर हो, कोयला आधारित हो, गैस और पानी हो, ऊर्जा के सभी स्रोतों से बिजली का उत्पादन होता है। कोटा और हाड़ौती की ये धरती उद्यम और आस्था का भी बड़ा केंद्र है।

कृषि आधारित उद्योग के लिए ये बड़ा केंद्र होगा

पीएम मोदी ने कहा कि अब दिल्ली, वड़ोदरा और मुंबई जैसे बड़े शहरों की दूरी महज कुछ घंटों की रह गई है। बेहतर सड़क और रेल कनेक्टिविटी के कारण यहां नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं। विशेष रूप से कृषि आधारित उद्योग के लिए ये क्षेत्र एक बड़ा केंद्र बनेगा। रेल और सड़क के बाद हवाई कनेक्टिविटी के ये नया अध्याय कोटा के विकास को और गति देगा। कोटा एयरपोर्ट पूरे हाड़ौती क्षेत्र और आसपास के जिलों के लिए प्रगति के नए अवसर लेकर आएगा।

चेन्नई में नारियल किसानों के बीच पहुंचे चौहान, किया सीधा संवाद

'नारियल प्रमोशन स्कीम' केवल दिल्ली में बैठकर नहीं, किसानों के बीच चर्चा से ही बनेगी: शिवराज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

चेन्नई के आईआईटी मद्रास परिसर में शनिवार को नारियल किसानों और हितधारकों के साथ संवाद के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ किया कि बजट 202627 में घोषित 'नारियल प्रमोशन स्कीम' केवल दिल्ली के दफ्तरों में बैठकर नहीं, बल्कि तमिलनाडु से असम तक खेतों में काम कर रहे किसानों के सुझावों के आधार पर बनेगी। चौहान ने कहा कि तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, कर्नाटक, उड़ीसा, असम, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी जैसे नारियल उत्पादक राज्यों में किसान लंबे समय से उत्पादन, रोग, कीमत और वैल्यूएडिशन की समस्याएं उठा रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की किसानहितैषी सोच और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बजट घोषणा के तहत अब इन समस्याओं के समग्र समाधान के लिए 'नारियल प्रमोशन स्कीम' लाई जा रही है, जिसका उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाना, लागत घटाना और किसानों की आय में स्पष्ट बढ़ोतरी करना है।

अखंड भारत की सजीव झलक दिखी

उन्होंने कहा कि इस योजना का मूल सिद्धांत है– किसानों के बीच जाकर, उनकी भाषा में उनकी बात सुनकर नीति बनाना। उन्होंने उल्लेख किया कि इस कंसल्टेशन में तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम सहित कई भाषाओं में किसान बोले, इंटरप्रिटर ने अनुवाद किया और पूरा हॉल एक 'लघु भारत' की तरह दिख रहा था, जहां विविध भाषाओं के बीच भी किसानों की चिंता और आकांक्षा एक ही थी। इसे अखंड भारत की सजीव झलक बताया।

किसानों, स्टेकहोल्डर्स ने रखी मांगें

सिंह ने बताया कि किसानों और स्टेकहोल्डर्स से मिले प्रमुख सुझावों में रोगप्रतिरोधी किस्मों का विकास, क्लस्टरआधारित खेती, एफपीओ और कोऑपरेटिव मॉडल को मजबूत करना, नारियल तुड़ाई से लेकर गिरी निकालने तक मशीनीकरण को बढ़ावा देना और वाइटफ्लाई जैसी बीमारियों के लिए केमिकल के बजाय जैविक नियंत्रण की दिशा में बढ़ना शामिल रहा। किसानों ने नारियलआधारित इंटीग्रेटेड फार्मिंग, कोको, काली मिर्च, डेयरी और मत्स्यपालन को जोड़कर मल्टीइनकम मॉडल बनाने और नारियल के हर हिस्से से वैल्यूएडिशन (तेल, कोयर, कार्बन आदि) बढ़ाने की मांग भी रखी।

तमिलनाडु में गरीबों के 2 लाख मकान लंबित

पत्रकारों ने तमिलनाडु में प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा के क्रियान्वयन पर भी सवाल उठाए। इस पर सिंह ने कहा कि केंद्र की अपेक्षा स्पष्ट है- प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृत मकानों को समय पर मंजूरी और निर्माण मिलना चाहिए ताकि कोई भी गरीब बिना पक्के मकान के न रहे। तमिलनाडु में 202425 में स्वीकृत होने वाले लगभग 2लाख मकानों के प्रस्ताव लंबित हैं। सर्वे प्रक्रिया देशभर में पूरी हो चुकी है। इसलिए तमिलनाडु में भी इसे शीघ्र आगे बढ़ाया जाना चाहिए। यहां की स्टेट गवर्नमेंट स्वीकृत नहीं कर रही है। गरीबों को घरों से क्यों वंचित कर रहे हो?

30 से पहले समझ लें पैसे का खेल, वरना बाद में होगी मुश्किल!

कम उम्र में अपनाएं ये नियम, बनें आर्थिक रूप से मजबूत, निवेश की सही समय पर शुरुआत ही बनाती है अमीर

बिजनेस डेस्क

कम उम्र सपनों, करियर और नई शुरुआत का समय होती है। पहली नौकरी, पहली सैलरी और अपने फैसले लेने की आजादी — ये सब उत्साह से भरे होते हैं। लेकिन इसी दौर में पैसों को लेकर की गई छोटी-छोटी गलतियां आगे चलकर बड़ा वित्तीय बोझ बन सकती हैं। अक्सर युवा कमाई शुरू करते ही लाइफस्टाइल अपग्रेड कर लेते हैं, लेकिन बचत और निवेश को टालते रहते हैं। नतीजा यह होता है कि 30 की उम्र पार करते-करते जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, मगर मजबूत फाइनेंशियल बेस नहीं बन पाता। अगर आप 30 की उम्र से पहले कुछ बुनियादी और असरदार वित्तीय नियम समझ लें, तो भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त बनाया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे 5 जरूरी फाइनेंस रूल्स, जिन्हें हर युवा को अपनाना चाहिए।

1. 50/30/20 रूल: कमाई का सही बंटवारा

यह नियम बजट बनाने का सबसे आसान और कारगर तरीका माना जाता है। इसके अनुसार 50% आय जरूरी खर्चों पर (किराया, राशन, बिजली-पानी, बिल, ईएमआई), 30% आय इच्छाओं पर (घूमना-फिरना, मूवी, शॉपिंग, गैजेट्स) और 20% आय बचत या निवेश में लगानी चाहिए। अगर शुरुआत से ही इस फॉर्मूले को अपनाया जाए, तो खर्च नियंत्रण में रहता है और निवेश की आदत भी बनती है। कई युवा पूरी सैलरी खर्च कर देते हैं और महीने के अंत में बचत शून्य रह जाती है। 50/30/20 रूल आपको अनुशासन सिखाता है और "पहले बचत, फिर खर्च" की सोच विकसित करता है।

2. 20/4/10 कार रूल: गाड़ी का सपना

नई कार खरीदना लगभग हर युवा का सपना होता है। लेकिन कार लोन अक्सर लंबे समय तक वित्तीय दबाव बना देता है। ऐसे में 20/4/10 रूल बहुत काम आता है। कम से कम 20% डाउन पेमेंट करें, लोन की अवधि 4 साल से ज्यादा न रखें। आपकी मासिक आय का 10% से ज्यादा ईएमआई और कार खर्च पर न जाएं। इस नियम का मकसद यह है कि गाड़ी आपके लिए सुविधा बने, बोझ नहीं। लंबी अवधि का लोन लेने से ब्याज ज्यादा चुकाना पड़ता है और अन्य निवेश के अवसर छूट सकते हैं।

3. रूल ऑफ 72: कंपाउंडिंग की ताकत समझें

निवेश की दुनिया में "कंपाउंडिंग" सबसे बड़ा हथियार है। रूल ऑफ 72 आपको यह समझने में मदद करता है कि आपका पैसा कितने समय में दोगुना होगा। फॉर्मूला है: 72 ÷ ब्याज दर = पैसा डबल होने का समय (सालों में)। उदाहरण के लिए, अगर आपको 12% सालाना रिटर्न मिल रहा है तो 72 ÷ 12 = 6 साल यानी आपका निवेश लगभग 6 साल में दोगुना हो सकता है। यह नियम आपको जल्दी निवेश शुरू करने की प्रेरणा देता है। जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, कंपाउंडिंग का फायदा उतना ज्यादा मिलेगा।

4. 3–6 महीने का इमरजेंसी फंड : सुरक्षा कवच

जिंदगी अनिश्चितताओं से भरी है। अचानक नौकरी छूट जाए, मेडिकल इमरजेंसी आ जाए या कोई पारिवारिक संकट आ जाए। ऐसे समय में कर्ज लेने की नौबत न आए, इसके लिए इमरजेंसी फंड जरूरी है। आपको कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर रकम अलग से बचाकर रखनी चाहिए। यह रकम सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड जैसे सुरक्षित और आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों में होनी चाहिए। इमरजेंसी फंड आपको मानसिक शांति देता है और निवेश को बीच में तोड़ने से बचाता है।

5. रूल ऑफ 100: उम्र के अनुसार निवेश

निवेश में रिस्क और रिटर्न का संतुलन बेहद जरूरी है। रूल ऑफ 100 एक आसान फॉर्मूला देता है। 100 – आपकी उम्र = इक्विटी में निवेश का प्रतिशत। अगर आपकी उम्र 25 साल है। 100–25 = 75 यानी 75% निवेश शेयर बाजार या इक्विटी में और 25% सुरक्षित साधनों (**FD**, बॉन्ड आदि) में रखा जा सकता है। यह नियम युवाओं को ज्यादा जोखिम लेने की अनुमति देता है, क्योंकि उनके पास समय ज्यादा होता है और बाजार की गिरावट से उबरने का मौका भी।

क्यों जरूरी हैं ये फाइनेंस रूल्स?

- ये आपको खर्च और बचत का संतुलन सिखाते हैं
- कर्ज के जाल से बचाते हैं
- निवेश की आदत जल्दी डालते हैं
- भविष्य के बड़े लक्ष्यों (घर, शादी, रिटायरमेंट) के लिए तैयारी करवाते हैं
- आर्थिक तनाव कम करते हैं
- 30 की उम्र के बाद जिम्मेदारियां तेजी से बढ़ती हैं परिवार, बच्चों की पढ़ाई, घर का लोन, मेडिकल जरूरतें। अगर आपने 20s में मजबूत वित्तीय नींव रख ली, तो आगे का सफर आसान हो जाएगा।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर महिलाएं निवेश के फैसलों में बढ़ रही भागीदारी

अब 56% अब खुद ले रहीं फैसले फाइनेंशियल प्लानिंग में गैप

निवेश में महिलाओं का आत्मविश्वास और योजना बनाने में चुनौती बढ़ा

देश के 13 शहरों के 5,050 लोगों को शामिल किया गया, सर्वे में 25 से 60 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे प्रतिभागियों को चुना गया

बिजनेस डेस्क

भारत में महिलाओं की आर्थिक भूमिका तेजी से बदल रही है। अब महिलाएं केवल कमाई तक सीमित नहीं हैं, बल्कि निवेश से जुड़े फैसलों में भी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। शहरी भारत में निवेश को लेकर महिलाओं का आत्मविश्वास लगातार बढ़ रहा है और बड़ी संख्या में महिलाएं अब अपने निवेश निर्णय खुद लेने लगी हैं। हालांकि निवेश में बढ़ती भागीदारी के बावजूद मजबूत और व्यवस्थित वित्तीय योजना के मामले में अभी भी बड़ा अंतर बना हुआ है। यह तस्वीर रिपोर्ट में सामने आई है। जिसे यूजीओवी के साथ मिलकर तैयार किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं में निवेश के प्रति जागरूकता और स्वतंत्रता दोनों तेजी से बढ़ रही हैं, लेकिन वित्तीय लक्ष्य तय करने और दीर्घकालिक योजना बनाने में अभी भी सुधार की काफी गुंजाइश है। इस अध्ययन के लिए 2025 की चौथी तिमाही में देश के 13 शहरों के 5,050 लोगों को शामिल किया गया। सर्वे में 25 से 60 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे प्रतिभागियों को चुना गया, जो अपने परिवार के निवेश संबंधी फैसलों में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। अध्ययन में पुरुषों और महिलाओं की संख्या बराबर रखी गई और इसका फोकस मुख्य रूप से शहरी और अपेक्षाकृत उच्च सामाजिक-आर्थिक वर्ग के परिवारों पर रहा।

अब महिलाएं खुद ले रही निवेश के फैसले

रिपोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि निवेश के फैसलों में महिलाओं की स्वतंत्र भागीदारी तेजी से बढ़ी है। सर्वे के मुताबिक अब 56 फीसदी महिलाएं निवेश से जुड़े फैसले खुद ले रही हैं, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 44 फीसदी था। यानी तीन साल में इसमें 12 फीसदी की उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। वहीं, पुरुषों में यह आंकड़ा 68 फीसदी है, जो अब भी महिलाओं से अधिक है। लेकिन महिलाओं में तेजी से बढ़ती भागीदारी यह संकेत देती है कि आने वाले समय में यह अंतर और कम हो सकता है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि निवेश के बारे में खुद सीखने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है। अब करीब 16 फीसदी महिला निवेशकों ने कहा कि उन्होंने निवेश की जानकारी स्वयं हासिल की है, जबकि 2022 में यह आंकड़ा 13 फीसदी था। इसके विपरीत संयुक्त रूप से निवेश निर्णय लेने वाली महिलाओं का हिस्सा 52 फीसदी से घटकर 43 फीसदी रह गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि महिलाएं अब आर्थिक मामलों में ज्यादा आत्मनिर्भर हो रही हैं।

मार्केट-लिंक्ड प्रोडक्ट्स में बढ़ी दिलचस्पी

महिलाएं अब पारंपरिक निवेश विकल्पों के साथ-साथ बाजार से जुड़े निवेश उत्पादों में भी सक्रिय हो रही हैं। सर्वे के मुताबिक करीब 51 फीसदी महिलाएं अब म्यूचुअल फंड और शेयरों में स्वतंत्र रूप से निवेश कर रही हैं, जबकि तीन साल पहले यह आंकड़ा 39 फीसदी था। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि महिलाओं में जोखिम लेने की क्षमता और निवेश की समझ दोनों बढ़ रही हैं।

आत्मविश्वास ऊंचा, लेकिन फाइनेंशियल प्लानिंग कमजोर

रिपोर्ट का एक अहम निष्कर्ष यह भी है कि निवेशकों में आत्मविश्वास तो बढ़ा है, लेकिन व्यवस्थित वित्तीय योजना के मामले में अभी भी बड़ा अंतर बना हुआ है। सर्वे के मुताबिक 84 फीसदी लोगों को भरोसा है कि वे निवेश के फैसले खुद लेने में सक्षम हैं। लेकिन सिर्फ 33 फीसदी निवेशकों के पास ही स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य और उन्हें हासिल करने की ठोस योजना मौजूद है।

यह भी जानें

- 32 फीसदी लोगों के पास योजना तो है, लेकिन कोई स्पष्ट लक्ष्य नहीं है।
- 29 फीसदी लोगों ने लक्ष्य तय किए हैं, लेकिन उन्हें हासिल करने की ठोस रणनीति नहीं है।
- 6 फीसदी के पास न लक्ष्य है और न ही कोई योजना।
- 25 से 34 वर्ष की युवा महिलाओं में ज्यादा दिखाई देता है। इस आयु वर्ग की कई महिलाएं निवेश की योजना तो बनाती हैं, लेकिन उनके लक्ष्य स्पष्ट नहीं होते।

पैसे के मायने भी बदल रहे

अध्ययन दिखाता है कि शहरी भारत में पैसे को लेकर लोगों की सोच तेजी से बदल रही है। पहले जहां पैसे को मुख्य रूप से जरूरत या जीविका से जोड़ा जाता था, वहीं इसे आजादी और बेहतर जीवनशैली से जोड़ा जाने लगा है। 2022 में जहां 27 फीसदी लोग पैसे को 'आजादी' से जोड़ते थे, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 35 फीसदी हो गया है। इसके विपरीत पैसे को केवल 'जरूरत' से जोड़ने वालों की संख्या घट गई है।

घर से ज्यादा अनुभवों पर खर्च

निवेश व्यवहार में एक दिलचस्प बदलाव यह भी देखने को मिला है कि लोग पारंपरिक संपत्तियों के बजाय अनुभवों को अधिक महत्व देने लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 41 फीसदी महिलाएं घर खरीदने की बजाय यात्रा को प्राथमिकता दे रही हैं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 34 फीसदी है। 2025 में करीब 43 फीसदी लोगों ने अतिरिक्त पैसे का इस्तेमाल यात्रा पर किया, जबकि 2022 में यह हिस्सा 36 फीसदी था। वहीं, घर खरीदने को सबसे बड़ा सपना मानने वालों का प्रतिशत 36 फीसदी से घटकर 28 फीसदी रह गया है।

सलाहकारों पर भरोसा लेकिन उपयोग सीमित

- 39 फीसदी लोग वित्तीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति से साझा करने में असहज महसूस करते हैं।
- 35 फीसदी का मानना है कि उन्हें अन्य स्रोतों से ही पर्याप्त जानकारी मिल जाती है।
- 32 फीसदी किसी की सलाह मानने में सहज नहीं होते।
- निवेश के मामलों में परिवार और दोस्तों की भूमिका सबसे अहम बनी हुई है। 76 फीसदी निवेश संबंधी सलाह अपने सामाजिक दायरे से लेते हैं।
- निवेश से जुड़े फैसलों में सोशल मीडिया की भूमिका भी तेजी से बढ़ रही है।
- शेयर बाजार में निवेश करने वाली महिलाओं में 51 फीसदी सोशल मीडिया पर स्टॉक से जुड़े कंटेंट पर सक्रिय रूप से पोस्ट या टिप्पणी करती हैं, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 36 फीसदी है।

सैलरी और जरूरतों को समझें कितना इमरजेंसी फंड है जरूरी

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज की अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों में केवल निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक मजबूत इमरजेंसी फंड बनाना भी उतना ही जरूरी है। नौकरी की अस्थिरता, अचानक मेडिकल खर्च, बिजनेस में मंदी या किसी पारिवारिक संकट जैसी स्थितियां बिना चेतावनी के सामने आ सकती हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड आपके वित्तीय जीवन का सेफ्टी नेट बनता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर कितना इमरजेंसी फंड होना चाहिए? इसका जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है, क्योंकि यह आपकी आय, खर्च, पारिवारिक जिम्मेदारियों और नौकरी की स्थिरता पर निर्भर करता है।

क्या है इमरजेंसी फंड?

इमरजेंसी फंड वह राशि है जिसे आप केवल आपात स्थिति के लिए अलग रखते हैं। यह पैसा निवेश के लिए नहीं, बल्कि संकट के समय खर्च चलाने के लिए होता है। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में आपको कर्ज न लेना पड़े या निवेश तोड़ना न पड़े।

तीन महीने का इमरजेंसी फंड : किनके लिए सही?

- अगर आप: सैलरीड कर्मचारी हैं, अविवाहित हैं, ईएमआई या बड़ी वित्तीय जिम्मेदारियां नहीं हैं। आपकी नौकरी स्थिर और सुरक्षित है। तो आपके लिए 3 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड पर्याप्त हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपका मासिक खर्च 40,000 है, तो कम से कम 1.2 लाख रुपये का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें किराया, राशन, बिजली-पानी, मोबाइल बिल, ट्रांसपोर्ट और बीमा प्रीमियम जैसे आवश्यक खर्च शामिल करें।

6 महीने का इमरजेंसी फंड परिवार वालों के लिए जरूरी

- यदि आप शादीशुदा हैं या आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी है, तो जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर फंड रखना समझदारी है। मान लीजिए आपका मासिक खर्च 70,000 है, तो लगभग 4.2 लाख का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें शामिल करें: घर का किराया या ईएमआई, बच्चों की स्कूल फीस, राशन और घरेलू खर्च, बीमा प्रीमियम, मेडिकल खर्च, परिवार के साथ रहने पर अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए ज्यादा सुरक्षा जरूरी है।

9 से 12 महीने का इमरजेंसी फंड अस्थिर आय वालों के लिए

- अगर आप : फ्रीलांसर हैं, बिजनेस मालिक हैं, कमीशन आधारित आय पर निर्भर हैं, परिवार के अकेले कमाने वाले सदस्य हैं
- तो आपको 9 से 12 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड रखना चाहिए। अनियमित आय वाले लोगों पर आर्थिक मंदी या बाजार में गिरावट का असर ज्यादा होता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका मासिक खर्च 60,000 है, तो 5.4 लाख रुपये से 7.2 लाख तक का फंड सुरक्षित माना जाएगा। यह आपको लंबी अवधि तक वित्तीय स्थिरता देगा।

कितना कम या ज्यादा है सही?

- बहुत कम इमरजेंसी फंड जोखिम भरा है, क्योंकि अचानक नौकरी जाने या बीमारी की स्थिति में आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। वहीं, जरूरत से ज्यादा पैसा केवल सेविंग अकाउंट में रखने से आपकी निवेश ग्रोथ धीमी हो सकती है, क्योंकि उस पर कम रिटर्न मिलता है। इसलिए संतुलन जरूरी है न बहुत कम, न बहुत ज्यादा।

इमरजेंसी फंड कहां रखें?

1. सेविंग अकाउंट
   सबसे आसान और लिक्विड विकल्प। पैसा तुरंत निकाला जा सकता है। हालांकि ब्याज दर कम होती है।
2. शॉर्ट-टर्म फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
   कम अवधि की एफडी में पैसा रखने से सेविंग अकाउंट से थोड़ा ज्यादा ब्याज मिलता है और जोखिम भी कम रहता है।
3. स्वीप-इन एफडी
   यह एक बेहतर विकल्प है, जहां आपका पैसा सेविंग अकाउंट में रहता है और जरूरत से ज्यादा राशि स्वतः एफडी में चली जाती है। जरूरत पड़ने पर ऑटोमैटिक ब्रेक होकर पैसा उपलब्ध हो जाता है। ध्यान रखें, इमरजेंसी फंड को शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड या लंबी अवधि के निवेश साधनों में न रखें, क्योंकि बाजार गिरावट के समय आपको नुकसान में पैसा निकालना पड़ सकता है।

इमरजेंसी फंड कैसे बनाएं?

- हर महीने सैलरी का 10–20% अलग रखें
- बोनस या अतिरिक्त आय का हिस्सा जोड़ें
- खर्चों की समीक्षा कर गैर-जरूरी खर्च कम करें

लक्ष्य तय करें व ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट करें

- धीरे-धीरे 6–12 महीनों में आपका फंड तैयार हो सकता है।

जीवन की पहली सुरक्षा परत

- इमरजेंसी फंड आपके वित्तीय जीवन की पहली सुरक्षा परत है। निवेश से पहले इसे प्राथमिकता देना चाहिए। आपकी सैलरी, नौकरी की स्थिरता और पारिवारिक जिम्मेदारियां तय करती हैं कि आपको 3, 6 या 12 महीने का फंड रखना चाहिए।
- सही योजना के साथ बनाया गया इमरजेंसी फंड आपको मानसिक शांति देता है और किसी भी आर्थिक संकट में मजबूती से खड़ा रखता है। याद रखें सुरक्षा पहले, निवेश बाद में।

पैसे को सही दिशा देना बेहद जरूरी

बिजनेस डेस्क। आज की अनिश्चित आर्थिक परिस्थितियों में केवल निवेश करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि मजबूत इमरजेंसी फंड बनाना भी उतना ही जरूरी है। नौकरी की अस्थिरता, अचानक मेडिकल खर्च, बिजनेस में मंदी या किसी पारिवारिक संकट जैसी स्थितियां बिना चेतावनी के सामने आ सकती हैं। ऐसे समय में इमरजेंसी फंड आपके वित्तीय जीवन का सेफ्टी नेट बनता है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है आखिर कितना इमरजेंसी फंड होना चाहिए? इसका जवाब हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकता है, क्योंकि यह आपकी आय, खर्च, पारिवारिक जिम्मेदारियों और नौकरी की स्थिरता पर निर्भर करता है।

क्या है इमरजेंसी फंड? : इमरजेंसी फंड वह राशि है जिसे आप केवल आपात स्थिति के लिए अलग रखते हैं। यह पैसा निवेश के लिए नहीं, बल्कि संकट के समय खर्च चलाने के लिए होता है। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में आपको कर्ज न लेना पड़े या निवेश तोड़ना न पड़े।

तीन महीने का इमरजेंसी फंड : किनके लिए सही?

- अगर आप: सैलरीड कर्मचारी हैं, अविवाहित हैं, ईएमआई या बड़ी वित्तीय जिम्मेदारियां नहीं हैं। आपकी नौकरी स्थिर और सुरक्षित है। तो आपके लिए 3 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड पर्याप्त हो सकता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आपका मासिक खर्च 40,000 है, तो कम से कम 1.2 लाख रुपये का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें किराया, राशन, बिजली-पानी, मोबाइल बिल, ट्रांसपोर्ट और बीमा प्रीमियम जैसे आवश्यक खर्च शामिल करें।

6 महीने का इमरजेंसी फंड : परिवार वालों के लिए जरूरी

- यदि आप शादीशुदा हैं या आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी है, तो जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे में कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर फंड रखना समझदारी है। आपका मासिक खर्च 70,000 है, तो लगभग 4.2 लाख का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इसमें शामिल करें: घर का किराया या ईएमआई, स्कूल फीस, राशन और घरेलू खर्च, बीमा प्रीमियम, मेडिकल खर्च, परिवार के साथ रहने पर अचानक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए ज्यादा सुरक्षा जरूरी है।

9 से 12 महीने का इमरजेंसी फंड : अस्थिर आय वालों के लिए

अगर आप : फ्रीलांसर हैं, बिजनेस मालिक हैं, कमीशन आधारित आय पर निर्भर हैं, परिवार के अकेले कमाने वाले सदस्य हैं तो आपको 9 से 12 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड रखना चाहिए। अनियमित आय वाले लोगों पर आर्थिक मंदी या बाजार में गिरावट का असर ज्यादा होता है। उदाहरण के लिए, यदि आपका मासिक खर्च 60,000 है, तो 5.4 लाख रुपये से 7.2 लाख तक का फंड सुरक्षित माना जाएगा। लंबी अवधि तक वित्तीय स्थिरता देगा।

कितना कम या ज्यादा है सही? : बहुत कम इमरजेंसी फंड जोखिम भरा है, क्योंकि अचानक नौकरी जाने या बीमारी की स्थिति में आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। वहीं, जरूरत से ज्यादा पैसा केवल सेविंग अकाउंट में रखने से आपकी निवेश ग्रोथ धीमी हो सकती है, क्योंकि उस पर कम रिटर्न मिलता है। इसलिए संतुलन जरूरी है न बहुत कम, न बहुत ज्यादा।

इमरजेंसी फंड कहां रखें?

1. सेविंग अकाउंट
सबसे आसान और लिक्विड विकल्प। पैसा तुरंत निकाला जा सकता है। हालांकि ब्याज दर कम होती है।

2. शॉर्ट-टर्म फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)
कम अवधि की एफडी में पैसा रखने से सेविंग अकाउंट से थोड़ा ज्यादा ब्याज मिलता है और जोखिम भी कम रहता है।

3. स्वीप-इन एफडी
एक बेहतर विकल्प है, जहां आपका पैसा सेविंग अकाउंट में रहता है और जरूरत से ज्यादा राशि स्वतः एफडी में चली जाती है। जरूरत पर ऑटोमैटिक ब्रेक होकर पैसा उपलब्ध हो जाता है।

इमरजेंसी फंड कैसे बनाएं?

- हर महीने सैलरी का 10–20% अलग रखें।
- बोनस या अतिरिक्त आय का हिस्सा जोड़ें।
- खर्चों की समीक्षा कर गैर-जरूरी खर्च कम करें।
- लक्ष्य तय करें और ऑटोमैटिक ट्रांसफर सेट करें।

अगर आदत जल्दी बनती है तो जोखिम भी रहता है सीमित

समय जितना ज्यादा कंपाउंडिंग का असर उतना बड़ा होगा

सिर्फ 1000 रुपये की एसआईपी से करोड़पति बन सकती है जेन जेड, रिटायरमेंट तक तैयार हो सकता है बड़ा फंड

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

आज की युवा पीढ़ी यानी जेन जेड कमाई के साथ-साथ निवेश को लेकर भी पहले से ज्यादा जागरूक हो रही है। 1997 से 2012 के बीच जन्मी यह पीढ़ी टेक्नोलॉजी-फ्रेंडली है और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए निवेश करना पसंद करती है, लेकिन बड़ा सवाल यह है क्या सच में सिर्फ 1000 रुपये की एसआईपी से करोड़पति बना जा सकता है? जवाब है हां, अगर शुरुआत जल्दी हो और निवेश लंबी अवधि तक जारी रहे।

क्या है एसआईपी और क्यों खास?

एसआईपी यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। यह तरीका आपको हर महीने एक तय राशि निवेश करने की सुविधा देता है। एसआईपी के जरिए निवेश मुख्य रूप से म्यूचुअल फंड में किया जाता है, जिसका प्रदर्शन शेयर बाजार पर निर्भर करता है। एसआईपी की सबसे बड़ी ताकत है कंपाउंडिंग-यानी आपके निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे रिटर्न कमाता है। यही चक्र समय के साथ बड़े फंड में बदल जाता है। मान लीजिए आपकी उम्र 20 साल है और आप हर महीने 1000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं। आप यह निवेश 60 साल की उम्र तक यानी 40 साल तक जारी रखते हैं। यदि सालाना 12% अनुमानित रिटर्न मिले।

टॉप 5 फंड्स का 5 साल का एनुअल रिटर्न 19 से 20% तक रहा

इसे ऐसे समझें

- कुल निवेश: 1000×12 महीने × 40 साल = 4.8 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : लगभग 97.93 लाख रुपये यानी सिर्फ 4.8 लाख रुपये निवेश करके आप करीब 98 लाख रुपये का फंड बना सकते हैं।
- यदि सालाना 15% अनुमानित रिटर्न मिले
- कुल निवेश : 4.8 लाख रुपये
- अनुमानित फंड : लगभग 2.30 करोड़ रुपये
- यहां साफ दिखता है कि रिटर्न में सिर्फ 3% का अंतर भी लंबे समय में कितना बड़ा बदलाव ला सकता है। यही है कंपाउंडिंग की असली ताकत।

जल्दी शुरुआत क्यों है जरूरी?

अगर आप 20 की उम्र में शुरुआत करते हैं तो आपके पास 40 साल का समय है। लेकिन यदि यही निवेश 30 की उम्र से शुरू करते हैं, तो आपके पास केवल 30 साल बचेंगे और फंड का आकार काफी छोटा हो जाएगा। समय जितना ज्यादा, कंपाउंडिंग का असर उतना बड़ा।

बाजार जोखिम समझना जरूरी

- एसआईपी पूरी तरह शेयर बाजार से जुड़ी होती है। ऐसे में जरूरी बातें समझना जरूरी है।
- रिटर्न कभी भी फिक्स नहीं होता।
- बाजार में तेजी होगी तो ज्यादा रिटर्न मिलेगा।
- गिरावट के समय पोर्टफोलियो में अस्थायी नुकसान हो सकता है।
- लंबी अवधि में जोखिम कम हो जाता है।
- इतिहास बताता है कि लंबी अवधि में इक्विटी बाजार ने बेहतर रिटर्न दिया है, लेकिन धैर्य बनाए रखना जरूरी है।

टैक्स का भी रखें ध्यान

एसआईपी से मिलने वाला मुनाफा पूरी तरह टैक्स-फ्री नहीं होता। इक्विटी फंड में एक साल से ज्यादा निवेश रखने पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लागू होता है (निर्धारित सीमा से ऊपर के लाभ पर)। इसलिए रिटायरमेंट प्लानिंग करते समय टैक्स की गणना भी शामिल करें।

खास सलाह

- लंबा निवेश समय
- डिजिटल प्लेटफॉर्म तक आसान पहुंच
- रिस्क लेने की क्षमता
- अगर आप अभी से 1000 रुपये की एसआईपी शुरू करते हैं और हर साल अपनी आय बढ़ने पर एसआईपी की रकम भी बढ़ाते हैं (स्टेप अप एसआईपी), तो फंड का आकार कई गुना हो सकता है।

निवेश शुरू करने से पहले रखें इन बातों का ध्यान

- इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं
- हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस लें।
- अपनी जोखिम क्षमता के अनुसार फंड चुनें।
- निवेश लंबी अवधि के लिए रखें, बीच में बंद न करें।
- बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद न करें।

क्या 1000 रुपये काफी

शुरुआत के लिए 1000 रुपये बिल्कुल पर्याप्त है। असली बात रकम नहीं, अनुशासन और निरंतरता है। समय के साथ आप एसआईपी बढ़ा सकते हैं। छोटी रकम से शुरुआत करने का फायदा यह है कि आदत जल्दी बनती है और जोखिम सीमित रहता है। जेन जेड के लिए यह सुनहरा मौका है। 20 की उम्र में शुरू की गई 1000 रुपये की एसआईपी 60 की उम्र तक करोड़ों का फंड बना सकती है। बशर्ते निवेश लंबी अवधि तक जारी रहे और अनुशासन बना रहे। याद रखिए, अमीर बनने के लिए बड़ी सैलरी नहीं, बल्कि जल्दी शुरुआत, धैर्य और कंपाउंडिंग की समझ जरूरी है। अगर आज कदम उठाएंगे, तो रिटायरमेंट के समय आपके पास भारी-भरकम फंड हो सकता है। अब सवाल यह है कि आप अपनी पहली एसआईपी कब शुरू कर रहे हैं?

पिंक बॉल टेस्ट: ऑस्ट्रेलिया ने की अपनी पकड़ मजबूत, दूसरी पारी में भारत ने गंवाए 6 विकेट

पर्थ। भारत के खिलाफ वाका ग्राउंड पर जारी इकलौते डे-नाइट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टीम इंडिया दूसरे दिन की समाप्ति तक 6 विकेट खोकर सिर्फ 105 रन ही बना सकी है। फिलहाल मेजबान ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 20 रन की लीड शेष है।

पहली पारी में टीम इंडिया नहीं बना पाई बड़ा स्कोर

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी भारतीय टीम पहली पारी में सिर्फ 198 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से इस पारी में जेमिमा रोड्रिगेज ने 84 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 52 रन की पारी खेली, जबकि शेफाली वर्मा ने 35 रन और काश्वी गौतम ने नाबाद 34 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से एनाबेल सदरलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट निकाले। 2 विकेट डार्सी ब्राउन के हाथ लगे। 1 विकेट एश्ले गार्डनर ने अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 323 रन बनाकर पहली पारी के आधार पर 125 रन की शानदार बढ़त हासिल कर ली। कप्तान एलिस पेरी ने एनाबेल सदरलैंड के साथ चौथे विकेट के लिए 128 रन की साझेदारी की, जिसके बाद सदरलैंड ने बेथ मूनी के साथ पांचवें विकेट के लिए 54 रन जुटाए। एलिस पेरी 11 बाउंड्री के साथ 76 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि बेथ मूनी ने 19 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। सदरलैंड ने 171 गेंदों में 17 चौकों के साथ 129 रन बनाकर टीम को शानदार बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभाई। भारत की तरफ से सायली सतघरे ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले। क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। स्नेह राणा और शेफाली वर्मा ने 1-1 विकेट निकाला।

दूसरी पारी में भी नहीं चला स्मृति का बल्ला

इसके बाद टीम इंडिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक अपनी दूसरी पारी में 29 ओवरों का सामना किया, जिसमें 6 विकेट गंवाकर महज 105 रन बनाए हैं। भारत को 2 रन पर स्मृति मंधाना (2) के रूप में बड़ा झटका लगा। इसके बाद 10 के स्कोर पर शेफाली वर्मा (5) का विकेट भी गिर गया। यहां से प्रतीका रावल ने जेमिमा रोड्रिगेज (14) के साथ 28 रन, जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) के साथ 26 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। इसके अलावा, स्नेह राणा के साथ सातवें विकेट के लिए 23 रन की अटूट साझेदारी की। प्रतीका दूसरे दिन की समाप्ति तक 43 रन बनाए। 84 गेंदों की इस पारी में उनके बल्ले से 6 चौके निकले हैं, जबकि स्नेह राणा 2 चौकों के साथ 14 रन बना चुकी हैं। विपक्षी खेमे से लूसी हैमिल्टन ने 3 विकेट हासिल कर लिए हैं, जबकि सदरलैंड 2 विकेट ले चुकी हैं। 1 विकेट डार्सी ब्राउन ने प्राप्त किया है।

अनाबेल ने शतक लगाकर रचा इतिहास

ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड टेस्ट में लगातार तीन पारियों में शतक बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं। उन्होंने पर्थ में भारत के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट मैच के दूसरे दिन 129 रन की पारी खेली। अपना सातवां टेस्ट मैच खेल रही सदरलैंड ने 17 चौकों की मदद से अपना चौथा टेस्ट शतक बनाया। उन्होंने 171 गेंद पर 129 रन बना लीं। इससे ऑस्ट्रेलिया को मैच में बड़ी बढ़त बनाने में मदद मिली। यह सदरलैंड की टेस्ट क्रिकेट में लगातार तीसरा शतक है और पिछले पांच टेस्ट में उनका चौथा सैकड़ा है। सदरलैंड टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली आठवीं खिलाड़ी हैं। उन्होंने 89 के शानदार औसत से रन बनाए हैं। वह अपने करियर में चार बार 50 रन का आंकड़ा पार किया है और हर बारे उशे शतक में बदला है। टेस्ट क्रिकेट में उनका बेस्ट स्कोर 210 है, जो उन्होंने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी मैदान पर बनाया था।

खबर संक्षेप

फिट इंडिया का अंतरराष्ट्रीय महिला कार्निवल शुरू

नई दिल्ली। फिट इंडिया मूवमेंट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शनिवार से तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्निवल शुरू किया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस आठ मार्च को मनाया जाता है। इस कार्यक्रम की थीम 'मजबूत महिलाएं, मजबूत राष्ट्र' है। इसमें सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस और दिल्ली पुलिस जैसे भारत के सशस्त्र बलों और सुरक्षा सेवाओं से जुड़ी 500 से अधिक महिलाएं भाग ले रही हैं। इसमें फिटनेस गतिविधियों और खेलों के माध्यम से महिलाओं की ताकत, लचीलेपन और नेतृत्वक्षमता को उजागर किया जा रहा है। इस कार्यक्रम की शुरुआत में कई प्रख्यात हस्तियों ने भाग लिया और फिटनेस, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे।

शीतकालीन पैरालंपिक खेल शुरू, रूसी ध्वज की वापसी

वेरोना। मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के तनाव के बीच मिलान कोर्टिना शीतकालीन पैरालिंपिक खेल शुरू हो गए, जिसमें कुछ देशों ने वैश्विक खेल मंच पर रूसी ध्वज की वापसी के कारण उद्घाटन समारोह का बहिष्कार किया। उद्घाटन समारोह में इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले राष्ट्रों की परेड में रूस के ध्वज की वापसी हुई। इससे लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों से पहले रूस की ओलंपिक जगत में पूर्ण वापसी की संभावना बढ़ गई है।

महिला एशियाई कप में जापान ने 11-0 से रौंदा

पर्थ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0-11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5-0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली।

भारत और कीवी टीम के बीच फाइनल मुकाबला आज शाम 7 बजे से

इतिहास रचने के लिए टीम इंडिया को पार करनी होगी न्यूजीलैंड की मुश्किल बाधा

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

बेहद प्रतिभाशाली और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के फाइनल में इतिहास रचने की उम्मीदों का बोझ होगा, भले ही सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम का पलड़ा भारी माना जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियमों में से एक नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत को 19 नवंबर 2023 को बड़ा झटका लगा था जब वह ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्व कप का फाइनल हार गया था। तब भारत ने भावुक नम आंखों वाले रोहित शर्मा को ड्रेसिंग रूम की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए देखा था। केवल भारतीय टीम ही नहीं बल्कि स्टेडियम में मौजूद 93000 दर्शक भी सन्न रह गए थे। भारत ने हालांकि 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीतकर इसकी काफी हद तक भरपाई कर दी थी। अब खेल के सबसे छोटे प्रारुप की भारतीय टीम सूर्यकुमार की कप्तानी में खिताब का बचाव करने और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को तीन बार जीतने वाली पहली टीम बनने की कोशिश करेगी।

भारत को टूर्नामेंट में मिला किस्मत का साथ

भारत को अब तक इस टूर्नामेंट में किस्मत का साथ मिला है। अगर वह खिताब जीत जाता है तो उन्हें सराहना मिलेगी लेकिन अगर वह हार जाते हैं तो फिर बहुत बड़ा बवाल मच सकता है। सूर्यकुमार ने पिछले दो वर्षों में टीम का बहुत अच्छी तरह से नेतृत्व किया है, भले ही एक बल्लेबाज के रूप में वह उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाए। रविवार का दिन उनके करियर के लिए निर्णायक क्षण होगा। अगर उनकी टीम खुशगवार मौसम में अच्छा प्रदर्शन करती है तो उनकी सारी नाकामियां पल भर में भुला दी जाएंगी।

भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती आसान नहीं

भारत के लिए न्यूजीलैंड की चुनौती आसान नहीं होगी क्योंकि किसी भी दिन फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन या मैट हेनरी जैसे खिलाड़ी अपनी क्षमता से कहीं बेहतर प्रदर्शन करना जानते हैं। मिचेल सैंटनर या ग्लेन फिलिप्स जैसे खिलाड़ी जानते हैं कि एक मजबूत टीम के खिलाफ किस तरह से चुनौती का सामना करना होता है। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा 'अहमदाबाद का सरदार' होगा। इस सरदार का नाम जसप्रीत बुमराह है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, मार्क चैपमैन, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची, काइल जैमीसन, जैकब डफी, डेवोन कॉनवे, जिमी नीशम, इश सोढ़ी।

टी20 विश्व कप

न्यूजीलैंड से मिली टीम इंडिया को दिल तोड़ने की चेतावनी

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि जब दुनिया युद्ध की विभीषिका झेल रही है तब उनकी टीम रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप में करोड़ों भारतीयों के दिल को तोड़ने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सैंटनर वर्तमान समय के अन्य कप्तानों की तरह जोशीले नहीं हैं और ना ही वह मजाक करते हैं लेकिन उनकी हाजिरजवाबी से दर्शक ठहाके लगा देते हैं। न्यूजीलैंड पिछले 11 वर्षों में पांच बार आईसीसी के किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचा है लेकिन उसे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा। सैंटनर ने कहा , 'हम मैदान पर उतरते हैं और एक टीम के रूप में अपना काम करते हैं। इस बार भी इसमें कोई बदलाव नहीं आएगा। निश्चित रूप से यह एक चुनौती होगी, क्योंकि हर कोई जानता है कि हम शायद जीत के प्रबल दावेदार नहीं हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ट्रॉफी जीतने के लिए कुछ लोगों का दिल तोड़ने में मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी।' उन्होंने कहा, ' यह कहना आसान है कि यह बस एक और मैच की तरह है लेकिन हर कोई जानता है कि ऐसा नहीं है। इसके लिए आपकी अच्छी रणनीति और तैयारी होनी चाहिए।' सैंटनर ने कहा, 'विशेषकर टी20 क्रिकेट में कुछ ही पलों में पासा पलट जाता है। इन पलों में आप विपक्षी टीम पर दबाव बना सकते हैं या उनका फायदा उठा सकते हैं। मुझे लगता है कि हमने हाल के मैचों में यही देखा।'

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दुर्गेश कुमार पांडे** पुत्र श्री सुरेंद्र पांडे निवासी मकान संख्या 906/08, गोविंदपुरी, नई दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 36734/23 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना सनलाइट कॉलोनी, नई दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **दुर्गेश कुमार पांडे** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दुर्गेश कुमार पांडे** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्धोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 36734/23 धारा 379/411/34 भा.दं.सं. थाना सनलाइट कॉलोनी, नई दिल्ली के उक्त अभियुक्त **दुर्गेश कुमार पांडे** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **08.04.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री अदिति राव,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-07,
दक्षिण-पूर्व जिला, न्यायालय संख्या 508,
साकेत न्यायालय परिसर, नई दिल्ली।

DP/2984/SE/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **विकाश उर्फ विक्की उर्फ लोरा, पुत्रः मुन्ना लाल, निवासीः मकान संख्या 1320/11, वाल्मीकि मोहल्ला, तुकलकाबाद गांव, नई दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **CRC No.1725/2022, FIR No.115/2022 U/S 379/411 IPC** के तहत एक मामला **थाना ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दक्षिण पूर्व दिल्ली जिला, नई दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **विकाश उर्फ विक्की उर्फ लोरा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **विकाश उर्फ विक्की उर्फ लोरा**, फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **CCRC No.1725/2022, FIR No.115/2022 U/S 379/411 IPC, थाना ओखला औद्योगिक क्षेत्र, दक्षिण पूर्व दिल्ली जिला, नई दिल्ली** के अभियुक्त **दिलीप कुमार** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 07.04.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, आकांक्षा गौतम,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी—02,
दक्षिण पूर्व जिला, कमरा नंबर 513,
साकेत कोर्ट कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली।

DP/2574/SE/2026
(अदालती मामला)

महिला अंडर-23 वनडे ट्रॉफी: महाराष्ट्र ने हरियाणा को चार विकेट से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की शुरुआत बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही
- अमनदीप कौर ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके

महिला अंडर-23 वनडे ट्रॉफी एलीट में शनिवार को खेले गए मैच में महाराष्ट्र ने हरियाणा को चार विकेट से हराया। मुकाबला पुदुचेरी में खेला गया। हरियाणा की ओर से तनिष्का शर्मा ने 53 और कोमल ने 48 रन बनाए। महाराष्ट्र की ओर से भाविका ने नाबाद 50 रन बनाए। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा की शुरूआत बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही। पिछले मैच शानदार दोहरा शतक लगाने वाली दीया यादव बिना खाता खोले आउट हो गईं। चार पर दूसरा विकेट गंवा दिया। इसके आद तनिष्का और कोमल ने संभलकर बल्लेबाजी की और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। 106 रन पर तीसरा विकेट गिरने के बाद कोई भी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर पाया और पूरी टीम 168 रन पर ऑलआउट हो गई। हरियाणा की ओर से तनिष्का शर्मा ने 53 और कोमल ने 48 रन बनाए। महाराष्ट्र की ओर से आईएम पठारे ने तीन विकेट लिए। इसके जवाब में महाराष्ट्र की शुरूआत शानदार रही और पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। इसके बाद भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और 42.2 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 172 रन बनाकर चार विकेट से मैच जीता। महाराष्ट्र की ओर से भाविका ने नाबाद 50 रन बनाए। हरियाणा की ओर से अमनदीप कौर ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिए।

रिलायंस फाउंडेशन की पहल को आईओसी की सराहना

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित एक विशेष लेख में दुनिया भर में महिलाओं द्वारा ओलंपिक मूल्यों को आगे बढ़ाने के प्रयासों को रेखांकित किया है। इस लेख में भारत में रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से चल रहे कार्यक्रम को प्रमुख उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया है। लेख के अनुसार ओलंपिक वैल्यूज एजुकेशन प्रोग्राम के माध्यम से भारत में खेल भावना, सम्मान, निष्पक्षता और टीमवर्क जैसे मूल्यों को बच्चों तक पहुंचाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2024 से अब तक यह कार्यक्रम देश के 65 हजार से अधिक स्कूलों में करीब 1.2 करोड़ बच्चों तक पहुंच चुका है। आईओसी और रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से यह पहल अब ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के समुदायों में संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों तक भी पहुंची है। देश के 120 आंगनवाड़ी केंद्रों में महिलाओं ने अब तक 1200 से अधिक ओवीपी सत्र आयोजित किए हैं। लेख में मध्य प्रदेश के एक आंगनवाड़ी केंद्र से जुड़ी छात्रा रूचि का उदाहरण देते हुए बताया गया है कि खेल और मूल्यों पर आधारित गतिविधियां बच्चों, खासकर लड़कियों में आत्मविश्वास और सहभागिता को बढ़ाने में मदद कर रही हैं।

- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रकाशित लेख में भारत का उदाहरण प्रमुखता से शामिल
- 65 हजार से अधिक भारतीय स्कूलों में पहुंचा ओलंपिक वैल्यूज एजुकेशन प्रोग्राम

ऊपर वाले से मिला वरदान
मेरे पास है हर समाधान
करो प्रेमिका / पति मुट्ठी में
जो व्यक्ति वास्तव में परेशान है, वो ही फोन करें।
रजि.
गुरू कबीर जी
की जुबान पत्थर की लकीर है।
आपकी हर समस्या का समाधान
जैसे:- शादी, कारोबार, पढ़ाई में रुकावट, सास बहु, मिया बीवी में अनबन, सौतन, दुश्मन नाश, ग्रह क्लेश, बेटा / बेटी / पति - पत्नी किसी के वश में कहना न मानता हो, पशु, फसल में नुकसान, कोर्ट-कचहरी मुकदमा जैसी सभी समस्याओं का गारन्टीड समाधान। पाँच मिनट में समाधान
एक फोन करो समाधान पाओ
9711428545
स्पेशलिस्ट : वशीकरण, मनचाहा प्यार

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

21 साल के लाई पर 21-16, 18-21, 21-15 से जीत हासिल की

लक्ष्य लाई को हराकर ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में

बर्मिंघम (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने पैर में दर्दनाक छाले और मांसपेशियों में खिंचाव से जूझते हुए शनिवार को यहां कनाडा के विक्टर लाई को हराकर ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई। अब वह इस बड़े खिताब के लिए भारत का 25 साल का इंतजार खत्म करने से महज एक जीत दूर हैं। यह मैच लक्ष्य के करियर के सबसे अच्छे मुकाबलों में से एक साबित हुआ। उन्होंने एक घंटे 37 मिनट तक चले संघर्ष में 21 साल के लाई पर 21-16, 18-21, 21-15 से जीत हासिल की जिन्होंने पिछले साल पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। लक्ष्य 2022 चरण में उप विजेता रहे थे जिससे यह उनका दूसरा ऑल इंग्लैंड फाइनल होगा। अल्मोड़ा के 24 साल के खिलाड़ी का सामना अब रविवार को फाइनल में दुनिया के 11वें नंबर के खिलाड़ी चीनी ताइपे के लिन चुन-यी से होगा। वह इसमें जीत से इतिहास रचना चाहेंगे। भारत के लिए प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो ऑल इंग्लैंड खिताब जीत पाए हैं।

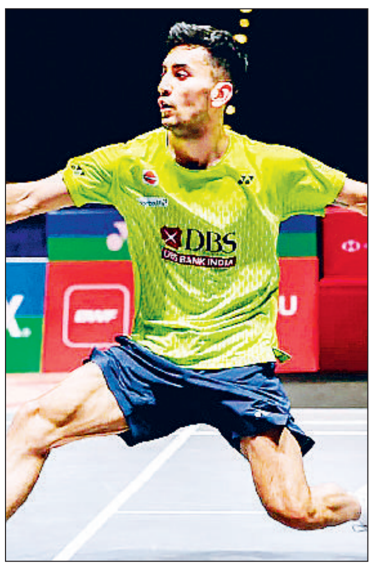

मैं अपने प्रदर्शन से खुश

लक्ष्य ने मैच के बाद कहा, 'मैं दोनों गेम में अपने प्रदर्शन से खुश हूं। शिफेंग को भी श्रेय जाता है, उन्होंने वाकई शानदार खेल दिखाया। कुछ लंबी रैलियां चली, हम दोनों थक रहे थे, लेकिन लंबी रैलियों के बाद भी जिस तरह से मैं डटा रहा, उससे मैं खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'मेरे कोच भी यही कह रहे थे कि लंबी रैलियों के बाद अतिरिक्त तैयारी रखो क्योंकि वह भी थक जाता है, इसलिए गलती करने से बचो।' लक्ष्य ने पहले गेम में आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की और जल्द ही 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने आक्रामक और सकारात्मक खेल दिखाते हुए अपनी बढ़त 10-4 तक पहुंचा दी। इंटरवल तक वह 11-6 से आगे थे। इसके बाद हालांकि लक्ष्य को शिफेंग के शक्तिशाली ओवरहेड क्रॉसकोर्ट स्मैश को समझने में थोड़ी देर के लिए संघर्ष करना पड़ा, फिर भी उन्होंने अपना नियंत्रण बनाए रखा और 15-11 से आगे निकल गए। शिफेंग ने अंतर को 13-15 तक कम कर दिया, लेकिन लक्ष्य ने फिर से लय हासिल कर ली और एक नेट कॉर्ड की मदद से 18-13 से आगे हो गए। उन्होंने इसके बाद 24 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर दिया।

अभियुक्ता की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.PC. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्ता **चिन्ना देवी,** पत्नी बीरेंद्र कुमार, निवासी टिंकू का मकान, लेख राम पार्क, टिकरी कलां, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 718/2023 धारा 33/38 दिल्ली आबकारी अधिनियम थाना मुंडका, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **चिन्ना देवी** मिल नहीं रही है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **चिन्ना देवी** फरार हो गयी है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रही है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.PC. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्धोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 718/2023 धारा 33/38 दिल्ली आबकारी अधिनियम थाना मुंडका, दिल्ली की उक्त अभियुक्ता **चिन्ना देवी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **16.04.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: श्री गौरव सिंगल,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-06 (पश्चिम),
कक्ष संख्या 355,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली।

DP/2872/OD/2026

अमेरिका-इजराइल व ईरान जंग

रूस के राष्ट्रपति पुतिन से बात के बाद ईरान के राष्ट्रपति नरम पड़े

पड़ोसी देशों पर अब नहीं करेंगे हमले अब तक के नुकसान के लिए 'सॉरी'

रूसी विदेश मंत्रालय ने बताया कि ईरान अपनी संप्रभुता और अपने देश की आजादी की रक्षा कर रहा है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के बीच टेलीफोन पर बातचीत हुई। इसके बाद तनाव कम करने की दिशा में पहले बड़े कदम के रूप में, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने पड़ोसी देशों से माफी मांगी और देश की अंतरिम नेतृत्व परिषद के एक महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा की कि तेहरान पड़ोसी राज्यों के खिलाफ मिसाइल हमले या आक्रमण नहीं करेगा जब तक कि ईरान पर हमला उनके क्षेत्र से न किया जाए।

रूसी राष्ट्रपति की इस बातचीत को लेकर अब ये कयास लगाए जा रहे हैं कि रूस इस मुश्किल वक्त में ईरान का साथ दे सकता है, हालांकि पुतिन ने ईरान के राष्ट्रपति से तनाव कम करने और जल्द से जल्द मुद्दे को कूटनीतिक तरीके से सुलझाने की अपील की है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से टेलीग्राम पर दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत की जानकारी दी गई।

रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा- पुतिन ने खामेनेई, परिवार के सदस्यों और देश की सेना और नेताओं की मौत पर अपनी गहरी संवेदना जताई। साथ ही, ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हथियारों से हमले की वजह से हुई कई आम लोगों की मौत पर भी दुख जताया है।

▶▶ **पुतिन ने कहा** ईंरान ने पड़ोसियों के सामने सरेंडर कर दिया

▶▶ **ईरानी राष्ट्रपति बोले-** ट्रंप का उनकी कब्र में ही सरेंडर का ख्वाब होगा पूरा

मसूद पेजेश्कियन

व्लादिमीर पुतिन

पुतिन ने ताकत के इस्तेमाल को नकारा

कूटनीतिक समाधान पर जोर

ईरान ने सरेंडर कर दिया, अब वह मिडिल ईस्ट का दादा नहीं रहा: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान, जो बुरी तरह हार रहा है, ने अपने मध्य पूर्वी पड़ोसियों से माफी मांगते हुए आत्मसमर्पण कर दिया है और वादा किया है कि वह अब उन पर गोलीबारी नहीं करेगा। यह वादा अमेरिका और इजराइल के लगातार हमलों के कारण ही किया गया है। वे मध्य पूर्व पर कब्जा करके शासन करना चाहते थे। हजारों वर्षों में यह पहली बार है कि ईरान अपने पड़ोसी मध्य पूर्वी देशों से हारा है।

वे हमारे बिना शर्त आत्मसमर्पण के सपनों को कब्र में ले जाएंगे: ईरान

ईरान ने यूएस-अमेरिका की संयुक्त कार्रवाई के बाद पलटवार करते हुए अपने पड़ोसी देशों पर ताबड़तोड़ हमले किए थे, इस एक्शन को लेकर वहां के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने शनिवार को माफी मांग ली है, साथ ही अमेरिका की तरफ से की गई सरेंडर की वे हमारे बिना मांग को मानने से इनकार करते हुए ठुकराया है।

रूस से तेल खरीदने को लेकर ट्रंप की छूट पर भारत ने दिया जवाब

हमें किसी की इजाजत की कोई जरूरत नहीं

ईरान पर यूएस-इजराइल पर हमले के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते पर तनाव बना हुआ है और दुनिया में तेल को लेकर गंभीर चिंता देखी जा रही है। इस बीच अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने की बात कही, जिसके बाद से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। इस मामले पर अब सरकार ने प्रतिक्रिया दी है। केंद्र सरकार ने शनिवार को साफ कहा है कि भारत को जहां से भी सस्ता तेल मिलेगा वहीं से खरीदेगा। सरकार ने यह भी कहा कि रुकावटों के बावजूद भारत की एनर्जी सप्लाई सुरक्षित बनी हुई है। भारत ने अपने कच्चे तेल के सोर्स को 27 से 40 देशों तक अलग-अलग कर दिया है, जिससे कई दूसरे सप्लाई रूट पक्के हो गए हैं। देश के हित में भारत उन जगहों से तेल खरीदता है जहां सबसे अच्छे और सस्ते रेट मिलते हैं। केंद्र ने कहा कि भारत ने रूसी तेल खरीदने के लिए कभी किसी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं रहा है। भारत फरवरी 2026 में भी रूस से तेल इंपोर्ट कर रहा है और रूस अभी भी भारत का सबसे बड़ा क्रूड ऑयल सप्लायर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के तीन साल तक भारत यूएस और ईयू के एतराज के बावजूद रूस से तेल खरीदता रहा। 2022 के बाद डिस्काउंटेड कीमतों और रिफाइनरी की डिमांड की वजह से इंपोर्ट में काफी बढ़ोतरी हुई। केंद्र के अनुसार, भारत के पास रिजर्व और सप्लाई चेन में 250 मिलियन बैरल से ज्यादा कच्चा तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट हैं।

रायसीना संवाद में ईरान के जहाज आईआरआईएस लावन को कोच्चि में दी गई शरण के मामले पर बोले विदेश मंत्री

गलत समय पर गलत जगह फंस गए थे, हमने मानवीय आधार पर दी है शरण: जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शनिवार को रायसीना संवाद-2026 में आयोजित किए गए एक सत्र के दौरान अमेरिका द्वारा हाल ही टारपीडो हमले में डुबोए गए ईरान के जहाज आईआरआईएस डेना प्रकरण के तुरंत बाद ईरान के एक अन्य जहाज आईआरआईएस लावन को कोच्चि में दी गई शरण के पीछे की पूरी कहानी विस्तार से समझायी है। उन्होंने कहा कि भारत ने मानवीय आधार पर ईरानी जहाज को शरण देने का निर्णय लिया था। जो कि बिल्कुल ठीक है। क्योंकि वो गलत समय पर गलत जगह पर फंस गए थे। उन्होंने कहा कि मैं, संयुक्त राष्ट्र के समुद्री कानूनों का समर्थन करता हूं। हमें ईरान की तरफ से मदद के लिए संदेश मिला था। जिसमें उनका जहाज हमारे सीमा के करीब था। वो हमारे बंदरगाह पर आकर रुकना चाहते थे। उस दौरान वो कुछ समस्याओं से घिरे हुए थे। 28 मार्च को ईरानी पक्ष ने हमसे संपर्क किया और हमने 1 मार्च को उन्हें कोच्चि बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी थी। लेकिन इसमें उन्हें कुछ समय लगा और फिर वो अंत में कोच्चि पहुंच गए। जहाज में कई युवा ईरानी कैडेट थे। जहाज की समुद्री यात्रा की शुरुआत और उसके बाद यहां पहुंचने के बीच की परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। भारत में वो अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू और मिलन युद्धाभ्यास में भाग लेने के आए थे। लेकिन बाद में वो गलत समय पर गलत जगह पर फंस गए। ईरान ने इस आयोजन के लिए अपने तीन जहाज हिंद महासागर की ओर भेजे थे। जिसमें डेना, लावन और बुशहर शामिल हैं।

समझाया आईओआर का महत्व

जयशंकर ने हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) का महत्व बताते हुए कहा कि यह इलाका मौजूदा दौर में बड़ी तेजी के साथ पुनर्निर्माण और सुधारों के दौर से गुजर रहा है। इसलिए इस कवायद में सफलता प्राप्त करने के लिए देशों के बीच निरंतर आधार पर कूटनीतिक प्रयास और सहयोग किए जाने का आवश्यकता है। ये महज एक समुद्री क्षेत्र नहीं है। बल्कि एक पूरा इकोसिस्टम है। सुधारों को लेकर तमाम देश अपने-अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं। लेकिन जरूरत इस बात की है कि आईओआर के पुराने व्यापारिक मार्गों को फिर से सशक्त बनाए जाना चाहिए और कनेक्टिविटी को भी मजबूती प्रदान की जानी चाहिए। भारत बीते एक दशक से इस मामले में सक्रिय योगदान दे रहा है।

भारत के उत्थान को कोई रोक नहीं सकता

उन्होंने अमेरिका की भारत के खिलाफ की गई हालिया तल्ख टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि देश का उत्थान निर्बाध गति से होगा। उसे रोका नहीं जा सकता है। हम अपनी ताकत के बलबूते पर अपनी विकास की कहानी को खुद लिखेंगे। जिसमें हमारी शक्ति, हमारी प्रतिबद्धता के संकल्प से आएगी, न कि किसी दूसरे की गलतियों से ऐसा कुछ होगा। जयशंकर की ये टिप्पणी बीते दिनों इसी कार्यक्रम में अमेरिका के उप-विदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडो के उस बयान के बाद सामने आई है। जिसमें लैंडो ने कहा था कि अमेरिका भारत को चीन की तरह कभी भी अपना आर्थिक प्रतिद्वंदी नहीं बनने देगा। वहीं, किसी देश या व्यक्ति विशेष का नाम लिए बगैर डॉ. जयशंकर ने ये बयान दिया है।

संसद: बजट सत्र का दूसरा चरण कल से, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के आसार

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान हो सकता है हंगामा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण कल सोमवार से शुरू हो रहा है। पहले चरण में खूब हंगामा हुआ जिसके चलते संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से नहीं चल पायी। दूसरे सत्र की शुरुआत ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के साथ होनी है, इसलिए हंगामे के पूरे आसार हैं। हालांकि, लोकसभा स्पीकर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को गिराने सहित विपक्ष को जवाब देने के लिए सत्ता पक्ष ने भी पूरी तैयारी की है। विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की पुरजोर कोशिश करेगा, ऐसा दिखाई पड़ रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट में अंतरराष्ट्रीय मेहमानों के सामने कांग्रेस के अर्धनग्न प्रदर्शन के मामले में अन्य विपक्षी सहयोगियों का साथ न मिलने से कांग्रेस अकेले कठघरे में खड़ी है तो इसे देश के अपमान से जोड़कर सरकार भी करारा पलटवार कर सकती है।

ईरान के साथ अमेरिका-इजरायल युद्ध, ईरानी सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत पर भारत के संतुलित रुख और रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी दावे-दखल जैसे मुद्दों पर विपक्ष की जिस तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं, उससे इशारा मिलता है कि इनके सहारे सरकार को घेरने का प्रयास होगा। वहीं, सरकार भी कमर कसकर तैयार दिख रही है। बजट सत्र के दूसरे चरण में वैश्विक संघर्ष और उसके प्रभाव संसद में गतिरोध का कारण बन सकते हैं। विपक्षी दल रूसी तेल की खरीद जारी रखने में अमेरिका के दावे को आधार बनाकर संसद में भी इन आरोपों के साथ चर्चा कराना चाहेगा कि भारत अमेरिका के दबाव में है, क्योंकि राहुल गांधी इस मुद्दे को तूल दे भी रहे हैं। इसके साथ ही भारतीय समुद्री क्षेत्र में ईरानी युद्धपोत पर हमले की घटना को विपक्ष भारत के लिए सामरिक चुनौती के रूप में पेश कर सकता है। वहीं, खामेनेई की मौत पर भारत सरकार की शुरुआती चुप्पी पर भी कांग्रेस ने खास तौर पर सवाल उठाए हैं। उधर, चुनावी मुहाने पर खड़े पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन कर रही हैं। टीएमसी सांसद ने मुख्य चुनाव आयुक्त के विरुद्ध जिस तरह के तीखे बयान दिए हैं, उससे पूरा अंदेशा है कि इस टीएमसी इसी मुद्दे पर संसद में गतिरोध पैदा करना चाहेगी।

95 वर्ष के थे जॉर्ज, लड़ाई में वाघा सेक्टर में अपने अदम्य साहस, वीरता से दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए थे

1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के नायकों में शुमार लांस हवलदार केजी जॉर्ज का हुआ निधन

तत्कालीन सरकार ने युद्धकाल के सर्वोच्च सैन्य सम्मान वीर चक्र से किया था जॉर्ज को सम्मानित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

1965 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई भीषण जंग में दुश्मन को 'नाकों चने चबाने' वाले भारतीय सेना के वीर योद्धा और लांस हवलदार (लाइनमैन फील्ड) केजी जॉर्ज का शनिवार सुबह सवा पांच बजे 95 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया है। सेना ने उनके निधन पर दुख जताते हुए इसे देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है। साथ ही कहा कि केजी जॉर्ज का जीवन और सेना में उनका योगदान सैनिकों की भावी पीढ़ियों के लिए लगातार प्रेरणा का स्रोत रहेगा। दुश्मन के

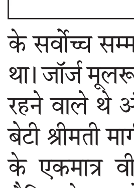

खिलाफ प्रदर्शित किए गए साहस और मातृभूमि की रक्षा के लिए दिए गए योगदान को लेकर उन्हें तत्कालीन सरकार ने सैन्य काल में दिए जाने वाले देश के सर्वोच्च सम्मान वीर चक्र से सम्मानित किया था। जॉर्ज मूलरूप से केरल के कोट्टायम जिले के रहने वाले थे और उनके परिवार में उनकी एक बेटी श्रीमती मागी हैं। उन्हें सेना की सिग्नल कोर के एकमात्र वीर चक्र पुरस्कार से सम्मानित सैनिक के रूप में भी जाना जाता था।

दुश्मन के तोपें गूंजती रही, संचार लाइन दुरुस्त की

लांस नायक जॉर्ज सेना की 50वीं स्वतंत्र पैराशूट ब्रिगेड की सिग्नल कंपनी में तैनात थे। 6 से 10 सितंबर 1965 को वाघा सेक्टर में पाकिस्तान की सेना ने भारतीय सेना पर अपनी तोपों और जहाजों के जरिए जमीन, आसमान से एक साथ बड़ा हमला बोला था। लगातार हमले के चलते सेना के ब्रिगेड मुख्यालय और सुदूर इलाके में तैनात सैन्य बटालियनों के बीच संवाद के लिए स्थापित की गई संचार लाइनें लगातार बाधित हो रही थीं। लेकिन लड़ाई के बीच बनी हुई जानलेवा चुनौती में बिना घबराए हुए लांस नायक जॉर्ज ने अपनी टुकड़ी का नेतृत्व किया और उच्च-कोटि के समर्पण के जरिए बाधित हुई संचार लाइनों को दुरुस्त किया। जिससे बीच युद्ध में 8 और 9 सितंबर 1965 को ब्रिगेड मुख्यालय और बटालियनों के बीच निर्बाध कमान और नियंत्रण की प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के एक बार फिर से शुरू हुई। यह उन्हीं का साहस, नेतृत्व क्षमता और ड्यूटी के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना थी। जिसमें दुश्मन के तोप के गोलों और गोलियों की बौछारों के बीच उन्होंने सेना का रणनीतिक समन्वय को कायम रखने में अहम योगदान दिया। सरकार ने उनके इस योगदान को स्वीकार करते हुए उन्हें वीर चक्र से सम्मानित किया था।

खबर संक्षेप

इमरान की पार्टी के 47 कार्यकर्ताओं को जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 47 नेताओं और समर्थकों को अदालत ने 10 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला रावलपिंडी की आतंकवाद निरोधक अदालत ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने इन सभी लोगों को मई 2023 में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों और तोड़फोड़ के मामले में दोषी पाया है।

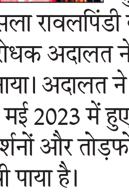

रूस का यूक्रेन के शहर पर हमला, 7 की मौत

कीव। रूस ने शनिवार को यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में एक भीषण मिसाइल हमला किया। रूसी मिसाइल एक पांच मंजिला रिहायशी इमारत से टकरा गई, जिससे कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।

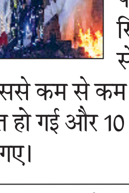

आने वाला समय 'भारत' का, वो किसी भी पक्ष से बात कर सकता

फिनलैंड के राष्ट्रपति स्टब बोले

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने शनिवार को भारत की जमकर सराहना की है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जो वैश्विक विवादों में

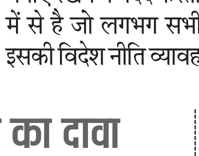

हर पक्ष से बात कर सकता है। भारत की संतुलित विदेश नीति उसे वैश्विक संघर्षों में कई पक्षों से संबंध बनाए रखने में मदद करती है। भारत उन दुर्लभ देशों में से है जो लगभग सभी से बात कर सकता है। इसकी विदेश नीति व्यावहारिक और यथार्थवादी है। भारत के गहरे गठबंधन नहीं हैं, जो इसे काफी खुला बनाता है। उन्होंने कहा कि भारत के रूस, यूक्रेन और अमेरिका के साथ संबंध उसे कूटनीतिक रूप से मजबूत स्थिति में रखते हैं। भारत की आबादी, बढ़ती अर्थव्यवस्था और गौरवशाली इतिहास यह बताते हैं कि आने वाला समय भारत का ही है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का भी पुरजोर समर्थन किया।

आधुनिक युद्ध क्षेत्रीय संकट बने

स्टब ने कहा कि भारत के पीएम के साथ शुक्रवार को तीन घंटे बिताना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात थी। हमने विश्व भर के संघर्षों, चीन, अमेरिका, रूस और यूरोप के साथ संबंधों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर भी व्यापक और सार्थक बातचीत की। स्टब ने कहा कि आधुनिक संघर्ष स्थानीय युद्धों से आगे बढ़कर क्षेत्रीय संकट बन गए हैं। उन्होंने कहा स्थिति नाजुक है। स्टब ने क्षेत्र में तनाव कम करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही देश झगड़ों से दूर रहने की कोशिश करें, लेकिन कोई भी इसके ग्लोबल असर से बचा नहीं जा सकता, क्योंकि इससे तेल की कीमतें, व्यापार और समुद्री मार्ग हमेशा प्रभावित होते हैं।

नैरोबी में भारी बारिश का कहर, 8 की मौत

नैरोबी। केन्या की राजधानी नैरोबी में शुक्रवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। इसमें अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। पुलिस प्रमुख जॉर्ज सेडा के अनुसार, मृतकों में छह लोग डूब गए और दो लोगों की जान बिजली का करंट लगने से गई।

केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल का दावा

अन्य देशों की तुलना में भारत को अमेरिका से सबसे बेहतर डील मिली

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत ने अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ सबसे बेहतर व्यापारिक समझौता हासिल किया है। उन्होंने कहा दोनों देश एक अत्यंत शक्तिशाली संबंध साझा करते हैं। गोयल ने कहा कि अमेरिका 30 लाख करोड़ डॉलर की विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और कोई भी इसकी उपेक्षा नहीं कर सकता। रायसीना संवाद 2026 में उन्होंने कहा कि हमारे संबंध बेहतरीन हैं और राष्ट्रपति ट्रंप ने सदैव भारत और पीएम मोदी के विषय में प्रशंसात्मक बातें कही हैं। भारत-

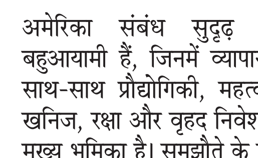

अमेरिका संबंध सुदृढ़ और बहुआयामी हैं, जिनमें व्यापार के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा और वृहद निवेश की मुख्य भूमिका है। समझौते के तहत भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करेगा। साथ ही भारत ने अगले पांच वर्षों में अमेरिका से ऊर्जा उत्पादों, विमानों, प्रौद्योगिकी और कोकिंग कोल सहित 500 अरब डॉलर की खरीद करने की मंशा भी जताई है।

नेपाल चुनाव: 4 साल पुरानी आरएसपी की ऐतिहासिक जीत

बालेन शाह ने भारत विरोधी केपी ओली को 50,000 वोटों से हराया

आरएसपी ने 165 में से 62 सीटें जीती, 60 पर आगे

सफल चुनाव कराने पर पीएम की नेपाल को बधाई

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल में आम चुनाव की मतगणना जारी है। 165 सीटों पर शुरुआती रुझान आ चुके हैं। रैपर और काठमांडू के मेयर रहे बालेन शाह ने पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली को 50 हजार वोटों से हरा दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के बालेन शाह और ओली झापा-5 सीट से चुनाव लड़ रहे थे। यहां बालेन शाह को 68,348 वोट मिले, जबकि केपी शर्मा ओली को 18,734 वोट मिले। ओली को भारत विरोधी नेता माना जाता है। उन्होंने झापा-5 सीट से 2017 और 2022 का

जीत के प्रमाण पत्र के साथ बालेन शाह

चुनाव जीता था। बालेन शाह की आरएसपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। आरएसपी ने अब तक 62 सीटें जीत ली हैं, जबकि 60 सीटों पर आगे चल रही है। यह पार्टी सिर्फ 4 साल पहले एक पत्रकार रहे रबि लामिछाने ने बनाई थी। पिछले साल सितंबर में हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद 5 मार्च को हुए चुनाव में 58% लोगों ने वोट डाले। वोटों की गिनती पूरी होने में 3 से 4 दिन लगने की उम्मीद है। 9 मार्च तक काउंटिंग पूरी करने की कोशिश की जाएगी।

शाह रैपर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर

काठमांडू के नारादेवी में जन्मे बालेन शाह मधेशी परिवार से आते हैं। उनके पिता स्वर्गीय राम नारायण शाह प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक थे। 2015 के गोरखा भूकंप के बाद शाह राहत कार्यों में भी सक्रिय रहे थे। वे एक रैपर, गीतकार और म्यूजिक प्रोड्यूसर भी हैं। उन्होंने 2012 में अपने संगीत करियर की शुरुआत की थी। शुरुआत में वे विवेकशील पार्टी से जुड़े थे। बाद में 2022 में काठमांडू मेयर का चुनाव उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता था।

पीएम पद के प्रमुख दावेदार हैं 'बालेन'

इसके बाद दिसंबर 2025 में वे आरएसपी में शामिल हुए और 2026 के आम चुनाव में पार्टी के अभियान का नेतृत्व किया, जहां उन्हें नेपाल के पीएम पद के प्रमुख दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। 'बालेन' के नाम से मशहूर बालेंद्र शाह ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को 'मधेश का बेटा' बताया था और पार्टी ने 'अबकी बार बालेंद्र सरकार' का नारा दिया था।

नई सरकार के साथ मिलकर काम करेंगे

पीएम नरेंद्र मोदी ने नेपाल में सफल रहे चुनाव के बाद नेपाल की जनता और सरकार को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफोर्म एक्स पर लिखा कि मैं नेपाल के लोगों और सरकार को चुनाव के सफल आयोजन पर दिल से बधाई देता हूं। अपने नेपाली भाइयों और बहनों को अपने डेमोक्रेटिक अधिकारों का इतने जोश के साथ इस्तेमाल करते देखना बहुत अच्छा लग रहा है। भारत नेपाल के लोगों और उनकी नई सरकार के साथ मिलकर काम करने के अपने वादे पर कायम है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109